'अंजलि अरोड़ा की श्री रामायण कथा ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर की शॉकिंग कमाई, 'द वन' को छोड़ पाई पीछे?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 29
न्यूनतम - 27

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 267 RNI NO.43285/85 | संस्करण- नगर | मुजफ्फरनगर शनिवार 26 सितम्बर 2026 | भाद्रपद शुक्ल 14 विक्रमी संवत | पृष्ठ 12 | मूल्य 4 रुपया

संक्षिप्त समाचार

बिहार सीएम ने पीड़ित परिवार की फोटो शेयर की, फिर डिलीट

- तेजस्वी बोले-सीएम पॉक्सो एक्ट की धज्जियां उड़ा रहे,एफआईआर हो

पटना (एजेंसी)। बिहार के जमुई में सड़क पर बदसलूकी की पीड़ित के परिवार के फोटो शेयर करने पर विवाद हो गया है। पीड़ित परिवार गुरुवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मिला था। सम्राट चौधरी ने इस मुलाकात की तस्वीर एक्स हैंडल से बिना ब्लर किए शेयर कर दी। 15 मिनट बाद इसे डिलिट कर दिया गया। अब तेजस्वी यादव ने कार्रवाई की मांग कर दी है। राजद सांसद मीसा

भारती ने भी इस पोस्ट पर सवाल उठाए और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पीड़ित बच्ची की मां ने सीएम से मिलने के बाद कहा, हमें बेटी के साथ हुई घटना का दर्द अब भी है, लेकिन कार्रवाई होने और सरकार से सुरक्षा को लेकर मिले आश्वासन से राहत मिली है। पीड़ित की मां ने बताया, 24 सितंबर की शाम हम पटना आए। यहां हमने बेटी के साथ हुए घटना को लेकर सीएम सम्राट चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने हमसे कहा– आपकी बेटी मेरी बेटी है, आप बिल्कुल निश्चिंत रहिए।

बृजभूषण सिंह के खिलाफ फिर कोर्ट पहुंचीं 4 महिला रेसलर

- यौन उत्पीड़न केस में बरी करने के फैसले को चुनौती

पानीपत (एजेंसी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ 4 महिला पहलवानों ने फिर कोर्ट का रुख किया है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अपील दायर कर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट के 3 अगस्त 2026 के फैसले को चुनौती दी है। निचली अदालत ने

बृजभूषण शरण सिंह और कुश्ती संघ के तत्कालीन सहायक सचिव विनोद तोमर को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। महिला पहलवानों ने अपनी याचिका में इस फैसले को पुरानी सोच वाला बताया है। उनका कहना है कि फैसले में यौन उत्पीड़न की पीड़िताओं के व्यवहार को लेकर बनी–बनाई धारणाओं को आधार बनाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि फैसले में यह अपेक्षा की गई कि यौन हिंसा की पीड़िता को घटना के बाद किस तरह व्यवहार करना चाहिए। इस अपील पर राउज एवेन्यू कोर्ट में 26 सितंबर को सुनवाई हो सकती है।

पीएम मोदी ने वाराणसी से वडनगर जा रहे बाइकर्स से बात की

समाज के लिए काम करें, वोटबैंक की राजनीति के लिए बिलकुल नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी से वडनगर जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम गांधी जी के जीवन की ओर देखते हैं, तो वे अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने और आजादी का आंदोलन चलाने के साथ-साथ एक बड़े सामाजिक सुधारक भी थे। समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ उन्होंने हमेशा काम किया। इसलिए हमें भी समाज में

निरंतर सुधार और सकारात्मक परिवर्तन के लिए काम करते रहना चाहिए, केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं। दरअसल, दो बाइक रैलियों को 17 सितंबर को पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर रवाना किया गया था। एक रैली उनके जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी और दूसरी वाराणसी से वडनगर के लिए निकली है। दोनों यात्राएं 7 अक्टूबर को पूरी होंगी। ये रैलियां मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए निकाली जा रही हैं।

पीएम बोले-सेवा यात्राओं ने मेरे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

बीते 12 साल में भारत में शहरों और गांवों के बीच जो गैप था, वह काफी कम हुआ है। आज गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुआ है। हमारी बहनों और बेटियों में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। कल मुझे वडनगर से निकले सेवा यात्रियों की सभी टोलियों से संवाद करने का मौका मिला। आज काशी से मेरे गांव जा रही सेवा यात्रियों की टोली से भी बात करने का मौका मिला। वडनगर ने मुझे जीवन के संस्कार दिए और काशी ने मेरे संस्कारों में सेवा के अनगिनत रंग भरे हैं। मुझे संतोष है कि आप सभी युवा साथी भी इस यात्रा को सेवा के अनेक रंगों से सराबोर कर रहे हैं। सेवा यात्राओं ने मेरे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश का शायद ही कोई ऐसा जिला होगा, जहां जाने का मुझे अवसर न मिला हो।

विदा हुए बप्पा...

भावविभोर नजर आए भक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार को गणेश उत्सव का आखिरी दिन रहा। देशभर में गणेश प्रतिमाओं का नदियों, तालाबों, झीलों और कृत्रिम कुंडों में विसर्जन किया गया। मुंबई में 25 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहे। विसर्जन के लिए 383 कृत्रिम कुंड भी बनाए गए थे। हैदराबाद में भी 25-30 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था संभालते नजर आए। निगरानी के लिए 24 ड्रोन और 10 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। हुसैन सागर के आसपास 100 अतिरिक्त कैमरे, जबकि झील किनारे क्रेन, इमरजेंसी बोट, गोताखोर और मेडिकल पोस्ट तैनात किए गए थे। जुलूसों के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन और कई पाबंदियां लागू रहीं। इस साल 12 दिनों तक चला त्योहार।

हैदराबाद में 39 लाख में बिका एक गणेश लड्डू

गणेश चतुर्थी के मौके पर हैदराबाद में शुक्रवार को भव्य जुलूसों और गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ उत्सव अपने चरम पर पहुंच गया। इसी बीच शहर में गणेश लड्डू प्रसाद की पारंपरिक नीलामी भी चर्चा में रही। इस साल बालापुर गणेश का लड्डू 39 लाख रुपये में नीलाम हुआ। बालापुर गणेश की लड्डू नीलामी हैदराबाद में गणेश उत्सव की सबसे चर्चित परंपराओं में से एक है। इस साल समा प्रणीत रेड्डी ने 39 लाख रुपये की बोली लगाकर लड्डू अपने नाम किया। यह रकम पिछले साल के मुकाबले 4 लाख रुपये अधिक है। यह नीलामी 25 सितंबर को सुबह साढ़े 9 बजे आखिरी पूजा और गांव में जुलूस के बाद आयोजित की गई। नीलामी में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। बालापुर गणेश लड्डू की नीलामी का इतिहास करीब तीन दशक पुराना है। यह परंपरा 1994 में शुरू हुई थी, जब किसान कोलन मोहन रेड्डी ने लड्डू को 450 रुपये में खरीदा था।

बांग्लादेश बॉर्डर पर डीआरआई और बीएसएफ की बड़ी कार्रवाई

- 12 किलो विदेशी सोना किया जब्त, 17 करोड़ रुपये है इसकी कीमत

कोलकाता (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स ने बड़ी कार्रवाई की है। बॉर्डर के जरिए होने वाली सोने की तस्करी के खिलाफ यह कार्रवाई कई गई है। दोनों एजेंसियों ने करीब 17 करोड़ रुपये कीमत का लगभग 12 किलो विदेशी सोना जब्त किया है। यह कार्रवाई पश्चिम बंगाल और बिहार में सीमा से सटे इलाकों के साथ-साथ एक ट्रेन यात्री के खिलाफ भी की गई। मंत्रालय ने बताया कि पश्चिम बंगाल और बिहार में कई अभियान के दौरान, लगभग 12 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया गया, जिसकी कुल कीमत लगभग 17 करोड़ रुपये है। मंत्रालय ने बताया कि सीमा के निकटवर्ती स्थानों और ट्रेन के एक यात्री के पास से सोना बरामद किया।

सीमा के पास छिपाकर रखा था सोना

पश्चिम बंगाल में बीएसएफ की 161 बटालियन के जवानों ने 20–21 सितंबर को गोंगरा इलाके में भारत–बांग्लादेश बॉर्डर रोड के पास बिना दावे वाला विदेशी सोना बरामद किया। बरामद सोने के 27 टुकड़ों का कुल वजन करीब 3.15 किलो था। बाद में डीआरआई ने मामले को अपने हाथ में लेते हुए कस्टम्स एक्ट 1962 के तहत सोना जब्त कर लिया। इसके अलावा 21 सितंबर को महाखोला इलाके में बीएसएफ जवानों ने 24 कैरेट विदेशी सोने के 10 टुकड़े बरामद किए।

पहले भी बरामद हुई थीं 48 सोने की छड़ें

इससे पहले 10–11 सितंबर को बीएसएफ जवानों ने पत्थरघाटा इलाके में भारत–बांग्लादेश सीमा की बाड़ के पास विदेशी सोने की 48 छड़ें बरामद की थीं। इनका कुल वजन करीब 5.9 किलो बताया गया। बाद में डीआरआई ने इस कंसाइनमेंट को अपने कब्जे में लेकर जब्त कर लिया। एजेंसियां बरामद सोने के स्रोत और तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही हैं।

कुर्सी उठाने पर बीजेपी विधायक विक्रम रंधावा को बाहर निकाला गया

'स्टेटहुड' पर विधानसभा में बवाल

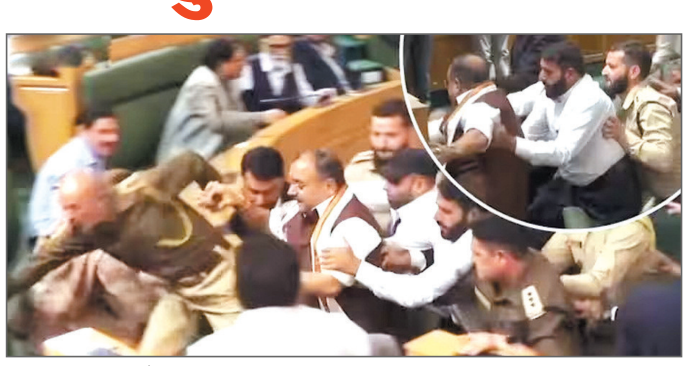

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को भारी हंगामा देखने को मिला। बीजेपी के विधायक विक्रम रंधावा को बलपूर्वक सदन से बाहर कर दिया गया। विक्रम रंधावा बीजेपी के बहू विधानसभा सीट से विधायक हैं। विक्रम रंधावा को जम्मू-कश्मीर विधानसभा सत्र के दौरान राज्य के दर्जे से जुड़े विवाद और विरोध प्रदर्शन के चलते उन्हें सदन से बाहर भी किया गया था। विक्रम रंधावा अपने बयानों और आक्रामक रुख के कारण अक्सर सुर्खियों में रहते हैं। वह इससे पहले जम्मू में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों को वापस भेजने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग को लेकर चर्चा में आए थे। श्रीनगर में चल रहे विधानसभा सत्र में शुक्रवार को उस वक्त पर जबरदस्त हंगामा हो गया।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में क्यों हुआ बवाल

स्टेटहुड और स्वायत्तता प्रस्ताव–मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा राज्य का दर्जा (स्टेटहुड) बहाल करने और वर्ष 2000 के स्वायत्तता प्रस्ताव के संदर्भ से जुड़े प्रस्ताव पेश किए जाने पर विवाद हुआ। बीजेपी के सदस्यों ने इस प्रस्ताव और उसके संदर्भों का कड़ा विरोध किया तथा सदन में जोरदार नारेबाजी की। हंगामे और नारेबाजी के दौरान स्थिति बिगड़ने पर विधानसभा अध्यक्ष ने बीजेपी विधायक रंधावा को सदन से बाहर निकाल दिया। इसके बाद कार्यवाही को सोमवार तक के लिए स्थगित करना पड़ा। विक्रम रंधावा 2024 के जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में बहू निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए। इससे पहले उन्होंने भाजपा के विधान परिषद सदस्य और जम्मू–कश्मीर भाजपा के प्रदेश सचिव के रूप में भी कार्य किया है।

पाकिस्तान की नींद उड़ा रहे हैं यूपी में बने ब्रह्मोस

- नोएडा में गरजे अमित शाह, की सीएम योगी की जमकर तारीफ

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा है कि, आज यूपी में बने ब्रह्मोस पाकिस्तान की नींद उड़ा देते हैं। यह बदलाव का सबसे बड़ा लक्षण है। उन्होंने कहा कि आज 80 देशों में भारत के रक्षा उत्पादों का निर्यात हो रहा है। इसमें उत्तर प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है। यहां पर डिफेंस कॉरिडोर बनाने तक नहीं, योगी सरकार ने इसको फैसिलिटेट करने के लिए, इन्फ्रास्ट्रक्चर से जोड़ने के लिए अनुकूल नीतियां बनाने के लिए ढेर सारा काम किया है। केंद्रीय गृह मंत्री उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के पहले दिन आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इससे पहले विभिन्न स्टॉलों का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ भ्रमण किया।

रक्षा उत्पादों के लिए यूपी में इनवेस्टमेंट आ रहा

गृह मंत्री शाह ने कहा कि, मैं और योगी जी अभी आ रहे थे। रास्ते में हमने स्टाल देखे झांसी, चित्रकूट, आगरा, अलीगढ़, कानपुर, छह डिफेंस कॉरिडोर के नोड्स, सभी जगह डिफेंस के मैन्युफेक्चरिंग के लिए इनवेस्टमेंट आ रहा है। इसके कारण न केवल उत्तर प्रदेश देश भर के डिफेंस के उत्पाद का विकास हुआ है। आज हमारा रक्षा उत्पादन एक लाख 78 हजार करोड़ को पार कर गया है। 2013–14 की तुलना में रक्षा उत्पादों के निर्यात में हमने 56 गुनी वृद्धि की है। अमित शाह ने कहा कि, आज 80 देशों में भारत के रक्षा उत्पादों का न निर्यात हो रहा है।

भोपाल में कहा-अब आ रही हैं 100 फीसदी इथेनॉल वाली गाड़ियां

गड़करी उवाच, ई-20 पेट्रोल से बढ़े हैं गाड़ियों के माइलेज

- बसों पर गडकरी ने कहा-नोट लेकर आरटीओ अफसर ठपठपा देते हैं
- एमपी की राजधानी भोपाल में सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत की

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी अपनी बात बेबाकी से रखते हैं। भोपाल में सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत के दौरान उन्होंने ई-20 पेट्रोल को लेकर अपनी बात रखी है। साथ ही बसों की रजिस्ट्रेशन को लेकर आरटीओ पर तंज कसा है। साथ ही नितिन गडकरी ने प्राइवेट गाड़ियों को टैक्सी में चलाने के लिए नियम बनाने की मांग की है। दरअसल, बीते कुछ दिनों से ई-20 पेट्रोल को लेकर देश में बहस छिड़ी हुई है। इसे लेकर लोगों के बीच में ई-20 पेट्रोल पर नितिन गडकरी ने बात की है। उन्होंने कहा कि ई-20 का मतलब है कि हम पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाते हैं, यह किसान तैयार करता है। यह 19 देशों में है।

हाइड्रोजन बस और ट्रक चलाने का प्लान

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि मैं इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर का भी इस्तेमाल कर रहा हूं। मेरे यहां इसी से खेती हो रही है। मैं हाइड्रोजन की गाड़ी से घूमता हूं। पानी से हाइड्रोजन तैयार होता है। हिंदुस्तान में 10 रूट पर अब हाइड्रोजन से चलने वालीं बसें और ट्रक शुरू करने जा रहे हैं।

गांधी जी लेकर ठप्पा मार देते हैं

उन्होंने कहा कि आरटीओ के अफसर इस बात का ध्यान रखें। मुझे मालूम नहीं लेकिन बहुस से आरटीओ के ऑफीसर गांधीवादी हैं। गांधी की नोट दिखती है तो ठपा ठप ठपठपा देते हैं। इसके बाद सभी लोग हंसते हैं। वह याद दिलाते हैं कि गलत बस को सेक्शन किया तो सबकी नौकरी जाएगी।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कांग्रेस का देशभर में प्रदर्शन

दिल्ली-पटना में मार्च, देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन कर रही है। उत्तराखंड के देहरादून में कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। कांग्रेस का आरोप है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव आयोग में मनमानी कर रहे हैं और दो अन्य आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं।

पार्टी का ये आरोप इंडियन एक्सप्रेस में छपी उस खबर के बाद आया है जिसमें कहा गया है कि पिछले 10 महीनों में 14 बार दोनों चुनाव आयुक्तों ने आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई है। इधर, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शुक्रवार को कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार ने इस्तीफा नहीं दिया तो 2 अक्टूबर से देशव्यापी आंदोलन करेंगे। सीजेपी ने गुरुवार को ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे की डेडलाइन दी थी।

अनमोल वचन

आज से श्राद्ध पक्ष प्रारम्भ है। श्राद्ध और तर्पण का अर्थ है अपने जीवित पितरों को श्रद्धा और सम्मान के साथ हर प्रकार से तृप्त करना। जो अपने जीवित माता-पिता तथा अन्य पितरों का श्राद्ध नहीं करते वे निन्दित होते हुए जीते हैं। उनको (पितरों को) मृत्यु के पश्चात उनका श्राद्ध करना मात्र आडम्बर है। मृत माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी आदि को मृत्यु के पश्चात भी श्राद्ध करने का अधिकारी भी वही है जिसने अपने इन बड़ों को श्राद्ध उनके जीते जी किया है। 'पितर' शब्द जीवित के लिये प्रयोग होता है। क्योंकि पितर का शाब्दिक अर्थ है रक्षा करने वाला। कोई भी जीते जी ही किसी की रक्षा कर सकता है। मृत्यु होने के पश्चात जब वह निर्जीव हो जाता है तो वह किसी की कैसे रक्षा करेगा। इस युग में ऐसे भाग्यशाली पुत्र बहुत ही कम संख्या में हैं जिन्हें अपने पितरों की सेवा और श्राद्ध करने का सौभाग्य मिलता है अर्थात श्रद्धा के साथ तृप्त करने का सुअवसर प्राप्त होता है। अन्यथा अधिकांश के पितरों को तो अपमान के घूंट पीकर नारकीय जीवन जीने को बाध्य होना पड़ता है। इसलिये आज की सन्तान को यह सद्परामर्श है कि वे अपने पितरों की मृत्यु के बाद उन पर फूलमालाएं चढ़ाने तथा उनके श्राद्ध पर खर्च करने की अपेक्षा उनके जीते जी ही उनको हर प्रकार से तृप्त करें, उनकी सेवा करें। कोई ऐसा शब्द उनके लिये मुंह से न निकालें जिससे उन्हें पीड़ा हो। श्राद्ध पक्ष सोलह दिन का निश्चित किया गया है परन्तु इसे पूरे वर्ष और पूरे दिन मनायें और तब तक मनायें जब तक पितर जीवित हैं।

टेंडर बदला तो बिगड़ गई पानी की ऑनलाइन व्यवस्था, पुरानी फर्म की 13 लाख की जमानत राशि जब्त

70 ट्यूबवेलों के संचालन का सिस्टम ठप होने से 24 घंटे पानी को तरसे शहरवासी, नई फर्म भी नोटिस के घेरे में

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका के जलकल विभाग में ट्यूबवेलों के संचालन को लेकर चल रहा पुरानी और नई फर्म का विवाद अब शहर की पेयजलापूर्ति तक पहुंच गया है। स्काडा ऑटोमेशन सिस्टम का सर्वर डाउन होने से 70 ट्यूबवेलों का संचालन प्रभावित हुआ और शहर में करीब 24 घंटे तक पेयजलापूर्ति बाधित रही। सभासदों की शिकायत के बाद शुरू हुई विभागीय जांच में पुरानी फर्म पर सिस्टम से छेड़छाड़ कर सर्वर डाउन करने का प्रथम द्दष्टया आरोप सामने आया है। इसके बाद पालिका ने फर्म की करीब 13 लाख रुपये की जमानत राशि वाली एफडी जब्त कर ली है। वहीं वर्तमान में काम देख रही नई फर्म को भी सिस्टम संचालन में लापरवाही के आरोप में नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

एक सिस्टम पर टिकी है 70 ट्यूबवेलों की कमान

नगर पालिका परिषद के जलकल विभाग के अधीन शहर में 81 ट्यूबवेल संचालित हैं। इनमें 70 ट्यूबवेल स्काडा ऑटोमेशन सिस्टम से जुड़े हुए हैं। ऑनलाइन व्यवस्था के जरिए इन ट्यूबवेलों के संचालन और निगरानी का काम किया जाता है।

बुधवार को अचानक स्काडा सिस्टम का सर्वर डाउन होने से ऑनलाइन संचालित होने वाले ट्यूबवेलों का संचालन प्रभावित हो गया। इसका सीधा असर शहर की पेयजलापूर्ति पर पड़ा। कई क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

सभासदों ने खोला मोर्चा, ईओ से की शिकायत

पेयजलापूर्ति बाधित होने के बाद सभासद राजीव शर्मा, मनोज वर्मा, रजत धीमान, रविकांत शर्मा और

शौकत अंसारी ने गुरुवार को नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी को लिखित शिकायत दी। सभासदों ने करीब 24 घंटे तक पेयजलापूर्ति बाधित रहने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ईओ के निर्देश पर एई जलकल अनुज कुमार ने विभाग के जेई धर्मवीर सिंह और जितेन्द्र कुमार को जांच सौंपी। दोनों अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा गया।

जांच में पुरानी फर्म की भूमिका सामने आने का दावा

एई जलकल अनुज कुमार के अनुसार प्रथम द्दष्टया जांच में पुरानी फर्म प्रियांग इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, गाजियाबाद के मालिक अंशुल सिंह और इंद्र कुमार की भूमिका सामने आई है। विभाग का दावा है कि फर्म की ओर से जानबूझकर स्काडा ऑटोमेशन सिस्टम को हैक कर सर्वर डाउन किया गया, जिससे ट्यूबवेलों का संचालन प्रभावित हुआ।

विभाग ने इसी प्रथम द्दष्टया जांच के आधार पर फर्म की करीब 13 लाख रुपये की एफडी जब्त कर ली है। हालांकि मामले में विस्तृत जांच रिपोर्ट के बाद ही अंतिम रूप से जिम्मेदारी तय की जाएगी।

नई फर्म भी जांच के घेरे में

मामले में वर्तमान में स्काडा सिस्टम का संचालन देख रही सर्वेस इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ को भी क्लीन चिट नहीं मिली है। विभाग ने फर्म के मालिक सर्वेस सिंह को नोटिस जारी कर सिस्टम संचालन में लापरवाही के संबंध में स्पष्टीकरण मांगा है। अब जांच में यह भी देखा जा रहा है कि सिस्टम की तकनीकी सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी थी और सर्वर डाउन होने के दौरान सिस्टम तक किस स्तर से पहुंच हुई। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

2015 से चली आ रही है ऑनलाइन व्यवस्था

शहर के ट्यूबवेलों का संचालन पहले मैनुअल तरीके से होता था। वर्ष 2015 से पहले तक ट्यूबवेलों को मानव संसाधन के माध्यम से संचालित किया जाता था। इसके बाद तत्कालीन चेयरमैन पंकज अग्रवाल के कार्यकाल में स्काडा ऑटोमेशन सिस्टम लागू किया गया। टेंडर के बाद प्रियांग इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को स्काडा सिस्टम लगाने और उसके संचालन की जिम्मेदारी मिली। इसके बाद शहर के ट्यूबवेल ऑनलाइन व्यवस्था से संचालित होने लगे। लंबे समय तक यही फर्म इस व्यवस्था को संभालती रही।

नया टेंडर आया तो शुरू हुआ विवाद

वर्ष 2025 में स्काडा ऑटोमेशन के लिए नया टेंडर जारी किया गया। इसमें पांच फर्मों ने भाग लिया। टेंडर प्रक्रिया में एल-1 की शर्त पूरी करने वाली सर्वेस इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड, लखनऊ को कार्य स्वीकृत किया गया। नई फर्म को काम मिलने के बाद वर्क ऑर्डर जारी करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया।

भूमिया खेड़ा मेले में चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर का भव्य स्वागत

फीता काटकर किया मेले का शुभारंभ, मंदिर में पूजा-अर्चना कर ग्रामवासियों की सुख-समृद्धि की कामना

खतौली। खतौली विधानसभा क्षेत्र के गांव अंतवाड़ा में आयोजित प्रसिद्ध भूमिया खेड़ा मेले में राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। मेला कमेटी एवं गांव के जिम्मेदार लोगों ने मुख्य अतिथि चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर से फीता कटवाकर मेले का शुभारंभ कराया। मेले के शुभारंभ के उपरांत चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर ने भूमिया खेड़ा मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया और समस्त ग्रामवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सामाजिक एकता, भाईचारे एवं आपसी सहयोग का संदेश दिया तथा प्रसाद ग्रहण किया। मेले के अवसर पर चौधरी रविंद्र सिंह गुर्जर ने गांव के चौधरी महाराज सिंह, कृष्णपाल ठेकेदार, स्वर्गीय बाबा रतन आर्य के सुपुत्र चौधरी आदित्य गुर्जर, भाजपा नेता जॉनी गुर्जर, संजीव गुर्जर एवं राहुल गुर्जर के आवास पर पहुंचकर आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान सामाजिक विषयों पर चर्चा की तथा सभी का कुशल-क्षेम जाना। इस अवसर पर अंतवाड़ा गांव के प्रसिद्ध लोकगायक परविंदर गुर्जर को गुर्जर प्रतिहार सम्राट मिहिर भोज का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी ओमपाल आर्य गुर्जर, चौधरी हरेंद्र सिंह गुर्जर, चौधरी महेंद्र सिंह, चौधरी अनुज गुर्जर सहित गांव के अनेक गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक साथी मौजूद रहे। भूमिया खेड़ा मेले की यह परंपरा गांव की सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है।

चितरंजन स्वरूप आर्ट गैलरी में पेंटिंग प्रदर्शनी को देखने उमड़ी दर्शकों की भीड़

475 कलाकृतियां बनीं आकर्षण का केंद्र, छात्र-छात्राओं की रचनात्मकता को खूब सराहा

मुजफ्फरनगर। रोडवेज बस स्टैंड के निकट स्थित सनातन धर्म इंटर कॉलेज की चितरंजन स्वरूप आर्ट गैलरी में चितरंजन स्वरूप के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित पेंटिंग प्रदर्शनी के दूसरे दिन दर्शकों की अपार भीड़ उमड़ी। प्रदर्शनी में विद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ कला शिक्षक डॉ. राजबल सैनी की कलाकृतियां भी प्रदर्शित की गई हैं। प्रधानाचार्य आदित्य प्रकाश सक्सेना के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शनी को डॉ. राजबल सैनी द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं की सुंदर कलाकृतियों से सजाया गया है। प्रदर्शनी में करीब 475 पेंटिंग प्रदर्शित की गई हैं, जो दर्शकों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। डॉ. राजबल सैनी की कलाकृतियों में मजदूर, विपदा, सत्यम शिवम सुंदरम, प्राकृतिक द्दश्य चित्रण तथा अमूर्त कला का सुंदर संयोजन देखने को मिल रहा है। वहीं विद्यालय के छात्र-छात्राओं की कलाकृतियों में भी विविध कला शैलियों की झलक देखने

को मिल रही है। रोहन अभिषेक सैनी के धार्मिक चित्र, पूजा सैनी की मधुबनी पेंटिंग, वंशिका भारद्वाज की मंडल पेंटिंग, वर्णिका शर्मा के प्राकृतिक द्दश्य चित्रण, तनवी राजपूत का महाराज छत्रपति शिवाजी का व्यक्तिचित्र, विशाखा सैनी विधानी के कंपोजिशन, ओलिविया के प्राकृतिक द्दश्य चित्रण, अलीना की मंडल पेंटिंग, मनीष सैनी एवं मोहम्मद आकिन के धार्मिक चित्र तथा मोहित सैनी के प्राकृतिक द्दश्य चित्रण को दर्शकों ने खूब सराहा।

प्रदर्शनी में लकी कुमार, देव गौतम, निहाल, पीयूष, वंशिका सैनी, हेमा, मोहम्मद ईशान, मैहर, तन्वी, आयुषी, राधिका, आयशा, सना, सोफिया, महाजबी, मंतशा, प्रियंका, आयुष एवं वंशिका सहित अनेक छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

प्रदर्शनी के सफल आयोजन में अनिल मित्तल, राहुल कुमार, मनीष गर्ग, डॉ. रश्मि चौधरी, जयप्रकाश सिंह, रेशु गुप्ता, संजय सिंह, राजकुमार, प्रशांत सैनी, राजेश सोनकर, आकांक्षा गुप्ता, विनीता आदि राय एवं शालू सहित अन्य का विशेष सहयोग रहा। प्रदर्शनी में पहुंच रहे दर्शक छात्र-छात्राओं की कलात्मक प्रतिभा की सराहना कर रहे है।

रोहन राठी हत्याकांड; हरेटी पहुंचकर मंत्री अनिल कुमार ने शोकाकुल परिजनों से की मुलाकात, परिजनों द्वारा उठाए गए सवालों की गंभीरता से जांच कराने का आश्वासन

पुरकाजी। विधानसभा क्षेत्र पुरकाजी के ग्राम हरेटी में प्रधान विवेक राठी के पुत्र रोहन राठी की गत दिवस हुई हत्या की घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। घटना से ग्रामीणों और परिजनों में गहरा दुख है। शुक्रवार को कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार ने ग्राम हरेटी स्थित रोहन राठी के आवास पर पहुंचकर शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

उन्होंने परिजनों से घटना की जानकारी लेते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि रोहन राठी की हत्या की घटना अत्यंत पीड़ादायक एवं स्तब्ध करने वाली है। दुख की इस घड़ी में वह पूरी तरह पीड़ित परिवार के साथ हैं।

परिजनों ने पुलिस द्वारा घटना का खुलासा किए जाने के बाद भी कई गंभीर सवाल उठाए हैं। इन्हीं सवालों को लेकर मंत्री अनिल कुमार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से वार्ता की। उन्होंने एसएसपी के समक्ष कहा कि परिजनों द्वारा उठाए गए प्रत्येक बिंदु की गंभीरता से जांच कराई जाए और जांच के दौरान यदि कोई नया तथ्य अथवा साक्ष्य सामने आता है तो उसके आधार पर आवश्यक एवं निष्पक्ष कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।उन्होंने कहा कि किसी भी घटना की जांच में सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई होना जरूरी है। पीड़ित परिवार की ओर से उठाए जा रहे सवालों को भी गंभीरता से लेते हुए जांच में शामिल किया जाना चाहिए, ताकि घटना से जुड़े सभी पहलुओं की स्थिति स्पष्ट हो सके और परिवार को न्याय की प्रक्रिया पर भरोसा बना रहे।

परिजनों को हरसंभव सहयोग का भरोसा जनप्रतिनिधि ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात के दौरान उन्हें ढांढस बंधाया तथा कहा कि इस कठिन समय में वह उनके साथ हैं। उन्होंने दिवंगत रोहन राठी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और ईश्वर से परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। रोहन राठी की हत्या की घटना को लेकर ग्राम हरेटी में भी ग्रामीणों के बीच चर्चा रही। ग्रामीणों का कहना है कि घटना ने परिवार को गहरा आघात पहुंचाया है। परिजनों द्वारा उठाए गए सवालों को लेकर भी ग्रामीण मामले की स्थिति स्पष्ट होने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस अवसर पर विनय मित्तल, अंचित मित्तल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मोतीमहल में आवारा कुत्तों का आतंक, बच्चों पर हमला कर काटा

बामुश्किल कुत्तों के कब्जे से छुड़ाया, दोपहिया वाहन चालक भी हो रहे चोटिल, डीएम व चेयरमैन से शिकायत

मुजफ्फरनगर। शहर के मोतीमहल मोहल्ले में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक से लोगों में दहशत का माहौल है। क्षेत्र में घूम रहे आवारा कुत्तों के झुंड आए दिन लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। हालात इस कदर खराब हो गए हैं कि कुत्तों ने बच्चों पर हमला कर उन्हें काटकर घायल कर दिया। अचानक हुए हमले से बच्चे चीख-पुकार करने लगे। आसपास मौजूद लोगों ने किसी तरह मौके पर पहुंचकर बच्चों को आवारा कुत्तों के कब्जे से छुड़ाया। घटना के बाद से बच्चों और उनके परिजनों में भय व्याप्त है।

मोहल्लेवासियों का कहना है कि मोतीमहल क्षेत्र में काफी समय से आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। कुत्तों के झुंड गलियों और रास्तों में घूमते रहते हैं और राहगीरों को देखते ही उनके पीछे दौड़ पड़ते हैं। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों, महिलाओं और

बुजुर्गों को उठानी पड़ रही है। बच्चों के घर से बाहर निकलते ही परिजन उनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार आवारा कुत्ते केवल पैदल राहगीरों के लिए ही खतरा नहीं बने हैं, बल्कि दोपहिया वाहन चालकों के पीछे भी दौड़ते हैं। कुत्तों से बचने के प्रयास में कई वाहन चालक अपना संतुलन खोकर गिर चुके हैं और चोटिल हुए हैं। इससे किसी बड़े हादसे की आशंका भी बनी हुई है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है।

आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान मोहल्लेवासियों ने मामले को लेकर जिलाधिकारी एवं नगर पालिका चेयरमैन से शिकायत कर समस्या का तत्काल समाधान कराने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि उन्होंने स्थानीय स्तर पर भी समस्या से अवगत कराया, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। मोहल्लेवासियों ने क्षेत्रीय सभासद मनोज वर्मा पर भी उनकी समस्या की सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। इससे स्थानीय लोगों में नाराजगी और रोष व्याप्त है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। आए दिन कुत्तों के काटने की घटनाएं सामने आने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। लोगों ने मांग की है कि नगर पालिका एवं संबंधित विभाग की टीम तत्काल क्षेत्र का निरीक्षण कर आवारा कुत्तों की समस्या से लोगों को निजात दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करे।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित अभिभावक

मोहल्ले में बच्चों को आवारा कुत्तों द्वारा काटे जाने की घटना के बाद अभिभावक विशेष रूप से चिंतित हैं। उनका कहना है कि बच्चे गली में खेलने या किसी काम से बाहर जाने से भी डरने लगे हैं। अभिभावकों ने मांग की है कि स्कूल आने-जाने वाले बच्चों और मोहल्ले के लोगों की सुरक्षा को देखते हुए जल्द से जल्द अभियान चलाया जाए।

कार्रवाई नहीं हुई तो बढ़ सकती है समस्या

मोहल्लेवासियों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते आवारा कुत्तों के आतंक पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया तो समस्या और गंभीर हो सकती है। लोगों ने जिलाधिकारी एवं नगर पालिका प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को निर्देशित करने तथा क्षेत्र में आवश्यक कार्रवाई कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनका उद्देश्य किसी के खिलाफ आरोप लगाना नहीं, बल्कि बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित कराना है।

खतौली में निकली योग जन जागरण रैली: उमड़े योग प्रेमियों ने दिया निरोगी जीवन का संदेश

भारतीय योग संस्थान के तत्वावधान में हुआ आयोजन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। भारतीय योग संस्थान के तत्वावधान में योग के प्रति आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से नगर में एक भव्य योग जन जागरण रैली का आयोजन किया गया। इस रैली के माध्यम से लोगों को नियमित योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली का विधिवत शुभारंभ भारतीय योग संस्थान के संरक्षक निर्मल कुमार जैन द्वारा फीता काटकर किया गया। इस आयोजन में नगर के लगभग 80 योग प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर और उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नगर के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी रैली बड़ा बाजार स्थित योग भवन से प्रारंभ हुई यह जन जागरूकता यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। रैली जीटी

रोड, जानसठ रोड, श्यामपुरी, सैनी नगर, ढाकन चौक तथा बड़ा बाजार सहित शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची। मार्ग में जगह-जगह रैली का स्वागत किया गया और स्थानीय निवासियों को योग के फायदों के प्रति जागरूक किया गया।

भजनों और नारों से गूंजा नगर

रैली में शामिल भारतीय योग संस्थान के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और योग प्रेमी भक्तिमय भजन गाते हुए तथा योग जागरूकता के नारे लगाते हुए चल रहे थे। प्रतिभागियों ने नगरवासियों को रोजाना योग को दिनचर्या में शामिल कर निरोगी जीवन जीने की सीख दी। अत्यंत उल्लासपूर्ण माहौल में निकाली गई यह यात्रा बड़ा बाजार स्थित योग आश्रम पहुंचकर संपन्न हुई। कार्यक्रम के समापन पर भारतीय योग संस्थान के जिला प्रधान बाबूराम ने रैली को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान देने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकताओं और योग प्रेमियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

घर के सामने हथियार लेकर पहुंचे दबंग, विरोध पर साले को तबल से पीटा

सैदपुरा खुर्द में मारपीट की वीडियो वायरल होने से मचा हड़कंप, गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती, पत्नी से छेड़खानी का भी आरोप–चार नामजदों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के गांव सैदपुरा खुर्द में घर के सामने हथियारों से लैस होकर पहुंचे लोगों पर मारपीट करने का आरोप लगा है। विरोध करने पर एक युवक के साथ लाठी-डंडों और तबल से हमला किया गया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। घायल को पहले बघरा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सैदपुरा खुर्द निवासी लोकेश पुत्र दलबीर ने तितावी थाने में दी तहरीर में बताया कि 23 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे उसका साला सोनू उसके घर आया हुआ था। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही पप्पू, अंकुर, अशोक और दीपक हाथों में धारदार हथियार, तबल और लाठी-डंडे लेकर उसके घर के सामने पहुंच गए। तहरीर के मुताबिक आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी। लोकेश की पत्नी रीना और उसके साले सोनू ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि हमलावरों ने सोनू के साथ बेरहमी से मारपीट की और तबल से भी वार किया। हमले में सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ा। घटना के दौरान शोर सुनकर कल्लू पुत्र राजपाल और रामफल पुत्र भुल्लन समेत मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों को आता देखकर आरोपी कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। इसके बाद परिजन और ग्रामीण घायल सोनू को उपचार के लिए लेकर थाने पहुंचे। पुलिस के माध्यम से घायल सोनू को बघरा स्थित सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल घायल का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल बताया जा रहा है। घटना से संबंधित मारपीट की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। वीडियो में मारपीट और हंगामे का द्दश्य दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तहरीर के आधार पर कार्रवाई शुरू की है। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। लोकेश ने पुलिस को दी तहरीर में मारपीट के साथ अपनी पत्नी के साथ गलत नीयत से छेड़खानी किए जाने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पप्पू पुत्र सिहराम, अंकुर पुत्र पप्पू, अशोक पुत्र ऋषिपाल और दीपक पुत्र ऋषिपाल, निवासीगण ग्राम सैदपुरा खुर्द, थाना तितावी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस अब घटना की परिस्थितियों, वायरल वीडियो और घायल के मेडिकल के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है और घटना में इस्तेमाल हथियारों तथा मारपीट की वास्तविक परिस्थितियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। तहरीर के अनुसार घटना के बाद लोकेश घायल सोनू को लेकर थाना तितावी पहुंचा था। पुलिस के माध्यम से उसे बघरा सरकारी अस्पताल भेजा गया। डॉक्टरों द्वारा जिला अस्पताल रेफर किए जाने के बाद घायल का उपचार कराया जा रहा है। 24 सितंबर को लोकेश ने थाने पहुंचकर लिखित तहरीर दी,

भारी बारिश के अलर्ट पर मुजफ्फरनगर में सभी स्कूल-कॉलेज बंद

26 सितंबर को बेसिक से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों तक रहेगा आकस्मिक अवकाश, परीक्षाएं भी होंगी स्थगित, डीआईओएस ने जारी किए सख्त निर्देश

मुजफ्फरनगर। मौसम विभाग की ओर से 26 सितंबर को भारी बारिश की संभावना जताए जाने के बाद जिला प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर जनपद में शनिवार, 26 सितंबर को सभी बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा संस्थानों में आकस्मिक अवकाश घोषित कर दिया गया है। इस दौरान विद्यालय और कॉलेज पूरी तरह बंद रहेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव की ओर से 25 सितंबर को जारी आदेश में जिले के सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों के साथ-साथ बेसिक, माध्यमिक, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों तथा उच्च शिक्षा संस्थानों को आदेश का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की ओर से जारी पत्र में बताया गया कि जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर द्वारा दूरभाष पर दिए गए निदेर्शों के क्रम में यह निर्णय लिया गया है। मौसम विभाग, उत्तर प्रदेश की सूचना के अनुसार 26 सितंबर को जनपद में भारी बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण जलभराव, आवागमन में परेशानी और विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक दिन का आकस्मिक अवकाश घोषित किया गया है।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी विद्यालय में मासिक परीक्षा अथवा अर्द्धवार्षिक परीक्षा आयोजित की जा रही थी, तो उसे 26 सितंबर को आयोजित नहीं किया जाएगा। संबंधित विद्यालय प्रबंधन परीक्षा को किसी अग्रिम तिथि में समायोजित अथवा स्थानांतरित करेगा। विद्यार्थियों को परीक्षा की नई तिथि की जानकारी विद्यालय स्तर से दी जाएगी।

आकस्मिक अवकाश का आदेश किसी एक बोर्ड या किसी विशेष श्रेणी के विद्यालय तक सीमित नहीं है। इसमें राजकीय विद्यालयों के अलावा अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालय, बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा के संस्थान, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध विद्यालय तथा उच्च शिक्षा संस्थान शामिल हैं। यानी 26 सितंबर को जनपद के सभी संबंधित शिक्षण संस्थान पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी प्रधानाचार्यों और प्रधानाचायाओं को आदेश का कड़ाई से अनुपालन तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आदेश में साफ कहा गया है कि 26 सितंबर को किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र सचिन कुमार और उसकी पत्नी डोली मेरे व मेरे अन्य परिजनों के कहने-सुनने में नहीं रहे हैं, जिस कारण मैंने इन दोनों को अपनी सम्पत्ति चल व असल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है तथा इन दोनों से अपने समस्त पारिवारिक सम्बन्ध समाप्त कर लिये हैं। यदि ये दोनों किसी से कोई लेन-देन, लड़ाई-झगड़ा या कानूनी अथवा गैर कानूनी कार्य करते हैं, तो उसके लिये वे दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे, मेरे व मेरे अन्य परिजनों को कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

रोशन लाल पुत्र रामचंद्र
निवासी- गली संख्या 5 नसीरपुर रोड
सुभाष नगर थाना नई मंडी
जिला- मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

शनिवार 26 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

कार से टक्कर मारकर गिराया, फिर मुंह दबाकर कर दी प्रधान पुत्र की हत्या

हरेटी के 19 वर्षीय रोहन राठी हत्याकांड का पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा, मुठभेड़ में दो आरोपी घायल गिरफ्तार, मृतक की आर-वन-5 बाइक, एप्पल मोबाइल, स्मार्ट वॉच और वारदात में इस्तेमाल कार बरामद

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी क्षेत्र के गांव हरेटी में ग्राम प्रधान के 19 वर्षीय बेटे रोहन राठी की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि थाना पुरकाजी पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हुए हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से मृतक की आर-वन-5 मोटरसाइकिल, एप्पल कंपनी का मोबाइल, स्मार्ट वॉच, वारदात में प्रयुक्त टोयोटा कोरोला एल्टिस कार, दो तमंचे, पांच जिंदा और दो खोखा कारतूस तथा 1050 रुपये बरामद किए हैं।

बर्थडे पार्टी में गया था रोहन, अगले दिन खेत में मिला शव

रोहन राठी 23 सितंबर की रात बर्थडे पार्टी में शामिल होने के लिए घर से निकला था, लेकिन इसके बाद वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। 24 सितंबर को गांव हरेटी के जंगल में उसका शव मिलने से सनसनी फैल गई। रोहन ग्राम प्रधान का इकलौता बेटा बताया गया। शव मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया।

एसएसपी ने गठित की थीं तीन टीमें, सीसीटीवी और अन्य सुराग खंगाले

एसएसपी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्याकांड के शीघ्र खुलासे के लिए तीन पुलिस टीमों का गठन किया था। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के रास्तों, सीसीटीवी फुटेज, संदिग्ध वाहनों की गतिविधियों और अन्य तकनीकी सुरागों को खंगालना शुरू किया। इसी दौरान पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने में सफलता मिली। एसएसपी के अनुसार 24/25 सितंबर की रात पुरकाजी पुलिस टीम भैंसानी पुल के नीचे संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान भैंसानी की ओर से एक कार और एक मोटरसाइकिल आती दिखाई दी। पुलिस ने दोनों वाहनों को रोकने का इशारा किया। पुलिस को देखते ही बाइक और कार सवारों ने अचानक अपने वाहन वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। तेजी से बाइक मोड़ने के दौरान मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई, जबकि कार पीछे करते समय सड़क किनारे पड़ी ईंटों में फंसकर रुक गई। दोनों वाहन छोड़कर आरोपी पैदल भागने लगे। पुलिस के मुताबिक, भागते समय दोनों आरोपियों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने आरोपियों को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन उन्होंने फायरिंग जारी रखी। इसके बाद पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों आरोपी घायल हो गए। घायल आरोपियों की पहचान नाजिम पुत्र मुजफ्फर हुसैन निवासी ग्राम संगीपुर, थाना लक्सर, जिला हरिद्वार और शावेज पुत्र इफजुर रहमान निवासी ग्राम जहीरपुर, थाना देवबंद, जिला सहारनपुर के रूप में हुई। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में नाजिम ने बताया कि 23/24 सितंबर की रात वह अपनी ससुराल जहीरपुर जा रहा था। पुरकाजी बाईपास से उतरकर हरेटी-जहीरपुर जाने वाले खड़ंजे पर आगे बढ़ने के दौरान उसे एक युवक मोटरसाइकिल के पास खड़ा दिखाई दिया। नाजिम ने कार से उस युवक को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिर गया।

रोहन राठी हत्याकांड: शोकाकुल परिवार से मिले संजीव बालियान और नरेश टिकैत

ग्राम प्रधान विवेक राठी के बेटे की हत्या से परिवार में मातम, पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और भाकियू अध्यक्ष ने परिजनों से मिलकर जताई संवेदना

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी क्षेत्र के ग्राम हरेठी के प्रधान विवेक राठी के 19 वर्षीय बेटे रोहन राठी की हत्या के बाद गांव में शोक का माहौल है। घटना के बाद शनिवार को पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत शोकाकुल परिवार से मिलने पहुंचे। दोनों ने परिजनों से मुलाकात कर घटना पर गहरा दुख जताया और उन्हें ढांढस बंधाया।

परिजनों से मिलकर जताया गहरा दुख

डॉ. संजीव बालियान और चौधरी नरेश टिकैत ने रोहन राठी के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को इस दुख की घड़ी में हरसंभव साथ देने की बात कही। अचानक हुई युवक की हत्या से परिवार में व्याप्त शोक और परिजनों की पीड़ा को देखते हुए उन्होंने उन्हें सांत्वना दी।

डॉ. संजीव बालियान ने कहा–दुख की घड़ी में परिवार के साथ

पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने कहा कि रोहन राठी की हत्या की घटना बेहद दुखद है। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में उनकी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। रोहन राठी की हत्या के बाद ग्राम हरेठी में शोक का माहौल बना हुआ है। परिवार के लोगों के साथ ग्रामीण भी घटना से स्तब्ध हैं। रोहन ग्राम प्रधान विवेक राठी का इकलौता बेटा था। उसकी हत्या के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जांच में जुटी पुलिस, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

घटना के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हत्या की वजह और वारदात में शामिल आरोपियों को लेकर पुलिस साक्ष्य जुटा रही है। परिजनों और ग्रामीणों में घटना को लेकर आक्रोश है तथा आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे लोगों में अभिषेक चौधरी, पंकज त्यागी, हरिंदर शर्मा, नवीन राठी और मोनू प्रधान समेत अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत रोहन राठी की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

भतीजी को धमकाकर ढाई माह तक दुष्कर्म करता रहा ताऊ, अदालत ने सुनाई 10 साल की कठोर सजा

चरथावल के वर्ष 2018 के मामले में आठ साल बाद आया फैसला, दोषी पर 40 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया, छह गवाहों की गवाही और प्रभावी पैरवी बनी अहम आधार

मुजफ्फरनगर। चरथावल क्षेत्र में रिश्ते को शर्मसार करने वाले करीब आठ वर्ष पुराने दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने दोषी ताऊ को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषी पर 40 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। आरोप था कि पति के छोड़कर चले जाने के बाद अपने पांच बच्चों के साथ ताऊ के घर रह रही महिला को आरोपित ने डरा-धमकाकर अपने हवस का शिकार बनाया और करीब ढाई माह तक उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। पीड़िता ने अगस्त 2018 में शोर मचाकर विरोध किया तो आरोपित उसे धमकी देकर मौके से भाग गया था। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कमल कुमार ने बताया कि मामला वर्ष 2018 का है। पीड़िता का पति उसे छोड़कर चला गया था। इसके बाद वह अपने पांच बच्चों के साथ ताऊ के साथ रहने लगी थी। परिवार के इसी भरोसे का फायदा उठाते हुए आरोपित ने पीड़िता को डराना-धमकाना शुरू किया। अभियोजन के अनुसार आरोपित ने पीड़िता को भयभीत कर उसके साथ दुष्कर्म किया। यह सिलसिला एक-दो दिन नहीं, बल्कि करीब ढाई माह तक चलता रहा। लगातार धमकियों के कारण पीड़िता लंबे समय तक विरोध नहीं कर सकी। अगस्त 2018 में पीड़िता ने हिम्मत जुटाकर घटना का विरोध किया और शोर मचा दिया। शोर सुनकर स्थिति बिगड़ती देख आरोपित वहां से भाग गया। जाने से पहले उसने पीड़िता को धमकी भी दी थी। इसके बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर पूरे मामले की जानकारी दी। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित कृष्ण के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित को चार अगस्त 2018 को गिरफ्तार कर लिया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने घटना से संबंधित साक्ष्य जुटाए और आरोपित के खिलाफ आरोप-पत्र तैयार किया। पुलिस ने विवेचना पूरी करने के बाद 13 अक्टूबर 2018 को आरोप-पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया। इसके बाद मामला न्यायालय में विचाराधीन रहा और दोनों पक्षों की दलीलों तथा गवाहों के बयान के आधार पर सुनवाई आगे बढ़ी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने अपनी ओर से कुल छह गवाहों को न्यायालय में पेश किया। गवाहों के बयान के साथ मामले से जुड़े साक्ष्यों को भी अदालत के समक्ष रखा गया। अभियोजन की ओर से दुष्कर्म के आरोप को साबित करने के लिए उपलब्ध साक्ष्यों और गवाहियों पर प्रभावी ढंग से पैरवी की गई। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता कमल कुमार और कोर्ट पैरोकार मुख्य आरक्षी कुलदीप कुमार ने मामले में प्रभावी पैरवी की। अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष मामले की परिस्थितियों, गवाहों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों को मजबूती से रखा। सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के तर्कों और प्रस्तुत साक्ष्यों का अवलोकन किया।

मामले की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एफटीसी-2 की पीठासीन अधिकारी शिवकुमारी के न्यायालय में हुई। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने आरोपित को दुष्कर्म का दोषी माना। अदालत ने दोषी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही न्यायालय ने दोषी पर 40 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। लंबे समय तक चले इस मुकदमे में अदालत के फैसले के बाद अभियोजन पक्ष ने प्रभावी पैरवी को दोषसिद्धि में महत्वपूर्ण बताया।

रतनपुरी क्षेत्र में कैंटर की टक्कर से ई-रिक्शा चालक की मौत: कैंटर लेकर चालक फरार

टक्कर के बाद ई-रिक्शा के उड़े परखच्चे, पुलिस टैंकर की तलाश में जुटी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। रतनपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंडावली भुट्टे के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। शुक्रवार सुबह तड़के सब्जी लेकर खतौली मंडी जा रहे ई-रिक्शा को तेज रफ्तार अज्ञात कैंटर ने भीषण टक्कर मार दी। इस हादसे में ई-रिक्शा चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसमें सवार उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी कैंटर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

मंडी पहुंचने से पहले ही काल बनी तेज रफ्तार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम नगला निवासी इंतजार (पुत्र सम्मू) अपने गांव के ही साथी नजर (पुत्र बाबू) के साथ ई-रिक्शा में ताजी सब्जियां लादकर खतौली स्थित मंडी बेचने के लिए जा रहा था। जैसे ही उनकी ई-रिक्शा रतनपुरी थाना क्षेत्र में मंडावली भुट्टे के पास पहुंची, तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार कैंटर ने ई-रिक्शा को सीधी टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज कि दूर जा गिरा ई-रिक्शा

टक्कर इतनी भीषण थी कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क से कई फीट दूर जा गिरा। हादसे में ई-रिक्शा चालक इंतजार को सिर और शरीर में गंभीर चोटें आईं, जिससे उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वहीं, उसका साथी नजर गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके की तरफ दौड़े, लेकिन तब तक कैंटर चालक मौके से भागने में सफल रहा।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय रतनपुरी पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहत कार्य शुरू करते हुए घायल नजर को एंबुलेंस की मदद से तत्काल इलाज के लिए खतौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। इसके बाद पुलिस ने मृतक इंतजार के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। रतनपुरी पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त वाहनों व घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। फरार कैंटर और उसके चालक की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है, जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मुजफ्फरनगर में आंख के ऑपरेशन के बाद बुजुर्ग महिला की मौत: परिजनों का हंगामा, स्वास्थ्य विभाग की टीम जांच में जुटी

गलत इंजेक्शन या एनाफिलेक्सिस रिएक्शन का मामला?, कंपाउंडर पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। जनपद के सर्कुलर रोड स्थित एक आई हॉस्पिटल में आंख के ऑपरेशन के बाद एक बुजुर्ग महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा काटा और कंपाउंडर पर मना करने के बावजूद गलत इंजेक्शन लगाने का गंभीर आरोप लगाया। मामला तूल पकड़ने और मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) से शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम देर रात जांच के लिए अस्पताल पहुंची। वहीं, परिजनों ने मृतका का पोस्टमॉर्टम कराने से साफ इनकार कर दिया और शव का अंतिम संस्कार कर दिया। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव हैबतपुर निवासी 67 वर्षीय बाला देवी की आंख से काफी दिनों से पानी बहने की समस्या थी। उनके पति सीताराम सैनी ने बताया कि उपचार के लिए उन्होंने पत्नी को सर्कुलर रोड स्थित कुशवाहा आई हॉस्पिटल में दिखाया था। जहां चिकित्सकों के परामर्श के बाद बुधवार को बाला देवी को ऑपरेशन के लिए भर्ती कराया गया। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विनोद कुशवाहा ने महिला की आंख का

मृतका: बाला देवी (67) | शव का अंतिम संस्कार

सफल ऑपरेशन किया था। मृतका के पति सीताराम सैनी का आरोप है कि ऑपरेशन के तुरंत बाद अस्पताल के कंपाउंडर ने मना करने के बावजूद उनकी पत्नी को एक इंजेक्शन लगा दिया। इसके कुछ ही देर बाद बाला देवी की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। घबराए परिजन उन्हें तत्काल पास स्थित डॉ. राकेश अहलावत के नर्सिंग होम ले गए। वहां भी स्थिति में सुधार न होने और हालत नाजुक देखकर डॉक्टरों ने उन्हें मेरठ के हायर सेंटर रेफर कर दिया। मेरठ ले जाते समय रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने अस्पताल में हंगामा शुरू कर दिया। उपचार में लापरवाही की लिखित शिकायत सीएमओ डॉ. सुनील तेवतिया से की गई। सीएमओ के कड़े निर्देश पर बुधवार रात डिप्टी सीएमओ डॉ. महक सिंह की अगुवाई में एक विशेष टीम कुशवाहा आई हॉस्पिटल पहुंची।

डॉ. महक सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष से लिखित शिकायत ले ली गई है। चूंकि परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया है, इसलिए उपलब्ध साक्ष्यों और शिकायत के आधार पर मामले की प्रशासनिक जांच शुरू की जा रही है।

अस्पताल के संचालक डॉ. विनोद कुशवाहा ने परिजनों के आरोपों को खारिज करते हुए अपनी सफाई दी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के बाद संक्रमण से बचाव के लिए मरीज को मानक के अनुसार मोनोसेफ एंटीबायोटिक इंजेक्शन दिया गया था। इंजेक्शन लगने के बाद मरीज को अचानक रिएक्शन हुआ। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत आपातकालीन दवाएं दीं और मरीज को पास के अस्पताल में शिफ्ट किया, लेकिन हालत न सुधरने पर हायर सेंटर रेफर करना पड़ा। डॉ. कुशवाहा ने स्पष्ट किया कि मोनोसेफ एक हेवी एंटीबायोटिक है और ऐसे रिएक्शन की संभावना 1 लाख मरीजों में से किसी एक को ही होती है। घटना की जानकारी मिलते ही इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (क्टअ) से जुड़े कई वरिष्ठ चिकित्सक अस्पताल पहुंचे। आईएमए के जिला कोषाध्यक्ष डॉ. ईश्वर चंद्रा ने बताया कि शल्य चिकित्सा (ऑपरेशन) के बाद किसी भी तरह के इंफेक्शन को रोकने के लिए एंटीबायोटिक्स देना एक सामान्य मेडिकल प्रोटोकॉल है। बाला देवी को भी एंटीबायोटिक दिया गया था,

प्रेम-प्रसंग में युवक को घर बुलाकर बंधक बनाया, पीट-पीटकर हत्या, दंपती दोषी

दो साल आठ माह पुराने हत्याकांड में अदालत का बड़ा फैसला, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, रक्तरंजित रजाई और टूटा मोबाइल बना अहम साक्ष्य; 30 सितंबर को सुनाई जाएगी सजा

मुजफ्फरनगर। खतौली क्षेत्र के गांव जसौला में करीब दो साल आठ माह पहले हुए युवक अंकित हत्याकांड में न्यायालय ने आरोपी दंपती को दोषी ठहराया है। अभियोजन के अनुसार युवक का महिला से प्रेम-प्रसंग था। महिला अपने पति को छोड़ना नहीं चाहती थी। इसी विवाद के चलते युवक को घर बुलाकर बंधक बनाया गया और डंडों से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी गई। शुक्रवार को विशेष न्यायालय एससी-एसटी एक्ट के पीठासीन अधिकारी डा. विजय कुमार ने मामले की सुनवाई करते हुए महिला मीनाक्षी और उसके पति सोनू को हत्या के मामले में दोषी करार दिया। अदालत दोनों को 30 सितंबर को सजा सुनाएगी।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार त्यागी ने बताया कि खतौली थाना क्षेत्र के गांव जसौला निवासी रणबीर सिंह का 21 वर्षीय पुत्र अंकित सात जनवरी 2024 की शाम गांव के ही करणपाल के बेटे के साथ घर से गया था। बाद में अंकित गांव निवासी मीनाक्षी के घर पहुंचा। परिजनों को जब अंकित के मीनाक्षी के घर जाने की जानकारी हुई तो उसके पिता रणबीर सिंह और बड़ा भाई लवकुश वहां पहुंचे।

दरवाजा नहीं खुला तो पुलिस को बुलाकर खुलवाया गया

अंकित के परिजनों ने मीनाक्षी के घर पहुंचकर दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन अंदर से दरवाजा नहीं खोला गया। स्थिति संदिग्ध होने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने के बाद घर का दरवाजा खुलवाया गया तो अंदर का दृश्य देखकर परिजन और पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए। अंकित बेसुध हालत में पड़ा हुआ था। अभियोजन के मुताबिक अंकित के गले में आपत्तिजनक सामग्री के साथ मफलर बंधा हुआ था। उसके माथे तथा हाथ-पैर से खून बह रहा था। उसकी हालत गंभीर थी। बाद में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू करते हुए मीनाक्षी, उसके ट्रक चालक पति सोनू समेत कई लोगों को नामजद किया था।

अभियोजन के अनुसार अंकित और मीनाक्षी के बीच प्रेम-प्रसंग था। मीनाक्षी अपने पति सोनू को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी। इसी कारण दोनों के बीच विवाद की स्थिति बनी। आरोप था कि मीनाक्षी और उसके पति सोनू ने अंकित को घर बुलाया और वहां उसे बंधक बनाकर डंडों से बेरहमी से पीटा। गंभीर चोटों के कारण अंकित की मौत हो गई। हत्याकांड की सूचना मिलने के बाद खतौली पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। पुलिस ने आरोपी दंपती मीनाक्षी और सोनू को 10 जनवरी 2024 को गिरफ्तार किया था। विवेचना पूरी करने के बाद दोनों के खिलाफ आरोप-पत्र न्यायालय में दाखिल किया गया। इसके बाद मामला न्यायालय में विचाराधीन रहा।

रक्तरंजित रजाई और टूटा मोबाइल बना अहम साक्ष्य

मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन ने घटनास्थल और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को महत्वपूर्ण आधार बनाया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आए चोटों के तथ्यों के साथ घटनास्थल से मिले रक्तरंजित सामान और टूटा हुआ मोबाइल फोन भी मामले में अहम साक्ष्य रहे। अभियोजन पक्ष ने इन साक्ष्यों के माध्यम से घटना की परिस्थितियों और आरोपियों की भूमिका को न्यायालय के समक्ष रखा। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार त्यागी ने बताया कि अभियोजन की ओर से मृतक अंकित के पिता रणबीर सिंह और भाई लवकुश समेत कुल सात गवाह न्यायालय में पेश किए गए। गवाहों के बयान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन ने अपना पक्ष रखा। अदालत में सुनवाई के दौरान आरोपी दंपती की भूमिका से संबंधित साक्ष्यों पर भी विचार किया गया। करीब दो साल आठ माह तक चले मुकदमे की सुनवाई के बाद शुक्रवार को विशेष न्यायालय एससी-एसटी एक्ट के पीठासीन अधिकारी डा. विजय कुमार ने मीनाक्षी और उसके पति सोनू को हत्याकांड में दोषी ठहरा दिया। अदालत ने फिलहाल सजा पर फैसला सुरक्षित रखा है।

मुजफ्फरनगर में सैक्स टॉयज के घिनौने कारोबार का भंडाफोड़: पुलिस की छापेमारी में बंद गोदाम से भारी जखीरा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

बंद पड़े गोदाम से सप्लाई किया जा रही थी फर्जी कामोत्तेजक दवाएं और प्रतिबंधित सामान, फर्जी दवाएं, सिलिकन क कंडोम और लैपटॉप बरामद

मुजफ्फरनगर। जनपद के थाना सिविल लाइन क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर बझेडी रोड पर इमरान कालोनी में पुलिस ने छापेमारी करते हुए वयस्क उपयोग से जुड़े 'एडल्ट टॉयज' के अवैध कारोबार का बड़ा खुलासा किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण एवं सहायक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ के. मिश्रा के नेतृत्व में की गई इस त्वरित कार्रवाई के दौरान सिविल लाइन पुलिस ने अवैध रूप से नकली कामोत्तेजक दवाइयां और प्रतिबंधित सैक्स टॉय जैसे सामान बेचने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से भारी मात्रा एडल्ट टॉयज, नकली दवाएं, पैकेजिंग सामग्री और ऑनलाइन प्रचार में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए हैं। बरामद सामान को सील कर आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है।` पुलिस सूत्रों के अनुसार, सहायक पुलिस अधीक्षकक्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा और प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइन रघुराज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने एक गुप्त और सटीक सूचना पर बझेडी रोड पर इमरान कॉलोनी क्षेत्र में बीती रात छापेमारी की। पुलिस ने मौके से मोहम्मद फुरकान (निवासी लद्धावाला, हाल पता इमरान कॉलोनी) और शाहिद (निवासी लोनी गाजियाबाद, हाल पता इमरान कॉलोनी) को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर इस छापेमारी के दौरान पुलिस दल ने मौके से एक बंद गोदाम से पुलिस ने भारी मात्रा में एडल्ट टॉयज, 50 माजून की डिब्बियां, 12 बंडल फर्जी रैपर टेप (आरएमडी हरबल), 1 कार्टन 'वोरेक्स वर्जिन पोड कैप्सूल', 473 बेल्ट युक्त डिल्डो, 1525 सिलिकन कंडोम, 1820 ड्रैगन कंडोम, 270 शीशी पीले रंग का संदिग्ध तरल पदार्थ, सैकड़ों की संख्या में रंग-बिरंगी गोलियों की डिब्बियां/पैकेट तथा प्रचार में इस्तेमाल होने वाला 1 लैपटॉप और कंप्यूटर सिस्टम जब्त किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे बाजार से कच्चा माल लाकर अपने घर पर ही बिना किसी वैध लाइसेंस या मेडिकल डिग्री के कामोत्तेजक दवाएं और माजून तैयार करते थे। इसके बाद उन पर नामचीन कंपनियों का फर्जी लेबल लगाकर उन्हें ऊंचे दामों में बेच दिया करते थे। अभियुक्तों ने खुलासा किया कि वे अपने अवैध धंधे को फैलाने के लिए यूट्यूब और व्हाट्सएप के जरिए विज्ञापनों का सहारा लेकर प्रचार करते थे और युवाओं को आकर्षित कर ऑनलाइन सप्लाई करते थे।

मजदूरी कर घर लौट रहे युवक पर धारदार हथियारों से हमला

पुरानी रंजिश में रास्ते में घेरकर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप, सिर में गंभीर चोट; चार नामजदों के खिलाफ शाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव बसीकलां में पुरानी रंजिश को लेकर मजदूरी कर घर लौट रहे एक व्यक्ति पर धारदार हथियारों से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि रास्ते में पहले से रंजिश रखने वाले चार लोगों ने उसे घेर लिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर शाहपुर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बसीकलां निवासी अली मोहम्मद पुत्र वारिस अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 सितंबर की रात करीब 10:15 बजे वह मजदूरी करने के बाद अपने घर लौट रहा था। आरोप है कि रास्ते में गांव के ही मुम्तियाज पुत्र वारिस अली और उसके पुत्र रिजवान, फरमान व इमरान ने उसे देख लिया। चारों पहले से उससे रंजिश रखते हैं और उसे देखते ही गाली-गलौज करने लगे।

तहरीर के अनुसार अली मोहम्मद ने जब गाली देने से मना किया तो चारों आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया। आरोप है कि जान से मारने की नीयत से धारदार हथियारों से वार किए गए। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं और वह घायल हो गया।

घटना के दौरान पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े।

लोगों को आता देखकर आरोपी कथित तौर पर अली मोहम्मद को जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। इसके बाद पीड़ित ने थाना शाहपुर पहुंचकर पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर शाहपुर पुलिस ने मुम्तियाज, रिजवान, फरमान और इमरान के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

पारदर्शिता जरूरी, आरोपों में चुनाव आयोग

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर लगातार विपक्षी नेताओं द्वारा आरोप लगाए जाते रहे हैं। हाल ही में आंतरिक मतभेदों और विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े फैसलों को लेकर गंभीर विवाद खड़ा हो गया है। चुनाव आयोग का कहना है कि उसके सदस्यों के बीच अलग राय और विचार होना बातचीत का एक सामान्य हिस्सा था और सभी अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। कामकाज के तरीकों को लेकर चुनाव आयोग हाल के बरसों में लगातार विवादों में रहा है। विपक्ष का उस पर अविश्वास इतना गहरा शायद कभी नहीं रहा, जहां उसके तमाम फैसलों पर संदेह जताया गया। ऐसे में आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़ा जो खुलासा हुआ है, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। दोनों आयुक्त आयोग के भीतर मुख्य चुनाव आयुक्त से सहमत हुए या नहीं, इससे बड़ा मुद्दा है कि स्पेशल इनटेनशिव रिवीजन यानी एसआईआर जैसे संवेदनशील मसले पर उनकी आपत्तियों पर क्या हुआ। चुनाव आयोग का कहना है कि उसके सदस्यों के बीच अलग राय और विचार होना बातचीत का एक सामान्य हिस्सा था और सभी अंतिम फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। आयोग का यह भी कहना है कि 10 महीने की कुछ आंतरिक टिप्पणियों को अलग करके देखने से पूरी तस्वीर सामने नहीं आती। चुनाव आयोग के स्ट्रक्चर को देखें तो उसके तर्क सही लगते हैं। यह कतई जरूरी नहीं है कि किसी मामले में तीनों आयुक्तों की राय एक जैसी हो। संस्थान के भीतर असहमति लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है। अलग-अलग विचार सामने आने पर ही बेहतर विकल्प का रास्ता खुलता है।हालांकि विभिन्न विचारों का फायदा तभी मिलता है, जब उन्हें सुना जाए। आयोग को स्पष्ट करना चाहिए कि किन असहमतियों पर विचार हुआ, किनको स्वीकार किया गया और किन पर एक राय बनाने की कोशिश हुई। यह सब इसलिए जरूरी है क्योंकि मामला स्ढ्ढ्र मतदाताओं के नाम हटाने-जोड़ने और उस डिजिटल सिस्टम से जुड़ा है, जिस पर इलेक्टोरल रोल निर्भर है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। पश्चिम बंगाल में तो विवाद अभी तक शांत नहीं हुआ है। इस घटना से विपक्ष के आरोपों को बल मिलेगा और एसआईआर को लेकर शंका बढ़ेगी, बल्कि पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने बंगाल में दोबारा विधानसभा चुनाव कराने की मांग कर ही दी है। जब इतनी महत्वपूर्ण प्रक्रिया जारी हो, तब इतने किंतु-परंतु ठीक नहीं हैं। जनता को पता हो। देश में स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे जरूरी आधार चुनाव आयोग है। जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है।

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है।

(प्रह्लाद सबनानी)

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, ट्रूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं।

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का डर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है।

अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेन्सियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुधारकर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाईजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाईल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत बृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रेल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रेल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रेल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैंक ओफ अमेरिका, ट्रूब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है। अमेरिकी नीतियों से केवल विश्व के अन्य देश ही नहीं बल्कि अमेरिकी कम्पनियां भी परेशानी महसूस करने लगी हैं एवं वे अपनी इकाईयों को भारत सहित अन्य देशों में स्थानांतरित कर रही हैं।

भारत वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ विश्व के लगभग समस्त देशों के साथ अपने सम्बंधों को सुधारने का लगातार प्रयास कर रहा है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर नागरिकों को सनातन संस्कृति के संस्कारों से परिचित कराने के प्रयास भी भारत द्वारा किए जा रहे हैं ताकि पूरे विश्व में शांति स्थापित की जा सके। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के परमपूज्य सर संघचालक डॉ मोहन भागवत जी ने हाल ही में अमेरिका, कनाडा एवं ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा सम्पन्न की है। इन देशों में आयोजित सर्व धर्म सभाओं में अन्य धर्मों के धर्माचार्यों की भी उत्साहपूर्वक भागीदारी रही है। उक्त यात्रा में न्यूयार्क में सार्वभौमिक एकात्मता, टोरंटो में विश्व से मित्रता एवं लंदन में अपनेपन के संदेश के साथ डा भागवत ने सामाजिक समरसता, सेवा, विविधता के बीच एकता और नागरिक कर्तव्य पर भी जोर दिया। प्रवासी भारतीयों से उन्होंने अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए अपनी कर्मभूमि के प्रति पूरी निष्ठा निभाने का आह्वान किया। एक तरफ भारत पूरे विश्व में सामंजस्य स्थापित कर शांति स्थापित करना चाहता है तो दूसरी ओर अमेरिका विभिन्न देशों पर अपने एकतरफा नियम थोपना चाहता है, चाहे वह टैरिफ से सम्बंधित हों अथवा अन्य देशों पर सैंक्शन लगाने से सम्बंधित हों।

सिंगापुर के पास न पानी था, न संसाधन, फिर भी भारत से इतनी आगे कैसे पहुंची अर्थव्यवस्था?

(देवेंद्रराज सुथार)

सिंगापुर की प्रति व्यक्ति आय पचास हजार डॉलर से अधिक है और वह अमेरिका तथा ब्रिटेन जैसे देशों से भी आगे निकल चुका है। दूसरी ओर भारत की प्रति व्यक्ति आय 2024 तक केवल 2,396 डॉलर तक पहुंच पाई है। भारत की गिनती आज भले ही सबसे तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में की जा रही है, लेकिन विकास के व्यापक पैमाने की कसौटी पर परखने से तस्वीर कुछ और ही नजर आती है। कई बार वास्तविक आंकड़े कुछ ऐसी सच्चाई सामने रखते हैं, जिसे कभी-कभी नीति निर्माता छिपाना चाहते हैं। वर्ष 1960 में दक्षिण कोरिया की प्रति व्यक्ति आय मात्र 79 डॉलर थी, जो उस समय उत्तर कोरिया से भी कम थी। आज वही दक्षिण कोरिया 36 हजार डॉलर से अधिक प्रति व्यक्ति आय के साथ विश्व की उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता है। सिंगापुर की कहानी और भी चौंकाने वाली है। वर्ष 1965 में मलेशिया से अलग होकर स्वतंत्र हुए इस देश की प्रति व्यक्ति आय लगभग 500 डॉलर थी, जो उस समय के मेक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के बराबर थी। न प्राकृतिक संसाधन, न पीने का पर्याप्त पानी, फिर भी आज सिंगापुर की प्रति व्यक्ति आय पचास हजार डॉलर से अधिक है और वह अमेरिका तथा ब्रिटेन जैसे देशों से भी आगे निकल चुका है। दूसरी ओर भारत की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 1960 में 312 डॉलर थी और 2024 तक यह केवल 2,396 डॉलर तक पहुंच पाई है। यह आंकड़ा बताता है कि देश में वास्तविक विकास और समृद्धि की रफ्तार के बीच कितना अंतर है। स्वतंत्रता के बाद लगभग साढ़े चार दशकों तक भारत की औसत आर्थिक वृद्धि दर 3.5 फीसद के आसपास सिमटी रही, जबकि दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसे देश दोहरे अंकों की वृद्धि दर हासिल कर रहे थे। इसका मूल कारण था लाइसेंस राज की वह प्रणाली, जिसमें उद्योग स्थापित करने से लेकर उत्पादन बढ़ाने तक की अनुमति पाने के लिए जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। वर्ष 1980 के दशक के अंत तक भारत में पूंजीगत वस्तुओं पर 115 फीसद और उपभोक्ता वस्तुओं पर 129 फीसद तक का आयात शुल्क लगाया जाता था। निर्यात सकल घरेलू उत्पाद का करीब पांच फीसद तक सीमित था। परिणाम यह हुआ कि वर्ष 1991 में देश को भुगतान संतुलन के गंभीर संकट का सामना करना पड़ा, जब विदेशी मुद्रा भंडार दो सप्ताह के आयात के लायक शेष रह गया था। इसी क्रम में तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह के मार्गदर्शन में उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण की नीतियां लागू हुईं। नब्बे के दशक में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद प्रतिवर्ष लगभग छह फीसद की दर से बढ़ा और निर्यात 17 फीसद वार्षिक दर से बढ़ने लगा। सॉफ्टवेयर और सेवा क्षेत्र में देश ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। मगर प्रश्न यह है कि यह सुधार 44 वर्ष पहले क्यों नहीं हो सका, जब दक्षिण कोरिया और सिंगापुर पहले ही खुले बाजार और निर्यात आधारित औद्योगीकरण की राह पकड़ चुके थे। सिंगापुर के संस्थापक नेता ने जहां शुरू से ही मुक्त व्यापार और न्यूनतम आयात शुल्क की नीति अपनाई, वहीं भारत में संरक्षणवाद और आत्मनिर्भरता के नाम पर आयात प्रतिस्थापन का मॉडल दशकों तक जारी रहा, जिसने भारतीय उद्योगों को प्रतिस्पर्धा से दूर रखा और वे कमजोर होते गए। दूसरी बड़ी कमी विनिर्माण क्षेत्र की उपेक्षा में दिखी। सिंगापुर में 1965 से 1975 के बीच ही विनिर्माण का सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा चौदह फीसद से बढ़कर बाईस फीसद तक पहुंच गया था। भारत में यह हिस्सा आज भी 16 से 17 फीसद के बीच ही अटका हुआ है। वर्ष 2014 में जब 'मेक इन इंडिया' अभियान आरंभ हुआ, तब विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा सोलह फीसद था और सरकार का लक्ष्य इसे 2022 तक पच्चीस फीसद तक ले जाने का था। यह लक्ष्य अब तक पूरा नहीं हो सका है। विनिर्माण के अभाव का सीधा प्रभाव रोजगार सृजन पर पड़ता है, क्योंकि यही वह क्षेत्र है जो बड़ी संख्या में श्रमशक्ति को समाहित कर सकता है। जब कोई राष्ट्र युवा शक्ति को उत्पादक कार्य में नहीं लगा पाता, तब आबादी वरदान के बजाय चुनौती बन जाती है। शिक्षा के क्षेत्र में भी भारत की प्रगति अपेक्षा से धीमी रही। वर्ष 2024 के आंकड़ों के मुताबिक, देश की साक्षरता दर लगभग 78 फीसद है, जबकि विश्व की औसत 86 फीसद के आसपास है। दक्षिण कोरिया की बात की जाए, तो उसने स्वतंत्रता के तुरंत बाद ही सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा को अनिवार्य बनाया था और तकनीकी शिक्षा में भारी निवेश किया। इसके परिणामस्वरूप वहां का मानव पूंजी सूचकांक विश्व में अग्रणी बना। भारत में शिक्षा नीति लंबे समय तक उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरियों के इर्द-गिर्द केंद्रित रही, जिससे कौशल आधारित व्यावसायिक शिक्षा की नींव कमजोर हुई।

क्यों घास के मैदानों बचाना, गैंडों को बचाने के लिए जरूरी है?

इस परियोजना के तहत देश में घास के मैदान कितने बड़े क्षेत्र में हैं, उनकी हालत कैसी है, वहां कितनी तरह के जीव-जंतु और पौधे पाए जाते हैं, उन्हें कितना नुकसान हुआ है और वे पर्यावरण को क्या लाभ देते हैं—इन सभी बातों का अध्ययन किया जाएगा। इसमें घास के मैदानों की कार्बन क्षमता का भी आकलन होगा। इससे देश का एक राष्ट्रीय घासभूमि एटलस तैयार करने, किन इलाकों में सुधार की सबसे ज्यादा जरूरत है यह तय करने और भविष्य के लिए बेहतर प्रबंधन दिशानिर्देश बनाने में मदद मिलेगी। इस तरह गैंडे के संरक्षण और घास के मैदानों के संरक्षण की दोनों योजनाएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

(भुपेंद्र यादव)

एक समय में एक सींग वाला गैंडा उत्तर भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्से में पाया जाता था। इसका इलाका सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के आसपास तक फैला हुआ था। आज भारत में गैंडों की जंगली आबादी मुख्य रूप से असम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में है। भारत के लिए एक सींग वाला गैंडा सिर्फ एक खास वन्यजीव नहीं है। यह ब्रह्मपुत्र और तराई के बाढ़ वाले इलाकों और घास के मैदानों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक जीवन का अहम हिस्सा है।एक समय में एक सींग वाला गैंडा उत्तर भारतीय उपमहाद्वीप के बड़े हिस्से में पाया जाता था। इसका इलाका सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों के आसपास तक फैला हुआ था। आज भारत में गैंडों की जंगली आबादी मुख्य रूप से असम, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब गैंडों के आवास क्षेत्र का विस्तार करने की दिशा में काम कर रहा है। हमारी गैंडा संरक्षण रणनीति इस समझ पर आधारित है कि संरक्षण का मतलब सिर्फ गैंडों की मौजूदा आबादी को सुरक्षित रखना नहीं होना चाहिए। इसका लक्ष्य उनके पुराने आवास क्षेत्रों में भी उनकी आबादी को बढ़ाना होना चाहिए। गैंडों की आबादी में निरंतर सुधार को देखते हुए मोदी सरकार ने 2019 में एक सींग वाले गैंडे के लिए राष्ट्रीय संरक्षण रणनीति शुरू की। इसमें मौजूदा आबादी को मजबूत करने, पुराने और उपयुक्त इलाकों में गैंडों को फिर से बसाने, उनकी आनुवंशिक विविधता बनाए रखने, अलग-अलग आवासों को आपस में जोड़ने, वैज्ञानिक तरीके से गैंडों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने और जलवायु परिवर्तन के असर से निपटने पर जोर दिया गया है। लेकिन भारत में गैंडे की कहानी सबसे बढ़कर उसके दोबारा बढ़ने की कहानी है। गैंडों की संख्या करीब 170 फीसदी बढ़ी है। सितंबर 2024 तक इनकी संख्या करीब 1,500 से बढ़कर 4,000 से अधिक हो गई। आज भारत दुनिया में एक सींग वाले गैंडे के संरक्षण के सबसे महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक है। राष्ट्रीय क्षतिपूर्ति वनीकरण कोष प्रबंधन और योजना प्राधिकरण के माध्यम से चलाए जा रहे भारतीय गैंडा संरक्षण कार्य योजना के पहले चरण (2026 से 2031 तक) के लिए 77.39 करोड़ रुपये के बजट का प्रस्ताव है। इस कार्यक्रम में असम, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल को शामिल किया गया है। इस कार्यक्रम में गैंडों की वैज्ञानिक निगरानी, उनकी सुरक्षा, उनके रहने की जगहों को बेहतर बनाना, गैंडों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने की योजना, इंसानों और वन्यजीवों के बीच बेहतर तालमेल और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े लोगों की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। इसका एक अहम लक्ष्य बिहार और अरुणाचल प्रदेश के उन इलाकों में भी गैंडों की आबादी बढ़ाना है, जहां उनके रहने के लिए उपयुक्त परिस्थितियां हैं।किसी एक वन्यजीव को बचाने का मतलब उसके पूरे प्राकृतिक वातावरण को बचाना भी है। गैंडा एक बड़ा शाकाहारी जानवर है। उसके लिए नदियों के किनारे के उपजाऊ मैदान, तराई के घास के मैदान और आर्द्रभूमियां बेहद जरूरी हैं। ये इलाके हिरण, जंगली भैंस, हाथी, बाघ, कई तरह के पक्षियों और कई छोटी प्रजातियों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, घास के मैदान स्थिर पारिस्थितिकी तंत्र नहीं हैं। इन्हें खराब होने, गलत तरीके से वनस्पति परिवर्तन और बाहरी आक्रामक प्रजातियों के फैलाव से बचाने के लिए सक्रिय और वैज्ञानिक प्रबंधन की जरूरत होती है। गैंडा संरक्षण कार्ययोजना में घास के मैदानों और आर्द्रभूमियों का नक्शा तैयार करने और उनका आकलन करने, आक्रामक प्रजातियों की पहचान करने और अलग-अलग संरक्षित क्षेत्रों के लिए अलग-अलग प्रबंधन योजनाएं तैयार करने का प्रावधान है।

घास के मैदानों का भी आकलन - गैंडे पर केंद्रित इस प्रयास के साथ एक व्यापक राष्ट्रीय पहल भी चल रही है। 2026 से 2031 तक घास के मैदानों के लिए चलने वाले व्यापक आकलन के लिए 20.86 करोड़ रुपये रखे गए हैं। इसे भारतीय वन्यजीव संस्थान, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद और भारतीय वन सर्वेक्षण मिलकर लागू करेंगे। इस परियोजना के तहत देश में घास के मैदान कितने बड़े क्षेत्र में हैं, उनकी हालत कैसी है, वहां कितनी तरह के जीव-जंतु और पौधे पाए जाते हैं, उन्हें कितना नुकसान हुआ है और वे पर्यावरण को क्या लाभ देते हैं—इन सभी बातों का अध्ययन किया जाएगा। इसमें घास के मैदानों की कार्बन क्षमता का भी आकलन होगा। इससे देश का एक राष्ट्रीय घासभूमि एटलस तैयार करने, किन इलाकों में सुधार की सबसे ज्यादा जरूरत है यह तय करने और भविष्य के लिए बेहतर प्रबंधन दिशानिर्देश बनाने में मदद मिलेगी। इस तरह गैंडे के संरक्षण और घास के मैदानों के संरक्षण की दोनों योजनाएं एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। गैंडों के संरक्षण में जलवायु परिवर्तन के असर को भी ध्यान में रखा जा रहा है। काजीरंगा जैसे इलाकों में बाढ़ प्राकृतिक व्यवस्था का हिस्सा है। लेकिन मौसम की चरम घटनाओं की बढ़ती संख्या और उनकी तीव्रता आने वाले समय में वन्यजीवों के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती है। ऐसे में यह जरूरी होगा कि गैंडों के पास ऊंचे इलाकों तक पहुंचने के रास्ते हों। उनके अलग-अलग आवासों के बीच संपर्क बना रहे और उनके आने-जाने के रास्ते सुरक्षित रहें। इसके साथ ही पूरे प्राकृतिक क्षेत्र को ध्यान में रखकर आवासों का प्रबंधन करना भी जरूरी होगा। राष्ट्रीय संरक्षण रणनीति में भी जलवायु परिवर्तन के असर से निपटने को गैंडों के लंबे समय के संरक्षण का हिस्सा बनाया गया है।

जमीन पर काम करने वालों की महत्वपूर्ण भूमिका - गैंडों की सुरक्षा में तकनीक का इस्तेमाल भी लगातार बढ़ रहा है। आधुनिक निगरानी व्यवस्था, उनके स्थान और गतिविधियों पर नजर रखने वाली तकनीक, पशु चिकित्सा जांच, आनुवंशिक तकनीक और बेहतर फैसले लेने में मदद करने वाली प्रणालियां वन्यजीव संरक्षण के पारंपरिक तरीकों को और मजबूत कर सकती हैं। लेकिन तकनीक के बावजूद मैदान में काम करने वाले लोगों की भूमिका सबसे अहम बनी रहती है। वन रक्षक, निगरानीकर्मी, हाथियों के महावत, पशु चिकित्सक और मैदानी अधिकारी हर दिन जंगलों और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए काम करते हैं। यही लोग संरक्षण व्यवस्था की असली ताकत हैं। इसलिए विश्व गैंडा दिवस इन लोगों के काम और समर्पण को याद करने का भी मौका है। गैंडों के आवास के आसपास रहने वाले समुदाय भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। इस प्रजाति का भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि संरक्षण को केवल सरकार का काम न मानकर साझा जिम्मेदारी के रूप में देखा जाए।भारत के अनुभव ने यह भी दिखाया है कि राज्यों और देशों की सीमाओं से आगे सहयोग कितना जरूरी है। फरवरी 2019 में नई दिल्ली में गैंडे की आबादी वाले अन्य एशियाई देशों की बैठक हुई थी, जिसमें भूटान, इंडोनेशिया, मलेशिया और नेपाल शामिल हुए थे। इन देशों ने मिलकर एशियाई गैंडों की प्रजातियों के संरक्षण के लिए सहयोग मजबूत करने वाली नई दिल्ली घोषणा को अपनाया। इस विश्व गैंडा दिवस पर हम अब तक की यात्रा पर संतोष जता सकते हैं कि एक ऐसी प्रजाति जो कभी विलुप्ति के कगार पर पहुंच गई थी, आज लगातार बढ़ रही है। एक सींग वाला गैंडा हमें याद दिलाता है कि अगर समाज दृढ़ संकल्प के साथ कदम उठाए तो किसी प्रजाति की गिरती संख्या को फिर से बढ़ाया जा सकता है। गैंडों की रक्षा करके हम उन नदियों, घास के मैदानों, आर्द्रभूमियों, जंगलों और समुदायों की भी रक्षा कर रहे हैं, जो मिलकर भारत के इन इलाकों को देश के सबसे समृद्ध प्राकृतिक खजानों में शामिल करते हैं।गैंडे की वापसी देश की उपलब्धि है। इसका भविष्य देश की जिम्मेदारी है।

वंदेमातरम के 150 वर्ष पूर्ण- विद्यार्थियों व जनसमुदाय ने एक स्वर में गाया वंदे मातरम

मुजफ्फरनगर। विद्या भारती द्वारा आयोजित राष्ट्रव्यापी नमामि भारतम अभियान के अंतर्गत वंदे मातरम् के 150वें वर्ष के अवसर पर गांधी कॉलोनी स्थित श्रीकृष्ण जानकी सरस्वती शिशु मंदिर में पूर्वाह्न 11 बजे वंदे मातरम् सामूहिक गायन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 454 विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं जनसमुदाय ने सामूहिक रूप से वंदे मातरम् का गायन कर सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विकास आहूजा ने की, जबकि संचालन किरण बांगा ने किया। मुख्य अतिथि स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज, मुख्य वक्ता कांति राठी, प्रचार प्रमुख अंशिका वर्मा तथा संयोजक संजय कुमार सैनी रहे। प्रधानाचार्य मोहन सिंह ने सभी अतिथियों का परिचय कराया।

मुख्य अतिथि स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि वंदे मातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, कृतज्ञता और समर्पण की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस मातृभूमि से हमें अन्न, जल, वायु और जीवन मिलता है, उसके प्रति सम्मान और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध प्रत्येक नागरिक के जीवन का हिस्सा होना चाहिए।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र का भविष्य नई पीढ़ी के हाथों में है। इसलिए बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ अपनी संस्कृति, संस्कारों और गौरवशाली परंपराओं से भी जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब लाखों-करोड़ों लोग एक साथ राष्ट्रगीत का गायन करते हैं तो इससे समाज में एकता, अनुशासन और राष्ट्रभाव की भावना मजबूत होती है।

स्वामी श्रीभगवान आश्रम महाराज ने कहा कि नमामि भारतम जैसे आयोजन विद्यार्थियों और समाज को अपनी राष्ट्रीय विरासत से जोड़ने का माध्यम हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि राष्ट्र की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें तथा देशहित और समाजहित को सदैव प्राथमिकता दें।

कार्यक्रम को मुख्य वक्ता कांति राठी, महेंद्र आचार्य, कार्यक्रम अध्यक्ष विकास आहूजा, प्रधानाचार्य मोहन सिंह एवं देवांशी सिंह ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने वंदे मातरम् के ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वंदे मातरम् का सामूहिक गायन एक स्वर, एक संकल्प और एक भारत की भावना को अभिव्यक्त करता है।

वक्ताओं ने कहा कि वंदे मातरम् गीत की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने की थी। इस गीत के माध्यम से उन्होंने मातृभूमि को नमन किया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वंदे मातरम् विद्यार्थियों, मजदूरों और क्रांतिकारियों की आवाज बना। संविधान सभा में भी इसके सम्मान एवं राष्ट्रीय महत्व को स्वीकार किया गया और इसे राष्ट्रीय गीत का गौरव प्राप्त हुआ।

सामूहिक गायन के दौरान विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से ओतप्रोत हो उठा। विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं जनसमुदाय ने एक साथ वंदे मातरम् का गायन कर कार्यक्रम में सहभागिता की।

इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक राजीव रहेजा, सदस्य रविंद्र सैनी, अजय भारती, अरुण मिड्ढा, विजय वर्मा, सुंदर दास सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज कुमार, आनंदपाल, अशोक कुमार, सरवन, अवंतिका, भावना, सरिता, नीलम, पूजा, मोनिका, मेघा, अनीता, त्रिशला, गीता आदि का सहयोग रहा।

शताब्दी वर्ष श्री रामलीला महोत्सव: नई मंडी में धूमधाम से निकाली गई भव्य ध्वज यात्रा

मुजफ्फरनगर। श्री रामलीला कमेटी, नई मंडी के शताब्दी वर्ष (100वें वर्ष) के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले 'श्री रामलीला महोत्सव' की सूचना जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से आज एक भव्य ध्वज यात्रा का आयोजन किया गया।

यात्रा की शुरूआत पूर्ण विधि-विधान और वैदिक मंत्रोचार के साथ पूजा-अर्चना कर की गई। इसके बाद, संकटमोचन प्रभु श्री हनुमान जी की अगुवाई में ध्वज यात्रा नई मंडी के मुख्य मार्गों से होकर गुजरी, जहाँ श्रद्धालुओं ने जगह-जगह आरती उतारकर और पुष्पवर्षा कर इसका स्वागत किया। प्रभु श्री राम के इस अलौकिक कार्य को पूरी तरह से निर्विघ्न और सकुशल संपन्न कराने की प्रार्थना के साथ, पावन ध्वज को नई मंडी स्थित रामलीला भवन पर स्थापित किया गया। इस दौरान पूरा वातावरण 'जय श्री राम' और 'जय बजरंगबली' के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।

कमेटी के अध्यक्ष संजय मित्तल ने इस ऐतिहासिक अवसर पर कहा, "यह वर्ष हमारे लिए अत्यंत गौरवशाली है क्योंकि हम शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। रामलीला मंचन का मुख्य उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि प्रभु श्री राम के जीवन मूल्यों और उच्च आदर्शों को जन-जन के मानस तक पहुँचाना है, ताकि युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सके।"

इस पावन अवसर पर कमेटी के सभी सम्मानित पदाधिकारी मंत्री अशोक गर्ग, बृजगोपाल छारिया, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, प्रवीण कुमार, राजीव अग्रवाल, उपेंद्र मित्तल, अशोक तायल, कैलाश चंद ज्ञानी, राकेश खंडेलवाल, विदित गुप्ता, अभिषेक कुच्छल, संजय जिंदल, राजेश गोयल, राजेंद्र सिंघल, श्याम सुन्दर,विवेक गर्ग, मनोज मोदी, मुकेश गुप्ता प्रधान, शरद गोयल, अतुल जैन विवेक बंसल, सहित भारी संख्या में रामभक्त उपस्थित रहे।

श्रीमद् भागवत कथा में रासलीला व भक्तिरस का हुआ भावपूर्ण वर्णन।

स्वामी राजदास जी महाराज बोले : अहंकार त्यागकर ही मिलती है परमात्मा की कृपा।

थानाभवन थानाभवन क्षेत्र के गांव यारपुर स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर निजानंद आश्रम गौ सेवा धाम में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन का आयोजन अत्यंत भक्ति व श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। कथावाचक स्वामी राजदास जी महाराज ने छठे दिन श्रीकृष्ण की महारास लीला, गोपी प्रेम तथा उद्धव-गोपियों के संवाद का मार्मिक वर्णन किया।

स्वामी राजदास जी महाराज ने बताया कि रासलीला कोई साधारण घटना नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन का प्रतीक है। गोपियों का श्रीकृष्ण के प्रति निस्वार्थ प्रेम सच्ची भक्ति का सर्वोच्च उदाहरण है, जिसमें किसी प्रकार का स्वार्थ या अहंकार नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य अपने मन, बुद्धि और अहंकार को त्यागकर पूर्ण समर्पण भाव से भगवान की शरण में जाता है, तभी उसे सच्चे आनंद की प्राप्ति होती है। कथा के दौरान उद्धव प्रसंग का वर्णन करते हुए कथावाचक ने बताया कि जब श्रीकृष्ण ने उद्धव को वृंदावन भेजा, तब गोपियों ने उन्हें भक्ति का वास्तविक स्वरूप समझाया। उन्होंने कहा कि ज्ञान से अधिक श्रेष्ठ भक्ति है, क्योंकि भक्ति में प्रेम और समर्पण दोनों समाहित होते हैं। राजदास महाराज ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युग में मनुष्य भौतिक सुख-सुविधाओं में उलझकर परमात्मा से दूर होता जा रहा

पेट दर्द की शिकायत पर भर्ती अग्निवीर युवक की मौत, परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का लगाया आरोप

शामली। सदर कोतवाली क्षेत्र के कैराना रोड स्थित मुकेश नर्सिंग होम में पेट दर्द की शिकायत पर भर्ती कराए गए एक नवयुवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल में जमकर हंगामा किया और मामले में कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना पर मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

मृतक की पहचान आदर्श मंडी थाना क्षेत्र के कस्बा बनत निवासी सावन पुत्र धर्मवीर के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सावन का अग्निवीर के लिए चयन हो चुका था और दीपावली के समय उसकी जॉइनिंग होनी थी।

परिजनों का आरोप है कि सावन को पेट में दर्द की शिकायत के बाद मुकेश नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। इस दौरान उसका बीपी डाउन हो गया। आरोप है कि डॉक्टर ने बिना पर्याप्त जांच-पड़ताल के जल्दबाजी में उसका ऑपरेशन शुरू कर दिया, जिसके दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मौके पर पहुंचे स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी दीपक चौधरी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची है। पीड़ित पक्ष की ओर से शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। इसके आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल युवक की मौत के वास्तविक कारणों और इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही हुई या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

शिक्षक सीट प्रत्याशी डॉ. सुशील पुण्डीर और स्नातक सीट प्रत्याशी डॉ. अमित जैन ने किया विद्यालयों का भ्रमण

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के विधान परिषद सदस्य हेतु शिक्षक सीट के प्रत्याशी डॉ. सुशील कुमार पुण्डीर एवं स्नातक सीट के प्रत्याशी डॉ. अमित कुमार जैन ने शुक्रवार को जैन औषधालय में विराजमान प.पू. मुनि श्री 108 अनुपम सागर जी मुनिराज ससंघ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद दोनों प्रत्याशियों ने जनपद के विभिन्न विद्यालयों का भ्रमण कर शिक्षकों से मुलाकात की।

जनपद आगमन पर डॉ. सुशील कुमार पुण्डीर का पूर्व प्रधानाचार्य परिषद की अध्यक्षा सारिका जैन, जिला महामंत्री अरुण कुमार तथा कोषाध्यक्ष संजय कुमार मोघा ने स्वागत किया। इस दौरान संगठन पदाधिकारियों ने जनपद से समर्थन देने की बात कही।

डॉ. सुशील कुमार पुण्डीर ने शिक्षकों के सम्मान, सेवा सुरक्षा सहित विभिन्न शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे। उन्होंने संगठन के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षकों की समस्याओं को शासन एवं संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाना और उनके अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा करना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

डॉ. अमित कुमार जैन ने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का गौरवशाली इतिहास रहा है और संगठन शिक्षकों के हितों एवं अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करता रहा है। उन्होंने पुरानी पेंशन तथा समान कार्य-समान वेतन सहित शिक्षक हितों से जुड़े मुद्दों पर कार्य करने और शिक्षक समस्याओं के निस्तारण के लिए प्रयास करने की बात कही।

दोनों प्रत्याशियों का एमएम इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर में प्रधानाचार्य रंजन सिंह पुण्डीर, नगरपालिका कन्या इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्या सुमित्रा सिंह, आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्या अंजू धीमान, शिक्षा सदन कन्या इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्या सीमा त्यागी तथा वैदिक पुत्री पाठशाला इंटर कॉलेज में प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार सहित शिक्षकों द्वारा स्वागत किया गया।

विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों एवं गणमान्यजनों को संबोधित करते हुए डॉ. अमित कुमार जैन ने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षकों को उनके कार्य एवं दायित्व के अनुरूप सम्मानजनक एवं समान सेवा शर्तें मिलना आवश्यक है। डॉ. सुशील कुमार पुण्डीर ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली शिक्षकों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा कि सेवा सुरक्षा सुनिश्चित होने से शिक्षक निर्भीक एवं स्वतंत्र वातावरण में अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे। उन्होंने समान कार्य-समान वेतन के सिद्धांत को भी शिक्षकों के हित से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बताया।

इस दौरान शिक्षक एकता, शिक्षक सम्मान एवं शिक्षक हितों की रक्षा के संकल्प को दोहराया गया।

अंधकार में डूबा हसनपुर लुहारी, स्ट्रीट लाइटें बनीं शोपीस

25 से अधिक लाइटें लंबे समय से खराब, कई बार शिकायत के बावजूद नहीं हुआ समाधान

थानाभवन। थानाभवन क्षेत्र के गांव हसनपुर लुहारी में अनदेखी और लचर व्यवस्था के चलते स्ट्रीट लाइटें महज शोपीस बनकर रह गई हैं। गांव के मुख्य मार्गों से लेकर विभिन्न गलियों तक 25 से अधिक स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं। शाम होते ही कई हिस्सों में अंधेरा छा जाने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि खराब स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त कराने के लिए संबंधित अधिकारियों और जिम्मेदारों से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। लगातार शिकायतों के बावजूद लाइटें ठीक नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीणों के मुताबिक अंधेरे का फायदा उठाकर असामाजिक तत्व सक्रिय हो सकते हैं। इससे महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को शाम के समय रास्तों से गुजरने में परेशानी होती है।

ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य मार्गों के साथ ही गलियों में भी रात के समय पर्याप्त रोशनी की आवश्यकता है। कई स्थानों पर लाइटें खराब होने के कारण लोगों को मोबाइल की रोशनी या निजी साधनों के सहारे रास्ता तय करना पड़ता है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार विभाग से जल्द खराब लाइटों को ठीक कराने और जरूरत वाले स्थानों पर नई स्ट्रीट लाइटें लगवाने की मांग की है।

अनंत चतुर्दशी के पावन पर्व पर थानाभवन के मेला गुगाल मेले में उमड़ी भीड़, देर रात तक गूंजते रहे गोगाजी महाराज के जयकारे।

छड़ी पूजन और पारंपरिक फल का लगाया भोग , गोगामेढ़ी परिसर में जगह-जगह लगे भंडारे।

थानाभवन- अनंत चतुर्दशी के अवसर पर शुक्रवार को थानाभवन स्थित गोगामेढ़ी परिसर में गुगाल मेले का विधिवत शुभारंभ हुआ। सुबह से ही गोगाजी महाराज के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने छड़ी पूजन कर पारंपरिक फल का भोग लगाया और निशान चढ़ाए परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

मेले के शुभारंभ के साथ ही गोगा मेढ़ी परिसर में चहल-पहल बढ़ गई। दूर-दराज से भी बड़ी संख्या में लोग मेले में पहुंचे। परिसर में कई स्थानों पर भंडारे लगाए गए, जहां लोगों को प्रसाद वितरित किया गया। मेले में लगी विभिन्न दुकानों पर भी लोगों की भीड़ नजर आई। बच्चों और महिलाओं ने मेले में लगी दुकानों से खरीदारी की, वहीं लोगों ने झूले और अन्य मनोरंजन के साधनों का भी आनंद लिया।

दिनभर गोगा मेढ़ी परिसर में धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना के साथ मेले का आनंद लिया। शाम होते ही परिसर में भीड़ और बढ़ गई। मेले में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए कार्यकर्ता व्यवस्थाओं में जुटे रहे। धार्मिक आयोजन और भंडारे देर शाम तक चलते रहे, जिससे पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल बना रहा। कार्यकर्ता मेले की व्यवस्थाओं को संभालने में जुटे रहे। स्वामी रामनरेश जी महाराज के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में हिम्मत सिंह, पूर्व सभासद उमेश सैनी, सभासद विनोद सैनी, सरवन सैनी,राजेश सैनी,राजेश प्रजापत,अमन सैनी,विश्वास सैनी, बाल मुकुंद,अनुज सैनी,आशु सैनी, नाथी सैनी राम ,राजेश डीलर,आकाश ,राजा सैनी,गोपाल सैनी,रामू सैनी,सोनू गुर्जर, सैनी,निशांत सैनी,जनेश्वर सैनी,मोहित सैनी,पुजारी रजनीश उपाध्याय आदि का सराहनीय सहयोग रहा। देर रात तक गोगाजी महाराज के जयकारों और धार्मिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहा।

रंग संसार

'अंजलि अरोड़ा की श्री रामायण कथा ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर की शॉकिंग कमाई, 'द वन' को छोड़ पाई पीछे?

नई दिल्ली। अंजलि अरोड़ा की पौराणिक फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' 25 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। अंजलि अरोड़ा की फिल्म 'श्री रामायण कथा' का क्लैश सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया की फिल्म 'द वन' से हुई। श्री रामायण कथा सिनेमाघरों में हुई रिलीज

रामायण पर आधारित पौराणिक फिल्म 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' को लेकर दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। ऐसे में फिल्म ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई की है, इसके शुरूआती आंकड़े सामने आ गए हैं। महाकाव्य श्री रामायण कथा का कलेक्शन

सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरूआत की है। फिल्म का कलेक्शन एक करोड़ भी नहीं पहुंच पाया है। छत्तीसगढ़ी और हिंदी भाषाओं में रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 14 लाख रुपये कमाए हैं। फिल्म को खास शोज भी नहीं मिले हैं। इसे देशभर में 521 शोज ही मिले हैं।दूसरी ओर सिद्धार्थ मल्होत्रा की द वन ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी-खासी कमाई कर ली है। फिल्म का पहले दिन का कलेक्शन 7 करोड़ रुपये के आसपास है। पहले दिन द वन आगे निकल गई और श्री रामायण कथा लाखों में सिमट गई। अब देखते हैं कि शनिवार और रविवार को इन फिल्मों का क्या हाल होता है।श्री रामायण कथा की स्टार कास्ट

महाकाव्य श्री रामायण कथा के बारे में बात करें तो अभिषेक सिंह ने फिल्म का निर्देशन किया है। फिल्म में सीता की भूमिका अंजलि अरोड़ा निभा रही हैं, वहीं राम के रोल में देव शर्मा हैं। फिल्म में रावण की भूमिका फेमस एक्टर रजनीश दुग्गल ने निभाया है। फिल्म को लेकर पहले से ही काफी ट्रोलिंग हो रही थी। इसकी कास्टिंग, श्रृंगार और सीन्स को लेकर इंटरनेट पर चर्चा शुरू हो गई थी।

राज काज

मुकेश अंबानी जिसे खरीदने की रेस हुए थे बाहर, उसने 3 दिन में दिया 33% का छप्परफाड़ रिटर्न; युएस से खास कनेक्शन

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज अरबपति मुकेश अंबानी ने 2025 में जिस अमेरिकी कंपनी को खरीदने की इच्छा जताई थी, उसने 3 दिन में अपने निवेशकों को छप्परफाड़ रिटर्न दिया। कंपनी का नाम व्हर्लपूल ऑफ इंडिया है। इसके शेयरों ने पिछले 3 ट्रेडिंग सेशन में अपने निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इस कंपनी का कनेक्शन अमेरिका से है। दरअसल, व्हर्लपूल ऑफ इंडिया अमेरिकी कंपनी व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन की सब्सिडियरी की सब्सिडियरी कंपनी है। अब सवाल है कि आखिर कौन सी खबर से इस कंपनी के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है? आइए जानते हैं। आज 12% तक भागे (Whirlpool of India Ltd) के शेयर आज यानी 25 सितंबर को व्हर्लपूल ऑफ इंडिया के शेयर 12 फीसदी तक भागे और बाजार बंद होने के बाद यह 7.30% की बढ़त के साथ 918 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इसके शेयर आज बीएसई पर 853.85 रुपये के स्तर पर खुले थे और 959.60 रुपये के उच्चतम स्तर तक गए थे। पिछले इक्विटी मार्केट क्लोजिंग के समय इनकी कीमत ङ्ग853.45 प्रति शेयर थी। वहीं, अगर पिछले तीन ट्रेडिंग दिनों की बात करें तो (Whirlpool of India Ltd) के शेयरों ने 30 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है। 22 सितंबर को इसके शेयर 721 रुपये के स्तर पर थे और आज यानी 25 सितंबर को यह 918 रुपये के स्तर पर बंद हुए। और अगर आज के इसके उच्चतम स्तर को देखें तो इसने पिछले 3 ट्रेडिंग दिनों में लगभग 33 फीसदी का छप्परफाड़ रिटर्न दिया है। और आज के बंद होने के स्तर को देखे तो इसने लगभग 28 फीसदी का रिटर्न दिया है। विदेशी प्रमोटर बेच रहे कंपनी में हिस्सेदारी व्हर्लपूल ऑफ इंडिया एक होम अप्लायंसेज ब्रांड है। कंपनी कई तरह के किचन और लॉन्ड्री अप्लायंसेज बनाती जैसे रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव ओवन और छोटे घरेलू उपकरण आदि बनाती है। व्हर्लपूल ऑफ इंडिया लिमिटेड को व्हर्लपूल कॉर्पोरेशन अपनी सब्सिडियरी कंपनी 'व्हर्लपूल मॉरिशस लिमिटेड' के जरिए कंट्रोल करती है, जिसके पास कंपनी में 39.76% प्रमोटर हिस्सेदारी है। कंपनी का बाकी हिस्सा पब्लिक शेयरहोल्डर्स और इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के पास है।

दैनिक राशिफल शनिवार 26 सितम्बर 2026

मेष – पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेगें।

वृष – अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा।

मिथुन : आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा।

कर्क – उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ।

सिंह- यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

कन्या – घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा।

तुला – संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक – अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

धनु – कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढड्ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है।

मकर – आगे बढड्ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं।

कुंभ – बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं।

मीन – व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा।

दैनिक पंचांग

26 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.26 बजे से
चंद्र	मीन में	वृश्चिक	09.41 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.57 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.02 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.49 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.22 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.52 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.32 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.30 बजे से
		कर्क	00.44 बजे से
राहुकाल	9.00 से 10.30 बजे तक	सिंह	03.00 बजे से
		कन्या	05.12 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 269 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पूर्णिमा 22.19 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 11.32 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 13.18 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 10.47 बजे तदनन्तर बव 22.19 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 14.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 10' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872844 **जूलियन दिन** 2461309.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 14 **विशेष** स्नानदान व्रत पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

बारिश को लेकर अलर्टः मुजफ्फरनगर में प्रशासन सतर्क, 27 सितंबर सुबह तक मौसम पर रहेगी नजर

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आसपास के जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी, बिजनौर समेत कई जिलों में ऑरेंज वार्निंग; निचले इलाकों में जलभराव की आशंका

मुजफ्फरनगर। सितंबर के अंतिम दिनों में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। 26 सितंबर से प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद जिला प्रशासन भी आसपास के जिलों में बन रहे मौसम के हालात पर नजर रख रहा है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों में बारिश का असर बढ़ने की स्थिति में निचले इलाकों में जलभराव और आवागमन प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए संबंधित विभागों को सतर्क रहने की जरूरत बताई गई है। प्रभारी अधिकारी आपदा एवं डिप्टी कलेक्टर कृष्णकांत विश्वकर्मा ने बताया कि 26 सितंबर 2026 से 27 सितंबर की सुबह 8:30 बजे तक प्रदेश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम संबंधी चेतावनी के मद्देनजर प्रशासन को संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

आठ जिलों में रेड वार्निंग, अत्यंत भारी बारिश की संभावना

मौसम विभाग की चेतावनी में श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, रामपुर, बरेली, पीलीभीत और शाहजहांपुर समेत आसपास के क्षेत्रों को रेड वार्निंग जोन में रखा गया है। इन क्षेत्रों में अत्यंत भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है। रेड वार्निंग वाले क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण निचले स्थानों पर तेजी से पानी भरने, सड़क मार्ग प्रभावित होने और स्थानीय स्तर पर अन्य परेशानियां पैदा होने की आशंका रहती है। ऐसे में प्रशासन और संबंधित विभागों को संभावित परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश दिए गए हैं।

बिजनौर समेत कई जिलों में ऑरेंज वार्निंग

इसके अलावा बस्ती, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, हरदोई, लखनऊ, बाराबंकी, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल और बदायूं समेत आसपास के क्षेत्रों के लिए ऑरेंज वार्निंग जारी की गई है। इन जिलों में भी भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मुजफ्फरनगर के आसपास के जिलों में मौसम खराब होने की चेतावनी के चलते

जिले में भी प्रशासनिक स्तर पर सतर्कता बरती जा रही है। मौसम की स्थिति पर नजर रखने के साथ बारिश की स्थिति में स्थानीय स्तर पर उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निपटने के लिए तैयार रहने की आवश्यकता बताई गई है।

मुजफ्फरनगर में निचले इलाकों पर रहेगी खास नजर

भले ही चेतावनी में आसपास के कई जिलों को रेड और ऑरेंज श्रेणी में रखा गया है, लेकिन इसका असर मुजफ्फरनगर में भी मौसम के बदलाव के रूप में दिखाई दे सकता है। बारिश होने की स्थिति में शहर के निचले इलाकों, जलभराव वाले स्थानों और ग्रामीण क्षेत्रों में पानी निकासी की समस्या सामने आ सकती है। पिछले दिनों हुई बारिश के कारण जिन स्थानों पर जलनिकासी की समस्या सामने आती रही है, वहां तेज बारिश होने पर स्थिति और बिगड़ सकती है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर जलभराव वाले स्थानों की निगरानी और समय से पानी निकासी की व्यवस्था महत्वपूर्ण रहेगी।

लोगों से अनावश्यक आवागमन से बचने की अपील

प्रशासन की ओर से लोगों से मौसम संबंधी चेतावनियों पर नजर रखने की अपील की गई है। बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने और खराब मौसम में सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों और किसानों को मौसम में संभावित बदलाव को लेकर सतर्क रहने को कहा गया है।

किसानों को भी मौसम देखकर काम करने की सलाह

बारिश की संभावना के बीच ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए भी मौसम महत्वपूर्ण रहेगा। खेतों में पानी भरने की स्थिति बनने पर फसलों को नुकसान हो सकता है। किसानों को मौसम की स्थिति पर नजर रखते हुए कृषि संबंधी गतिविधियां करने की सलाह दी गई है। तेज बारिश और जलभराव की स्थिति में खेतों तथा संपर्क मार्गों पर आवागमन में भी परेशानी हो सकती है।

27 सितंबर सुबह 8:30 बजे तक प्रभावी रहेगी चेतावनी

प्रभारी अधिकारी आपदा एवं डिप्टी कलेक्टर कृष्णकांत विश्वकर्मा के अनुसार मौसम संबंधी चेतावनी 26 सितंबर से 27 सितंबर सुबह 8:30 बजे तक प्रभावी रहेगी। इस अवधि में मौसम में होने वाले बदलाव पर प्रशासन की नजर रहेगी। भारी बारिश की स्थिति उत्पन्न होने पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

खतौली में युवती से दुष्कर्म व एससी-एसटी एक्ट का नामजद आरोपी गिरफ्तारः पुलिस ने भेजा जेल

जानसठ रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास से पकड़ा गया आरोपी बाबर; 23 सितंबर को दर्ज हुआ था मुकदमा

खतौली (मुजफ्फरनगर)। थाना खतौली पुलिस ने वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने युवती के साथ मारपीट, जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जबरन दुष्कर्म करने के मामले में फरार चल रहे नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गत 23 सितंबर को ग्राम तुलसीपुर निवासी एक व्यक्ति ने थाने पर तहरीर दी थी।

पीड़ित पिता का आरोप था कि खेड़ी कुरैश निवासी बाबर पुत्र रियासत ने उसकी पुत्री के साथ गाली-गलौज की, जातिसूचक शब्द कहे और उसे जबरन खेत में खींचकर ले गया, जहां उसने युवती के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित पक्ष

की तहरीर के आधार पर खतौली पुलिस ने तुरंत संज्ञान लेते हुए मुकदमा संख्या 315/2026 पंजीकृत किया था। आरोपी के खिलाफ नए भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 64(1), 352, 115(2) और 3(2)(वी) एससी-एसटी एक्ट के तहत गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जानसठ रोड से दबोचा गया आरोपी

मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस टीम लगातार उसकी लोकेशन ट्रैक कर रही थी। 25 सितंबर को सटीक सूचना पर उपनिरीक्षक धर्मवीर कर्दम, कांस्टेबल राहुल सिंह, प्रदीप और पिंकू राणा की टीम ने जानसठ रोड स्थित पेट्रोल पंप के आगे घेराबंदी कर आरोपी बाबर को धर दबोचा।

कोतवाल दिनेश चन्द्र बघेल के अनुसार, महिला संबंधी अपराधों और अनुसूचित जाति/जनजाति सुरक्षा को लेकर पुलिस पूरी तरह सख्त है। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और विवेचनात्मक कार्रवाई तेजी से पूरी की जा रही है।

स्कूल जा रही छात्राओं से छेड़छाड़, विरोध पर मारपीट का आरोप

बुढ़ाना। कस्बे में शुक्रवार सुबह स्कूल जा रही तीन नाबालिग छात्राओं के साथ छेड़छाड़ की घटना और विरोध करने पर मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुस्लिम युवक ने छात्राओं की ओर अश्लील इशारे किए और छेड़छाड़ की। आरोप है कि विरोध करने पर युवक ने गाली-गलौज शुरू कर दी और युवक व उसके स्वजन ने छात्राओं से मारपीट भी की। पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित किशोरी के पिता ने बताया कि उसकी पुत्री, भतीजी और उनकी एक सहेली शुक्रवार सुबह कॉलेज जा रही थी। आरोप है कि रास्ते मे आरिश नाम के युवक ने छात्राओं की ओर अश्लील इशारे करते हुए छेड़छाड़ की। छात्राओं ने विरोध किया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगा। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने अपने परिवार के साथ मिलकर छात्राओं के साथ मारपीट भी की। घटना की सूचना पर पीड़ित छात्राओं के परिजन मौके पर पहुंचे और तीनों छात्राओं को थाने ले जाकर शिकायत की। कस्बा चौकी प्रभारी ललित कसाना ने बताया कि शिकायत पर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। उधर स्वामी यशवीर महाराज ने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो जारी कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कार्रवाई नहीं होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है।

भगवान वाल्मीकि प्रकटोत्सव ध्वज यात्रा का टाउन हॉल से हुआ शुभारम्भ।

ध्वज यात्रा को विधि-विधान के साथ चैयर्परसन मीनाक्षी स्वरुप व पूर्व विधायक प्रमोद ऊंटवाल ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया रवाना।

मुजफ्फरनगर - शुक्रवार को भगवान वाल्मीकि के अनुयायियों द्वारा टाउन हॉल मैदान से ध्वज यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमे विषेष अतिथि चैयर्परसन श्रीमती मीनाक्षी स्वरुप व मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रमोद ऊंटवाल ने भगवान वाल्मीकि जी ध्वज यात्रा का फीता काट कर शुभारंभ किया। ध्वज वाहक वाल्मीकि समाज के नेता चमन लाल वाल्मीकि का समाज के गणमान्य लोगों ने फूल मालाओं से किया स्वागत

ध्वज यात्रा बैण्ड बाजे के साथ मुख्य मार्ग शिव चौक से होते हुए आबकारी रोड़ भगवान वाल्मीकि मंदिर मे तक पहुंची। विशेष अतिथि मीनाक्षी स्वरुप ने भगवान वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम ने मयार्दा मे रहकर अपने कुल के वचन को निभाया और बुराई का अंत किया। हम सब प्राणियों को हमेशा सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए और ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज मे आस्था संस्कार और समाजिक एकता को मजबूती मिलती है। आपसी भाईचारे के रिश्ते मजबूत होते है। और यही अखंड भारत की सबसे सुंदर तस्वीर है। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक माननीय प्रमोद ऊंटवाल ने अपने संबोधन मे कहा कि संत ऋषि भगवान किसी एक जाति धर्म विशेष के नही होते उनके विचार और ज्ञान आशीर्वाद सदैव जगत कल्याण लिए होता है। मुझे गर्व कि अनुभूति हो रही कि प्रत्येक वर्ष कि भांति इस वर्ष भी भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा सोमवार 26 अक्टूबर 2026 को बड़े धूमधाम हर्षोल्लास एकता के साथ मनाई जा रही है। जिसमे मनमोहक झांकियां मौहल्ला आबकारी के प्राचीन भगवान वाल्मीकि मंदिर से आरंभ होकर हनुमान चौक,भगत सिंह रोड़,शिव चौक,शहर कोतवाली के रास्ते होते हुए नावल्टी चौक,बकरा मार्किट, नम्बर दो चुंगी से होते हुए पुनः आबकारी रोड़ भगवान वाल्मीकि मंदिर पर समापन होगी।

आयोजक समिति का मनोबल बढ़ाते हुए माननीय पूर्व विधायक प्रमोद ऊंटवाल ने कहा कि समाज मे आस्था और एकजुटता का प्रतीक है भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा। समाज के सभी गणमान्य लोगों का आभार प्रकट करता हूं कि ध्वज यात्रा व शोभायात्रा हर्षोल्लास के साथ मानाये और आयोजन समिति का सहयोग करें।

भगवान वाल्मीकि शोभायात्रा के आयोजक दीपक ने मीडिया से बात चीत मे बताया कि भगवान वाल्मीकि ध्वज यात्रा हर वर्ष की तरह टाऊन हॉल से झांसी की रानी,शिव चौक,भगत सिंह रोड़, हनुमान चौक,आबकारी रोड भगवान वाल्मीकि मंदिर पर समाप्त कर मंदिर के शिखर पर ध्वज स्थापित किया गया।

भगवान वाल्मीकि ध्वज यात्रा व ध्वज स्थापित आयोजन में मंदिर निर्माण कमैटी के अध्यक्ष डाक्टर मुकेश बिड़ला, विनोद टांक, शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष दीपक गम्भीर, संरक्षक चमन लाल वाल्मीकि, संरक्षक राजू मचल, मनोज पारचा महामंत्री,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सोनू मचल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष बिड़ला, कोषाध्यक्ष सोनू सरवट वाल्मीकि, मनू प्रिय मजदूर, मनीष बिड़ला, रविन्द्र बिड़ला,नीरज बिड़ला,परोहित ऊंटवाल,ललित गाजवाली,सुधीर ऊंटवाल,सतीश ऊंटवाल,प्रवीण मचल,संजय बिड़ला ,धर्मेन्द्र मचल, रोहित कांधला, अमृत सुधा, अमित सुधा,राजू प्रधान सरवट,जज्जी प्रधान अबूपुरा,हनी,मनी,सुरेश बारी, अंकित,सतीश, विनोद,विशाल, विकास टांक,हनु,गगन,शिवा,अनमोल,सुशील भगत जी,मनोज सुधा, सन्नी बिड़ला,ऋतिक,आदि

बड़ी संख्या मे श्रृद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मन, वचन और कर्म की पवित्रता ही उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म

बुढ़ाना। गांव अटाली स्थित श्रीदिगंबर जैन पार्श्वनाथ मंदिर में दशलक्षण महापर्व मनाया गया। पर्व का दसवां दिवस उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के रूप में भक्ति-भाव से मनाया गया। सुबह भक्तों ने महावीर भगवान की प्रतिमा को पांडुक शिला पर विराजमान कर जलाभिषेक किया व विश्व शांति के लिए शांति धारा की। तत्पश्चात श्रावकों ने नित्य नियम पूजन देव शास्त्र गुरु पूजन, चौबीसी पूजन, सोलहकारण पूजन, दशलक्षण पूजन, रत्नत्रय पूजन के साथ निर्वाण काण्ड पढ़कर बारहवें तीर्थंकर वासुपूज्य भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस लाडू चढ़ाकर मनाया। सप्त ऋषि महामंडल विधान के साथ फल अर्पित किए गए। धर्म सभा में विधानाचार्य पंडित मनोज जैन ने बताया कि ब्रह्मचर्य का अर्थ केवल बाहरी संयम नहीं, बल्कि अपने मन, वचन और कर्म की पवित्रता बनाए रखना भी है। जैन धर्म में ब्रह्मचर्य को आत्मसंयम और आत्मशुद्धि का एक महत्वपूर्ण मार्ग माना गया है। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म हमें अपनी इन्द्रियों और मन पर संयम रखने तथा अपने विचारों को शुद्ध और पवित्र बनाने की प्रेरणा देता है। सच्चा ब्रह्मचर्य वही है, जिसमें व्यक्ति अपने जीवन में संयम, सदाचार और आत्मनियंत्रण को अपनाता है। हमें सांसारिक आकर्षणों और मोह से ऊपर उठकर आत्मा के कल्याण की ओर बढ़ना चाहिए। संयमित और पवित्र जीवन मन को शांति प्रदान करता है तथा आत्मा की उन्नति में सहायक होता है। राजेंद्र जैन, राकेश जैन, संजय जैन, प्रमोद जैन, राजीव जैन, शुभम जैन, अदिति जैन आदि मौजूद रहे।

मोबाइल टावर लगाने के विरोध में मोहल्लेवासियों ने एसडीएम को भेजा पत्र

मीरापुर। कस्बे के मोहल्ला नमक मंडी स्थित जाट कॉलोनी में मोबाइल टावर लगाए जाने के विरोध में मोहल्लेवासियों ने उप जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित कर निर्माण कार्य की जांच कराने और नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। पत्र में प्रदीप कुमार, संजीव कुमार, जगपाल, आशीष वर्मा, आस मोहम्मद, मोहर्रम अली, जावेद, रजनीश और मोनू पंडित आदि लोगो का आरोप है कि मोहल्ले के ही विनीत पुत्र नरेंद्र द्वारा अपने प्लांट में मोबाइल टावर लगाए जाने के लिए निर्माण कार्य कराया जा रहा है। लोगों के अनुसार जब उन्हें टावर लगाए जाने की जानकारी मिली तो उन्होंने संबंधित व्यक्ति से मौके पर पहुंचकर इसका विरोध किया। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति ने टावर लगाए जाने से इनकार किया, जबकि मौके पर टावर लगाने

के लिए खुदाई और अन्य निर्माण कार्य लगातार कराया जा रहा है। प्रार्थना पत्र में मोहल्लेवासियों ने कहा कि आबादी के बीच मोबाइल टावर लगाए जाने को लेकर उन्हें स्वास्थ्य और अन्य संभावित प्रभावों की चिंता है। उनका कहना है कि मोहल्ले में छोटे-छोटे बच्चे भी रहते हैं, ऐसे में टावर लगाए जाने से संभावित रेडिएशन को लेकर लोगों में आशंका बनी हुई है। लोगों का कहना है कि मोहल्ले में पहले से मोबाइल नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध है और एक अन्य टावर लगाए जाने की आवश्यकता नहीं है। मोहल्लेवासियों ने एसडीएम से मामले की तत्काल जांच कराकर मौके पर चल रहे निर्माण कार्य को नियमानुसार रुकवाने तथा उनकी आपत्ति का समाधान कराने की मांग की है।

मुझेड़ा हाईवे पर हादसा, कैंटर की टक्कर से बैलगाड़ी क्षतिग्रस्त

मीरापुर। ग्राम मुझेड़ा में हाईवे पर शुक्रवार सुबह बैलगाड़ी और कैंटर की भिड़ंत हो गई। हादसे में बैलगाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि बैल गंभीर रूप से घायल हो गया। बैल की हालत नाजुक बताई जा रही है। हादसे में बैलगाड़ी चालक को भी मामूली चोटें आई हैं।

बताया गया कि थाना मीरापुर क्षेत्र के ग्राम मुझेड़ा निवासी जानू राजपूत शुक्रवार सुबह करीब छह बजे अपनी बैलगाड़ी लेकर खेत पर जा रहा था। जब वह मुझेड़ा बस स्टैंड के पास हाईवे पर पहुंचा, तभी विपरीत दिशा से तेज गति से आ रहे एक कैंटर ने उसकी बैलगाड़ी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बैलगाड़ी और चालक जानू हाईवे से नीचे खेत में जा गिरे। हादसे में बैलगाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि बैल गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर आसपास

के ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने घायल बैल की हालत को देखते हुए उपचार के लिए चिकित्सक को मौके पर बुलाया। इसी दौरान हादसे के बाद कैंटर चालक अपना वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर थाना मीरापुर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घटना की जानकारी जुटाते हुए फरार कैंटर चालक की तलाश शुरू कर दी।

मेधावी छात्राओं का सम्मान और फ्रेशर्स पार्टी का भव्य आयोजन

ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज में छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से बांधा समां

मुजफ्फरनगर। ताराचंद वैदिक पुत्री डिग्री कॉलेज, मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को गत वर्ष की मेधावी छात्राओं के सम्मान समारोह एवं फ्रेशर्स पार्टी कॉलेज गेट-टुगेदर का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ हुआ। बीबीए की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना ने कार्यक्रम को भक्तिमय एवं मंगलमय वातावरण प्रदान किया। इसके बाद गत वर्ष की टॉपर छात्राओं को सम्मानित किया गया। वहीं फ्रेशर्स पार्टी के अंतर्गत नवप्रवेशित छात्राओं का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. संगीता चौधरी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए उनका स्वागत किया तथा उन्हें शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं व्यक्तित्व विकास के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने गत वर्ष की टॉपर छात्राओं एवं पुरातन छात्रा पूजा

गुर्जर को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। साथ ही नवप्रवेशित छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए महाविद्यालय के अनुशासन, संस्कार एवं शैक्षणिक मूल्यों को बनाए रखने का संदेश दिया।

प्राचार्या ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ आपसी सौहार्द, आत्मविश्वास एवं सहयोग की भावना विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्राओं एवं शिक्षिकाओं का आभार भी व्यक्त किया। इसके बाद छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। नृत्य, गीत एवं अन्य मनोरंजक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न गतिविधियों ने समारोह को आकर्षक एवं आनंदमय बना दिया। कार्यक्रम का संयोजन बीए विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रतिभा चौधरी द्वारा किया गया, जबकि मंच का संचालन येशु शर्मा ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग करने वाले सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर डॉ. बबिता शर्मा, डॉ. बबिता गोयल, डॉ. रितु गर्ग, डॉ. उषा, शिवानी गुप्ता, दिव्या हांडा, प्रियंका त्यागी, नीरज पवार, करुणा त्यागी, पूजा राणा, दामिनी, रेशमा गोखले, यामिनी, नेहा मित्तल, शशि गुलाटी, शैलजा त्यागी, आशा शिवाच, नैंसी कश्यप, ज्योति नामदेव, मानसी गर्ग, इंदु मित्तल, योगिता, साक्षी पटेल, तनु सैनी, सुमित कुमार, संजीव गर्ग, सुधीर कुमार एवं चेतन जोशी मौजूद रहे।

गाली-गलौज का विरोध करने पर युवक पर हमला, मुकदमा दर्ज

रामराज। थाना क्षेत्र के ग्राम समान उर्फ रामराज निवासी एक व्यक्ति पर धारदार वस्तु से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने का मामला सामने आया है। घायल की तहरीर पर पुलिस ने एक आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम समान उर्फ रामराज निवासी रविंद्र प्रताप पुत्र सुनहरा सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 सितंबर की शाम करीब छह बजे उनका ड्राइवर रंजीत ट्रैक्टर लेकर रामराज से रचली की ओर जा रहा था। जब वह ग्राम हुसैनपुर स्थित दुर्गा मंदिर के पास पहुंचा, तभी वहां प्रदीप पुत्र धर्मपाल ड्राइवर रंजीत के साथ गाली-गलौज कर रहा था। रविंद्र प्रताप ने बताया कि दोनों को गाली-गलौज करते देख उन्होंने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान प्रदीप ने किसी भारी धारदार वस्तु से उनके सिर पर वार कर दिया। हमले में रविंद्र प्रताप गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। घायल रविंद्र प्रताप को उपचार के लिए चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना रामराज पुलिस ने प्रदीप के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी ज्ञानेंद्र सिरोही ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

ब्रेनोब्रेन की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मुजफ्फरनगर के बच्चों ने लहराया परचम

82वीं रैंक हासिल करने वाली समृद्धि जैन समेत प्रतिभाशाली बच्चों को ट्रॉफी व चेक देकर किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। ब्रेनोब्रेन अंतर्राष्ट्रीय संगठन की 16वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता बीओबी वंडर किड एवं वंडर पेरेंट्स प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन गांधी कॉलोनी स्थित बारात घर में किया गया। समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों एवं अभिभावकों को ट्रॉफी, मेडल, प्रमाण पत्र और धनराशि के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करते समय बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

प्रतियोगिता में द एसडी पब्लिक स्कूल की कक्षा पांच की छात्रा समृद्धि जैन ने देशभर में 82वीं रैंक हासिल की। जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल की कक्षा छह की छात्रा राजवी जैन ने 29वीं तथा कक्षा आठ की मायरा कपूर ने 53वीं रैंक प्राप्त की। एसएफडीएवी पब्लिक स्कूल की कक्षा तीन के छात्र देवांश सिंह ने 66वीं रैंक और एमजी वर्ल्ड विजन स्कूल की कक्षा दो के छात्र भव्यम गोयल ने 75वीं रैंक हासिल कर जिले का नाम रोशन किया।

प्री-स्कूल श्रेणी में लिटिल मेनोर स्कूल की यूकेजी कक्षा की छात्रा सहर कौर ने 22वीं रैंक तथा एलकेजी की छात्रा क्रिश्वी अग्रवाल ने 54वीं रैंक प्राप्त की। सभी विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं धनराशि के चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। सहर कौर और राजवी जैन ने नेशनल टॉपर का खिताब भी हासिल किया।

वहीं वंडर पेरेंट्स प्रतियोगिता में अरविंद

कुमार एवं डॉ. ईशा गोयल चैंपियन रहे। दोनों को चैंपियन ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और उन्हें प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान किए गए। ब्रेनोब्रेन संस्था वर्तमान में 45 देशों में दो लाख से अधिक विद्यार्थियों को कौशल विकास का प्रशिक्षण दे रही है। संस्था के अनुसार यह प्रशिक्षण बच्चों की स्कूली शिक्षा के साथ-साथ उनके संपूर्ण व्यक्तित्व विकास में भी सहायक है। बीओबी वंडर किड एवं वंडर पेरेंट्स प्रतियोगिता में देशभर के करीब 2500 स्कूलों के 75 हजार बच्चों ने प्रतिभाग किया था। प्रतियोगिता का आयोजन 9 और 16 अगस्त को अखिल भारतीय स्तर पर किया गया था, जबकि परिणाम की घोषणा 24 सितंबर को की गई।

ब्रेनोब्रेन के अबेकस कोर्स के माध्यम से बच्चों की गणितीय क्षमता, गति, सटीकता और प्रदर्शन में सुधार के साथ-साथ तार्किक क्षमता एवं अन्य कौशल विकसित करने पर जोर दिया जाता है। संस्था की संस्थापक सुधा पालीवाल ने बताया कि मुजफ्फरनगर शहर के विभिन्न स्कूलों के 1000 से अधिक बच्चों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर गणितीय, तार्किक, सामान्य ज्ञान एवं लेखन कौशल का परिचय दिया। उन्होंने बताया कि संस्था द्वारा प्रत्येक वर्ष इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। समारोह में 1000 से अधिक बच्चों को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अंकुर गोपल, ललित अग्रवाल, विपुल पालीवाल, हुमा शमीम, मनीषा जैन, मानसी अग्रवाल, जूही गर्ग, नेहा अरोरा, कीर्ति रल्हन, शिम्पी कपूर, सीमा राना, नीति अग्रवाल, सुधा पालीवाल सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

पुरकाजी में महिला से दुष्कर्म: अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल, पति की संदिग्ध मौत, स्वामी यशवीर ने की आरोपी को जेल भेजने व जांच की मांग

पति की संदिग्ध मौत के बाद पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

मुजफ्फरनगर। जनपद के थाना पुरकाजी क्षेत्र अंतर्गत एक गांव से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां प्रजापति समाज की पीड़ित महिला ने एक व्यक्ति पर दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने, धर्म परिवर्तन तथा निकाह का दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी के उत्पीड़न और ब्लैकमेलिंग के चलते ही उसके पति की संदिग्ध परिस्थितियों में जान गई है। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से न्याय और परिवार के लिए सुरक्षा की मांग की है। वहीं स्वामी यशवीर ने भी एसएसपी संजय वर्मा से की आरोपी के खिलाफ कठोर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की मांग की है।

दुष्कर्म के बाद अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल

पीड़िता द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गांव भोजाहेड़ी निवासी एक मुस्लिम व्यक्ति का उसके घर आना-जाना था। आरोप है कि एक दिन जब घर के पुरुष सदस्य बाहर गए हुए थे, तो आरोपी ने पीड़िता को अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने चोरी-छिपे अश्लील वीडियो भी बना ली। इसके बाद आरोपी उस वीडियो के बल पर पीड़िता पर लगातार धर्म परिवर्तन करने और निकाह करने का दबाव बनाने लगा।

वीडियो देखने के बाद फंदे से लटका पति

महिला का कहना है कि जब उसने आरोपी की नाजायज शर्तों को मानने

से साफ इनकार कर दिया, तो आरोपी ने वह अश्लील वीडियो उसके पति को दिखा दी। इस घटनाक्रम के कुछ ही समय बाद पीड़िता के पति का शव घर में फांसी के फंदे पर लटका मिला। पीड़ित महिला ने आशंका जताई है कि उसके पति की मृत्यु कोई सामान्य आत्महत्या नहीं है, बल्कि इसके पीछे भी उसी आरोपी की भूमिका है। पीड़िता का आरोप है कि घटना की शिकायत पुलिस से की गई थी, लेकिन अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई है, जबकि उस पर अब भी निकाह का दबाव बनाया जा रहा है।

स्वामी यशवीर महाराज ने की निष्पक्ष जांच की मांग

मामला सामने आने के बाद हिंदू संगठन और सामाजिक प्रतिनिधि भी पीड़िता के समर्थन में आ गए हैं। स्वामी यशवीर महाराज ने इस प्रकरण पर कड़ा संज्ञान लेते हुए मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय वर्मा से निष्पक्ष जांच की अपील की है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार बेहद गरीब और असहाय है। एसएसपी को इस पूरे मामले की गहन और समयबद्ध जांच कराकर आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करना चाहिए और उसे तुरंत जेल भेजना चाहिए, साथ ही पीड़ित परिवार को सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए

जाट महासभा का मेधावी छात्र-छात्रा अलंकरण समारोह 27 सितंबर को

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का होगा सम्मान, बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत करेंगे समारोह की अध्यक्षता

मुजफ्फरनगर। जाट महासभा उत्तर प्रदेश की ओर से मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान एवं अलंकरण समारोह का आयोजन 27 सितंबर 2026 को परिक्रमा मार्ग स्थित एक निजी कॉलेज में किया जाएगा। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को जाट महासभा के जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान के आवास पर पदाधिकारियों और कार्यकताओं की बैठक हुई।

तैयारियों को लेकर पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान ने की, जबकि संचालन जयवीर सिंह ने किया। बैठक में 27 सितंबर को होने वाले समारोह को सफल बनाने के लिए विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों के स्वागत, मेधावी छात्र-छात्राओं के पंजीकरण, मंच व्यवस्था,

बैठने की व्यवस्था सहित विभिन्न जिम्मेदारियां पदाधिकारियों और कार्यकताओं को सौंपी गईं।

जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान ने कहा कि जाट महासभा की ओर से पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत और उपलब्धियों को प्रोत्साहन देने से उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। जिला अध्यक्ष ने कहा कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज की नई पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना है। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना नहीं, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का माध्यम बनेगा। महासभा की ओर से शिक्षा को लेकर ऐसे आयोजनों को आगे भी जारी रखने पर जोर दिया गया। समारोह की अध्यक्षता बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत करेंगे। डॉ. सुनील तेवतिया और श्रीमती जैस्मिन फौजदार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। इसके अलावा डॉ. राम मोहन, राम तोमर, सुभाष चंद्र, भारत बालियान, राम सिंह कुल्हारी, अमित कुमार और सचिन राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे।

चरथावल रोड पर मंदिर को लेकर विवाद, पुलिस ने रुकवाई तोड़फोड़ की कार्रवाई

स्वामित्व और मंदिर की प्रकृति को लेकर जांच जारी, पुलिस बोली- निजी संपत्ति में मंदिर को दूसरी जगह शिफ्ट करने की बात सामने आई

मुजफ्फरनगर। चरथावल रोड पर ग्राम खंजापुर के पास एक मंदिर को लेकर शुक्रवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया, जब मंदिर से जुड़ी तोड़फोड़ का मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस-प्रशासन में भी हलचल मच गई। सूचना पर थाना कोतवाली नगर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मंदिर से संबंधित तोड़फोड़ की कार्रवाई को रुकवा दिया। पुलिस ने मौके की स्थिति का जायजा लेने के साथ ही पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो से गरमाया मामला

मंदिर को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में स्वामी यशवीर महाराज ने दावा किया कि संबंधित मंदिर एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी द्वारा अपनी जमीन खरीदकर बनवाया गया था। वीडियो में आरोप लगाया गया कि संबंधित संत मंदिर में पूजा-पाठ करते हुए वहीं संन्यास लेकर रह रहे थे। संत के निधन के बाद उनके परिवार के लोगों द्वारा मंदिर की जगह पर कब्जा करने के उद्देश्य से उसे तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

स्वामी यशवीर महाराज की ओर से पुलिस-प्रशासन से मंदिर को तोड़े जाने

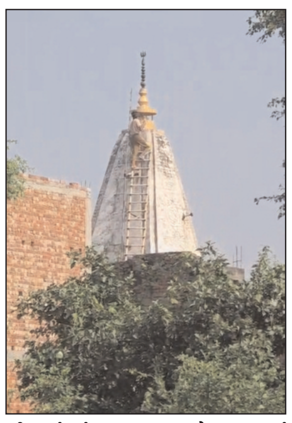

की कार्रवाई तत्काल रुकवाने तथा हटाई गई मूर्तियों को दोबारा स्थापित कराने की मांग की गई। सोशल मीडिया पर मामला प्रसारित होने के बाद स्थानीय स्तर पर भी चर्चाएं तेज हो गईं।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर रुकवाई कार्रवाई मामले की जानकारी मिलते ही थाना कोतवाली नगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां की स्थिति का जायजा लेते हुए मंदिर से संबंधित तोड़फोड़ की कार्रवाई को रुकवा दिया। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद फिलहाल मौके पर किसी प्रकार की तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं होने की बात सामने आई है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद लोगों से भी जानकारी ली और विवाद की वास्तविक स्थिति को समझने का प्रयास किया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर सामने आए दावों और मौके पर मिली स्थिति में अंतर है, इसलिए तथ्यों की जांच की जा रही है।

पुलिस जांच में सामने आई संपत्ति के बंटवारे की बात क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस मकान में मंदिर स्थित है, वह स्वर्गीय सोनपाल शर्मा पुत्र जगदीश शर्मा, निवासी गांधी कॉलोनी, मुजफ्फरनगर की संपत्ति थी। सोनपाल शर्मा का वर्ष 2021 में निधन हो चुका है। पुलिस के मुताबिक, सोनपाल शर्मा की संपत्ति के बंटवारे के दौरान मंदिर वाला हिस्सा उनके सबसे छोटे पुत्र संजीव शर्मा के हिस्से में आया था। पुलिस का कहना है कि संजीव शर्मा मंदिर को दूसरी जगह शिफ्ट करना चाहते थे। इसी बात की जानकारी आसपास के लोगों को हुई तो उन्होंने इसका विरोध शुरू कर दिया।

मंदिर को सार्वजनिक बताने और निजी संपत्ति होने के दावे आमने-सामने

मामले में एक ओर सोशल मीडिया के माध्यम से मंदिर को सार्वजनिक बताते हुए उसे तोड़े जाने का विरोध किया गया, जबकि पुलिस की प्रारंभिक जांच में संपत्ति को शर्मा परिवार की निजी संपत्ति से जुड़ा बताया गया है। यही बिंदु पूरे विवाद का प्रमुख आधार बन गया है। पुलिस के अनुसार, अभी यह स्पष्ट किया जाना बाकी है कि मंदिर की स्थापना किस स्वरूप में हुई थी, उसका धार्मिक उपयोग किस प्रकार होता रहा और संबंधित भूमि एवं भवन के स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज क्या कहते हैं। इन सभी पहलुओं की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

मूर्तियां हटाने के दावे की भी होगी जांच सोशल मीडिया पर मंदिर से मूर्तियां हटाए जाने का दावा भी किया गया है। इस संबंध में भी पुलिस स्तर से जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मूर्तियां वास्तव में हटाई गई हैं या उन्हें किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया गया है। साथ ही मंदिर को दूसरी जगह शिफ्ट किए जाने की प्रक्रिया और उसके पीछे की परिस्थितियों की भी जांच की जा रही है। सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर तोड़फोड़ संबंधी कार्रवाई को रुकवा दिया गया था। फिलहाल मौके पर मंदिर तोड़े जाने जैसी कोई गतिविधि नहीं हो रही है। पुलिस पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और किसी भी स्थिति में कानून-व्यवस्था प्रभावित नहीं होने दी जाएगी।

स्वामित्व के दस्तावेजों से साफ होगी स्थिति मामले में मंदिर की भूमि का वास्तविक स्वामित्व, मंदिर का स्वरूप, संपत्ति के बंटवारे की स्थिति और मूर्तियों को हटाए जाने से जुड़े दावों की जांच महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस द्वारा उपलब्ध दस्तावेजों और संबंधित पक्षों के बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल पुलिस के हस्तक्षेप के बाद मौके पर स्थिति नियंत्रण में है। मंदिर को लेकर सोशल मीडिया पर किए जा रहे दावों और पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आए तथ्यों के बीच अंतर को देखते हुए प्रशासन की जांच के बाद ही पूरे विवाद की वास्तविक तस्वीर साफ हो सकेगी। सीओ सिटी सिद्धार्थ के. मिश्रा ने बताया कि पुलिस सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची थी और मंदिर से संबंधित तोड़फोड़ की कार्रवाई रुकवा दी गई। प्रारंभिक जांच में मामला शर्मा परिवार की निजी संपत्ति से जुड़ा सामने आया है। मंदिर को दूसरी जगह शिफ्ट करने की बात कही गई थी, जिसका आसपास के लोगों ने विरोध किया। मामले की जांच की जा रही है और फिलहाल मौके पर तोड़फोड़ जैसी कोई गतिविधि नहीं हो रही है।

विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ वीरपाल निर्वाल

भोपा। जनता इंटर कॉलेज भोपा में विकसित भारत विजन -2047 मेरे सपनों का भारत कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें चित्रकला व भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

शुक्रवार को मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि जिला पंचायत प्रशासक डॉ वीरपाल निर्वाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। युवा पीढ़ी भारत के भावी भविष्य की रीढ़ है। इससे पहले मुख्य अतिथि डॉ वीरपाल निर्वाल,इंटर कॉलेज भोकरहेडी प्रधानाचार्य कैप्टन डॉ प्रवीण चौधरी, आरएसएस सह प्रान्त कार्यवाह सेवादास, भाजपा किसान मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी,ग्राम प्रधान भोपा तरूण कुमार, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय कोरी ने शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याण देव महाराज व पूर्व प्रधानमंत्री चौ चरण सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। प्रधानाचार्य संजय कुमार द्वारा अतिथियों का पटका पहनाकर व माल्यार्पण कर स्वागत

किया। अतिथियों ने आरोग्यम वाटिका में औषधीय पौधे वृक्षारोपित किए। फ्लैग एरिया में एनसीसी कैडेट्स ने स्किल इंडिया विजन पर ब्रीफिंग व गार्ड ऑफ ऑनर दिया। स्काउट एवं गाइड स्वयं सेवकों ने बैंड बाजे की मधुर धुन पर देश भक्ति से ओत-प्रोत समूहगान की शानदार प्रस्तुति दी। किसान मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने होनहार मेधावी छात्रा कु लविपाल को 3100 रुपए नकद देकर उत्साह वर्धन किया।छात्राओं कु शाजिया,कु विधि राठी,कु कोमल ने विकसित भारत- 2047 मेरे सपनों का भारत विजन को चित्रकला के माध्यम से अपनी तुलिकाओं द्वारा उकेरा। अंशप्रीत,कु अनुष्का ने देश व प्रदेश में हो रहे विकास, डिजिटल क्रांति,साइबर सुरक्षा,आधुनिक संचार तकनीक पर भाषण द्वारा प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और विकास के चहुंमुखी विकास में योगदान देने का आग्रह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेजर अरविंद कुमार व संचालन चीफ प्रॉक्टर संजीव राठी ने किया।इस अवसर पर कुश चौधरी, कैप्टन रमन सिंह, संजीव पुण्डीर, अश्विनी कुमार शीतल, भीष्म कुमार,अनुज कुमार,सुचित्रा, रीमा,महनाज खान, सुनीता वर्मा, चांदबीर सिंह, दीनदयाल, लोकेन्द्र कुमार, अंकुर कुमार सहित समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

शुकतीर्थ में गूंजा बप्पा मोरया:, अनंत चतुर्दशी पर हुआ गणेश विसर्जन, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

गंगा तट पर श्रद्धालुओं ने पूर्ण विधि-विधान से की प्रथम पूज्य गणेश जी की पूजा-अर्चना

मोरना (मुजफ्फरनगर)। तीर्थनगरी शुकतीर्थ में शुक्रवार को अनंत चतुर्दशी का पर्व अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों के साथ भगवान गणेश की प्रतिमाओं को लेकर गंगा घाट पहुंचे। तट पर श्रद्धालुओं ने पूर्ण विधि-विधान से प्रथम पूज्य गणेश जी की पूजा-अर्चना की, आरती उतारी और 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के गगनभेदी जयघोष के साथ प्रतिमाओं को गंगा की पावन धाराओं में विसर्जित किया।

गुलाल और भजनों की धुन पर थिरके श्रद्धालु

विसर्जन यात्रा के दौरान संपूर्ण घाट परिसर भक्तिमय रंग में रंगा नजर आया। श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को रंग-बिरंगा अबीर-गुलाल लगाया और गणेश भजनों की धुन पर जमकर नृत्य किया। सुबह से ही

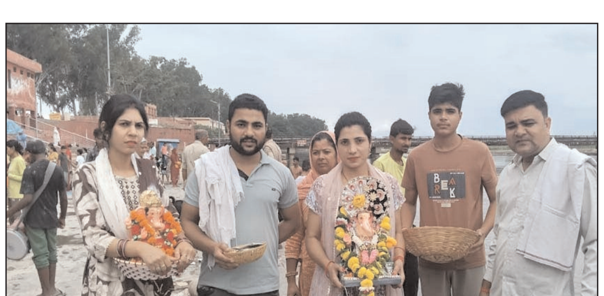

छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाओं के साथ श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो देर शाम तक अनवरत जारी रहा। कई श्रद्धालुओं ने नावों के जरिए गंगा के बीच गहरे पानी में जाकर प्रतिमाओं का विसर्जन किया।

जल में पीएसी की मोटरबोट

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए गंगा घाट पर सुरक्षा के व्यापक और कड़े इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन और पीएसी बल के जवान लगातार मुस्तैद रहे। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पीएसी के जवान मोटरबोट के साथ जल में गश्त करते रहे। प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं को गहरे पानी में न जाने की सख्त चेतावनी दी गई, वहीं नाव व मोटरबोट पर सवार होने वालों के लिए लाइफ जैकेट पहनना अनिवार्य किया गया।

अधिकारियों ने लिया जायजा, संतों का लिया आशीर्वाद

सुरक्षा व्यवस्था की कमान खुद क्षेत्राधिकारी राधा रमण सिंह ने संभाली। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुख्ता प्रबंध किए गए थे और पुलिस बल लगातार निगरानी बनाए हुए था। श्रद्धालुओं से भी सुरक्षित तरीके से स्नान व विसर्जन करने की अपील की गई। विसर्जन के उपरांत श्रद्धालुओं ने शुकदेव आश्रम, गणेश धाम, हनुमद्धाम, दंडी आश्रम, सच्चा प्रकाश आश्रम तथा तिलकधारी आश्रम पहुंचकर प्रमुख साधु-संतों के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

सुविधाओं की बदहाली पर श्रद्धालुओं ने जताई नाराजगी

एक तरफ जहां धार्मिक उल्लास छाया रहा, वहीं दूसरी ओर श्रद्धालुओं ने व्यवस्थाओं पर सवाल भी उठाए। गंगा घाट पर फैली गंदगी और महिलाओं के लिए बनी वस्त्र परिवर्तनशालाओं (चेंजिंग रूम्स) की दयनीय स्थिति को लेकर श्रद्धालुओं में असंतोष देखा गया। श्रद्धालुओं ने मांग की कि बड़े पर्वों पर भारी जनसैलाब को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को स्वच्छता और मूलभूत नागरिक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

यूपी ग्रामीण बैंक में निकला 8.56 करोड़ का गबन, तत्कालीन शाखा प्रबंधक समेत चार पर मुकदमा दर्ज

बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक की ओर से बुढ़ाना थाने में दर्ज कराई गई रिपोर्ट, बढ़ सकती है गबन की रकम

बुढ़ाना। बुढ़ाना के यूपी ग्रामीण बैंक शाखा की जांच में बड़े पैमाने पर गबन का खुलासा हुआ है। तत्कालीन शाखा प्रबंधक समेत चार कर्मचारियों ने मिली भगत कर लगभग 8.56 करोड रुपये का गबन किया है। यह रकम उपभोक्ताओं की बिना स्वीकृति के उनके खातों से निकाली और दूसरे खातों में भेजी गई है। जांच में वृहद स्तर पर संदिग्ध लेनदेन भी सामने आया है। शाखा के क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ प्रबंधक की ओर से तत्कालीन शाखा प्रबंधक समेत चार बैंक कर्मियों के विरुद्ध बुढ़ाना थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

बुढ़ाना थाने में बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के वरिष्ठ प्रबंधक नवदीप सिंह ने दर्ज कराए मुकदमे बताया कि 18 सितंबर को समीक्षा के दौरान बुढ़ाना शाखा में गड़बड़ी की जानकरी हुई। अगले दिन 19 सितंबर से विस्तृत जांच आरंभ की गई। जांच में सामने आया कि मूलरूप से बागपत के गांव दाहा व हाल पता ए-902 आफिसर सिटी-2 राजनगर एक्सटेंशन, गाजियाबाद निवासी

तत्कालीन शाखा प्रबंधक रूपक राणा पुत्र बिजेंद्र राणा, सहायक प्रबंधक नेहा दिलवालिया पुत्री चरण सिंह निवासी ब्रह्मपुत्री एनक्लेव, सिद्धार्थ विहार, गाजियाबाद, सहायक प्रबंधक विकास कुमार पुत्र शीशराम निवासी सराय नजर अली, गाजियाबाद तथा आफिस असिस्टेंट गौरव अग्रवाल पुत्र अरुण कुमार निवासी बचन सिंह कालोनी, नई मंडी, मुजफ्फरनगर ने मिलकर उपभोक्ताओं के खातों से रकम निकाली है। उन्होंने उपभोक्ताओं के खातों से रकम निकाल कर दूसरे खातों में भेजा है। ग्राहक खातों से धनराशि के संभावित अनधिकृत हस्तांतरण एवं डायवर्जन किया गया। जांच के दौरान ग्राहक खातों के लेन-देन, अभिलेखों, वाउचर, ग्राहक मैंडेट, प्राधिकरण, सिस्टम में दर्ज प्रविष्टियों, आडिट ट्रेल से भी छेड़छाड़ की गई है। ऐसे कई संदिग्ध लेन-देन सामने आए, जिनमें ग्राहक खातों से धनराशि को वैध ग्राहक मैंडेट अथवा प्राधिकरण के बिना तृतीय-पक्ष खातों में रकम डायवर्ट की गई है। प्राथमिक जांच में गबन की राशि फिलहाल लगभग आठ करोड़ 56 लाख 11 हजार तीन सौ से अधिक पाई गई है। हालांकि अभी जांच जारी है। वरिष्ठ शाखा प्रबंधक ने मूल ग्राहक खातों से लेकर मध्यवर्ती, तृतीय-पक्ष खातों तथा अंतिम लाभार्थी खातों तक संपूर्ण मनी ट्रेल का पता लगाने के लिए जांच की मांग की है। ऐसे में आशंका है कि गबन की रकम ओर अधिक बढ़ सकती है, जबकि इस पूरे सिंडिकेट में बैंक कर्मचारियों के अलावा दूसरे लोग भी शामिल हो सकते हैं। बताया गया है कि यूपी ग्रामीण बैंक शाखा देशभर से रकम का लेनदेन करने के अलावा विदेश तक में भी रकम भेज सकती है।

इसके चलते आशंका है कि आरोपितों ने मिलकर विदेश में भी किसी शाखा में रुपये ट्रांसफर तो नहीं किए हैं। इसकी गहनता से जांच की जा रही है। चारों के विरुद्ध विश्वासघात, गबन समेत धोखाधड़ी की धारा में मुकदमा दर्ज कराया गया है। इंस्पेक्टर बुढ़ाना सुभाष अत्री ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपियो की गिरफ्तारी की जाएगी।

खतौली के जैन मंदिरों में सम्पन्न हुआ दशलक्षण महापर्व: अंतिम दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना

श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में समर्पित किया निर्वाण लड्डू, जीवन में संयम, त्याग और तप अपनाने का लिया संकल्प

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर के विभिन्न जैन मंदिरों में भक्ति और उल्लास के साथ आयोजित किया जा रहा दस दिवसीय दशलक्षण महापर्व शुक्रवार को श्रद्धा एवं धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हो गया। पर्व के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके साथ ही भगवान वासुपूज्य स्वामी का मोक्ष कल्याणक भी अत्यंत भक्ति भाव और उत्साह के साथ मनाया गया।

भगवान वासुपूज्य के चरणों में चढ़ाया निर्वाण लड्डू

उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना के साथ-साथ श्रद्धालुओं ने 12वें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य स्वामी के मोक्ष कल्याणक अवसर पर विशेष पूजा की। जैन धर्मावलंबियों ने भगवान के चरणों में निर्वाण लड्डू समर्पित कर उनके बताए मोक्ष मार्ग का स्मरण किया। इस दौरान उपस्थित जनसमुदाय ने अपने दैनिक जीवन में संयम, त्याग, तप और ब्रह्मचर्य जैसे महान गुणों को धारण करने का संकल्प लिया। इससे पूर्व महापर्व के अंतिम दिन तड़के से ही नगर के जैन

मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था। श्रद्धालुओं ने पूर्ण भक्ति भाव के साथ जिनेंद्र प्रभु का जलाभिषेक, शांतिधारा और विशेष पूजन-अर्चन किया। मंत्रोच्चार और भक्ति भजनों के बीच पूरा मंदिर परिसर 'जय जिनेंद्र' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

दशलक्षण पर्व आत्मशुद्धि और आत्मचिंतन का महापर्व

आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि दशलक्षण पर्व केवल दस दिनों का धार्मिक उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह आत्मा को पवित्र करने और आत्मचिंतन करने का पर्व है। उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म हमें अपनी चंचल इंद्रियों और मन पर नियंत्रण रखकर आत्म-साधना की ओर बढ़ने की राह दिखाता है। यदि मनुष्य इन दस धर्मों को केवल पूजा-पाठ तक सीमित न रखकर अपने आचरण में उतारे, तो जीवन अत्यंत शांत, संयमित और सार्थक बन सकता है। दस दिनों तक चले इस महापर्व के दौरान मंदिरों में प्रतिदिन अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजन, स्वाध्याय और धार्मिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। समापन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं ने विश्व शांति, सुख और सामाजिक सद्भाव की मंगल कामना की। इस अवसर पर सुनील जैन, संदीप जैन (सोनू), मुकेश जैन, बंटी जैन, अंकित जैन, अर्पित जैन, सुरेश, सुनील जैन, मुकेश जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष व युवा श्रद्धालु उपस्थित रहे।

81 लाख रुपये लेकर प्लॉट बेचने का सौदा, न बैनामा कराया न रकम लौटाई

हरियाणा के तीन लोगों ने अदालत में दी अर्जी, पुरकाजी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर चार नामजदों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया, खुद को जमीन मालिक का प्रतिनिधि बताकर रकम लेने और फर्जी दस्तावेज दिखाने का आरोप

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव सुवाहेड़ी में प्लॉट बेचने के नाम पर हरियाणा के तीन लोगों से 81 लाख रुपये लेने और बाद में बैनामा न कराने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जमीन बेचने का अधिकार होने का दावा करते हुए तीन लोगों ने प्लॉटों का सौदा कराया और अलग-अलग माध्यमों से लाखों रुपये हासिल कर लिए। बाद में प्लॉट की वास्तविक स्थिति सौदे में बताई गई जानकारी से अलग मिलने पर खरीदारों ने बैनामा कराने अथवा रकम वापस करने की मांग की तो कथित तौर पर उन्हें धमकी दी गई। मामले में न्यायालय के आदेश पर पुरकाजी पुलिस ने चार नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तीन प्लॉटों का कराया गया था सौदा

न्यायालय में दाखिल प्रार्थना पत्र के अनुसार हरियाणा के सोनीपत निवासी रोहताश, रोहतक निवासी सुखराज और सोनीपत निवासी मुकेश ने गांव सुवाहेड़ी परगना पुरछपार में खसरा संख्या 78म में स्थित प्लॉटों का सौदा किया था। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि मार्च 2025 में राहत अली, अली और रफत पुत्रगण फरहत हुसैन निवासी मलानपुर, मंगलौर, हरिद्वार ने उन्हें बताया कि उक्त जमीन के मालिक दीपक गोयल से प्लॉटों को लेकर उनका सौदा हो चुका है और वहां आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही है। तीनों ने खुद को जमीन मालिक का प्रतिनिधि बताते हुए प्लॉट बेचने का अधिकार होने की बात कही।

20 हजार रुपये वर्ग मीटर के हिसाब से तय हुआ सौदा

आरोप है कि इन लोगों की बात पर विश्वास करते हुए तीनों प्रार्थियों ने करीब 20 हजार रुपये प्रति वर्ग के हिसाब से प्लॉट खरीदने का सौदा किया। इसके बाद छह फरवरी 2025 को तहसील मुजफ्फरनगर में तीन अलग-अलग इकरारनामे कराए गए। इनमें रोहताश के प्लॉट की कीमत 34.31 लाख रुपये दशार्ते हुए 3.44 लाख रुपये बयाना प्राप्त करना दशार्या गया था। वहीं सुखराज के प्लॉट की कीमत 34.44 लाख रुपये और मुकेश के प्लॉट की कीमत 21.31 लाख रुपये दर्शाई गई।

चेक, ऑनलाइन और नकद के जरिए ली रकम

प्रार्थना पत्र में दावा किया गया है कि तीनों प्लॉटों के संबंध में अलग-अलग रकम ली गई। रोहताश से करीब 35 लाख रुपये, सुखराज से 25 लाख रुपये और मुकेश से 21 लाख रुपये प्राप्त किए गए। इस तरह कुल 81 लाख रुपये लेने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि रकम का कुछ हिस्सा चेक और ऑनलाइन माध्यम से तथा बड़ी रकम नकद ली गई। इसके अलावा तीनों प्लॉटों पर 35 लाख रुपये का मुनाफा भी बकाया बताया गया है।

मौके पर सड़क की चौड़ाई भी निकली कम

इकरारनामे होने के बाद खरीदारों को प्लॉट की वास्तविक स्थिति की जानकारी हुई तो उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें प्लॉट 25 फुट चौड़ी सड़क पर स्थित बताया गया था, जबकि मौके पर सड़क की चौड़ाई करीब 20 फुट मिली। इसके अलावा प्लॉटों को वेलकम कॉलोनी फेस-1 में स्थित बताया गया था, जबकि मौके की स्थिति को लेकर भी प्रार्थियों ने सवाल उठाए।

कॉलोनी की स्वीकृति और शर्तों को लेकर भी उठाए सवाल

प्रार्थना पत्र में कहा गया है कि संबंधित कॉलोनी को प्रशासन की ओर से 10 सितंबर 2025 के आदेश के तहत कुछ शर्तों के साथ स्वीकृति दी गई थी। आरोप है कि कॉलोनी विकसित करने वालों द्वारा स्वीकृति में निर्धारित शर्तों और सुविधाओं का पालन नहीं किया गया। प्रार्थियों ने इसे भी उनके साथ धोखाधड़ी का आधार बताया है। प्रार्थियों का कहना है कि वे इकरारनामे में तय शर्तों के अनुसार प्लॉटों का बैनामा कराने और शेष रकम अदा करने के लिए तैयार थे। आरोप है कि 10 मई 2026 तक बैनामा नहीं कराया गया। जब उन्होंने बैनामा कराने अथवा अपनी रकम वापस करने की मांग की तो आरोपियों ने कथित तौर पर मारपीट और जान से मारने की धमकी दी।

एसएसपी और थाने में शिकायत के बाद अदालत पहुंचे

प्रार्थना पत्र के मुताबिक पूरे मामले को लेकर प्रार्थियों ने 22 मई 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर और थाना पुरकाजी पुलिस को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से शिकायत भेजी थी। आरोप है कि शिकायत के बावजूद पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। इसके बाद तीनों ने न्यायालय की शरण ली और आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। न्यायालय में प्रस्तुत प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद थाना पुरकाजी पुलिस ने दीपक गोयल निवासी रामनाथ कॉलोनी, रामपुर तथा राहत अली, अली और रफत पुत्रगण फरहत हुसैन निवासी मलानपुर, मंगलौर, हरिद्वार के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

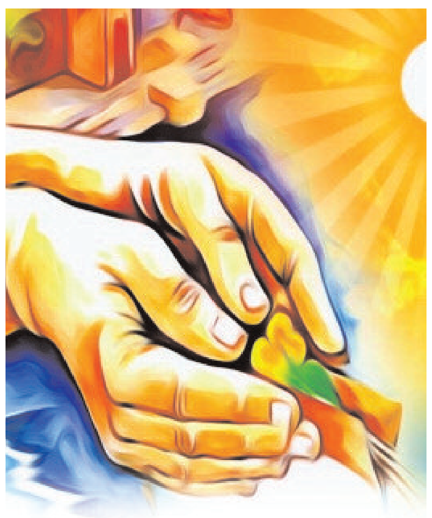

पितरों की आत्मा की शांति के लिए करें मात्र एक ही उपाय

आश्विन माह के प्रथम दिवस 26 सितंबर से श्राद्धपक्ष शुरू होने जा रहा है। इस दिन पितरों की शांति के लिए तर्पण और पिंडदान के अलावा कई तरह के अनुष्ठान किए जाते हैं। आओ जानते हैं कि कौन सा एकमात्र उपाय करने से पितरों को मिलेगी शंति और पितृदोष होगा दूर।

पितृ शांति के लिए उपाय

- नियमित रूप से 16 दिन तक गौ माता को घी मिली आटे की लोइयां बनाकर खिलाएं और उनकी पूजा और सेवा करें। हो सके तो हरा चारा खिलाएं।
- यदि उपरोक्त कार्य नहीं कर सकते हो तो श्राद्ध पक्ष में जब भी मंगलवार आए तो उस दिन हनुमान मंदिर जाकर के बजरंगबली को चोला चढ़ाएं और उनसे पितरों की मुक्ति एवं शांति की कामना करें।
- पंचबली कर्म – इसके अलावा आप चाहें तो पंचबलि कर्म भी कर सकते हो। किस भी श्राद्ध तिथि में पंचबलि कर्म अर्थात गाय, कौवे, कुत्ते, चींटी और देवताओं को अन्न जल अर्पित करना चाहिए। ब्राह्मण भोज कराना चाहिए।

शुभ मुहूर्त

श्राद्धपक्ष में यदि आप पितरों के निमित्त, तर्पण, पिंडदान, पूजा आदि अनुष्ठान कर रहे हैं तो शास्त्रों के अनुसार कुतुप काल मुहूर्त में यह कर्म करें। शास्त्रों के अनुसार कुतुप, रोहिणी, मध्याह्न और अभिजीत काल में श्राद्ध करना चाहिए। यही श्राद्ध करने का सही समय है।

क्या है कुतुप काल

कुतुप काल दिन के 11.30 बजे से 12.30 के मध्य का समय होता है। वैसे कुतुप बेला दिन का आठवां मुहुर्त होता है। पाप का शमन करने के कारण इसे कुतुप कहा गया है।

इन 5 स्थानों पर रखें श्राद्ध का आहार

'श्राद्ध' शब्द 'श्रद्धा' से बना है यानी अपने पूर्वजों के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करना। श्राद्ध न करने वाले दलील देते हैं कि जो मर गया है उसके निमित्त कुछ करने का औचित्य नहीं है। यह ठीक नहीं है, क्योंकि संकल्प से किए गए कर्म जीव चाहे जिस योनि में हो, उस तक पहुंचता है तथा वह तृप्त होता है। यहां तक कि ब्रह्मा से लेकर घास तक तृप्त होते हैं। श्राद्ध करने का अधिकार सर्वप्रथम पुत्र को है तथा क्रमश: पुत्र, पौत्र, प्रपौत्र, दौहित्र, पत्नी, भाई, भतीजा, पिता, माता, पुत्रवधू, बहन, भानजा तथा सगौत्री कहे गए हैं। इनमें ज्यादा या सभी करें तो भी फल प्राप्ति सभी को होती है।

श्राद्ध में ब्राह्मण भोजन तथा पंचबलि कर्म किया जाता है। पंचबलि में गाय, कुत्ता और कौवा के साथ 5 स्थानों पर भोजन रखा जाता है। वे हैं-

प्रथम गौ बलि- घर से पश्चिम दिशा में गाय को महुआ या पलाश के पत्तों पर गाय को भोजन कराया जाता है तथा गाय को 'गौभ्यो नम:' कहकर प्रणाम किया जाता है। गौ देशी होना चाहिए।

द्वितीय श्वान बलि- पत्ते पर भोजन रखकर कुत्ते को भोजन कराया जाता है।

तृतीय काक बलि- कौओं को छत पर या भूमि पर रखकर उनको बुलाया जाता है जिससे वे भोजन करें।

चतुर्थ देवादि बलि- पत्तों पर देवताओं को बलि घर में दी जाती है। बाद में वह उठाकर घर से बाहर रख दी जाती है।

पंचम पिपलिकादि बलि- चींटी, कीड़े-मकौड़ों आदि के लिए जहां उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है।

श्राद्ध करने का आदर्श समय : मध्याह्न 1130 से 1230 तक है जिसे 'कुतप बेला' कहा जाता है। इसका बड़ा महत्व है।

पितृपक्ष दौरान जप तप और पितरों के नाम से तर्पण से प्रसन्न होते हैं पितर

सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष एक महत्वपूर्ण अवधि मानी जाती है। पितरों के प्रसन्न होने पर जीवन में सुख-समृद्धि आती है लेकिन इसके विपरीत पितरों के नाराज होने पर व्यक्ति को कई तरह की समस्याएं घेर लेती हैं। ऐसे में जानते हैं कि पितृ दोष होने पर व्यक्ति को क्या संकेत मिलते हैं और इससे किस प्रकार मुक्ति पाई जा सकती है।

भाद्रपद शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से पितृपक्ष की शुरुआत मानी जाती है, वहीं इसका समापन आश्विन माह की अमावस्या तिथि पर होता है। साल 2026 में पूर्णिमा का श्राद्ध (भाद्रपद पूर्णिमा श्राद्ध) 26 सितंबर शनिवार, 2026 को रखा जाएगा। इसी दिन से साल 2026 के पितृ पक्ष की औपचारिक शुरुआत होगी।

मिलते हैं ये संकेत

यदि आपके घर में पितृ दोष लग गया है तो व्यक्ति को कड़ी मेहनत के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती। पितृ दोष होने के कारण व्यक्ति की तरक्की भी रुक जाती है। साथ ही कारोबार में भी नुकसान होने लगता है। इतना ही नहीं एक के बाद एक दुर्घटनाएं होने लगती हैं। यह सभी संकेत पितृ दोष होने की तरफ इशारा करते हैं।

ऐसे पाएं मुक्ति

पितृदोष से मुक्ति के लिए पितृपक्ष की अवधि को सबसे उत्तम माना गया है। ऐसे में आपको पितृ दोष से मुक्ति के लिए पितृ पक्ष में उनका तर्पण, पिंडदान, और श्राद्ध कर्म जरूर करने चाहिए। इसके साथ ही पितरों के निमित्त भोजन और जल निकालें व पितरों का आह्वान कर, उन्हें ये सभी सामग्री अर्पित कर दें। इससे पितरों की नाराजगी दूर हो सकती है।

पितृ होंगे प्रसन्न

पितृ पक्ष में पीपल के पेड़ की पूजा जरूर करनी चाहिए। मान्यताओं के अनुसार, पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में पितृपक्ष के दौरान सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। इसके बाद पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें और सात बार परिक्रमा करें। साथ ही वृक्ष के नीचे काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाएं और पितरों का स्मरण करें। इस उपाय से पितृ प्रसन्न होते हैं।

इस दिशा में जलाएं दीपक

पितृपक्ष के दौरान आपको पितरों के नाम का दीया जरूर जलाना चाहिए। पौराणिक मान्यता के अनुसार, दक्षिण दिशा पितरों की दिशा मानी जाती है। ऐसे में पितृपक्ष में रोजाना इस दिशा में पितरों के नाम का दीपक जरूर जलाएं। साथ ही पितृ दोष से मुक्ति के लिए जल में काले तिल डालकर दक्षिण दिशा की ओर अर्घ्य देना चाहिए।

16 दिनों में न भूलें ये बातें, पितरों का करें सम्मान

श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त घर में क्या कर्म करना चाहिए। यह जिज्ञासा सहजतावश अनेक व्यक्तियों में रहती है। यदि हम किसी भी तीर्थ स्थान, किसी भी पवित्र नदी, किसी भी पवित्र संगम पर नहीं जा पा रहे हैं तो निम्नांकित सरल एवं संक्षिप्त कर्म घर पर ही अवश्य कर लें :

- प्रतिदिन खीर (अर्थात दूध में पकाए हुए चावल में शक्कर एवं सुगंधित द्रव्य जैसे इलायची, केसर मिलाकर तैयार की गई सामग्री को खीर कहते हैं) बनाकर तैयार कर लें।
- गाय के गोबर के कंडे को जलाकर पूर्ण प्रज्वलित कर लें।
- उक्त प्रज्वलित कंडे को शुद्ध स्थान में किसी बर्तन में रखकर, खीर से तीन आहुति दे दें।
- इसके नजदीक (पास में ही) जल का भरा हुआ एक गिलास रख दें अथवा लोटा रख दें।
- इस द्रव्य को अगले दिन किसी वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- भोजन में से सर्वप्रथम गाय, काले कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालकर उन्हें खिला दें। इसके पश्चात ब्राह्मण को भोजन कराएं फिर स्वयं भोजन ग्रहण करें। पश्चात ब्राह्मणों को यथायोग्य दक्षिणा दें।

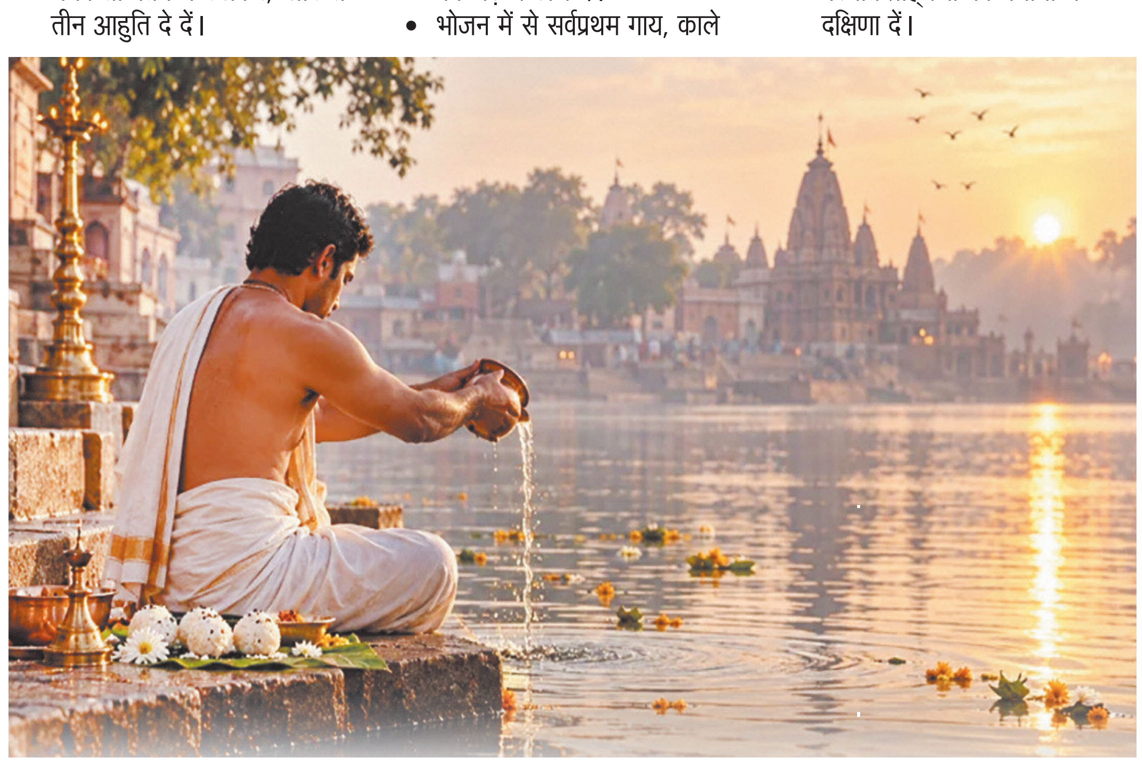

क्या हैं श्राद्धकर्ता व श्राद्धभोक्ता के लिए शास्त्र के निर्देश

श्राद्ध पक्ष में सभी सनातनधर्मी अपने पितरों के निमित्त श्राद्धकर्म करते हैं। सनातन धर्म के सभी अनुयायियों को अपने पितरों के निमित्त श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। श्राद्ध के दो मुख्य अंग हैं- 1. पिण्डान 2. ब्राह्मण भोजन। हमारे शास्त्रों में श्राद्ध करने वाले (श्राद्धकर्ता) और श्राद्ध में भोजन करने वाले ब्राह्मण (श्राद्धभोक्ता) के लिए कुछ नियम निर्धारित किए हैं। आइए जानते हैं क्या हैं वे नियम-

श्राद्धकर्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धकर्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- पूर्णरूपेण सात्विक मनोदशा रखें।
- पान इत्यादि भक्षण ना करें।
- तेल मालिश, दाढ़ी, केशकर्तन इत्यादि ना कराए।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- किसी दूसरे के घर अथवा बाहर भोजन ना करें।

श्राद्धभोक्ता के लिए नियम

शास्त्रानुसार श्राद्धभोक्ता को श्राद्ध वाले दिन निम्न नियमों का पालन आवश्यक रूप से करना ही चाहिए-

- श्राद्धभोज करने के उपरांत उसी दिन दूसरे घर में दोबारा श्राद्धभोजन ना करें।
- लम्बी यात्रा ना करें।
- श्राद्धभोज वाले दिन दान ना दें।
- स्त्री के साथ सहवास ना करें।
- भोजन करते समय मौन रहकर भोजन करें।

श्राद्ध किस जगह करें और किस जगह नहीं करें

भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन माह की अमावस्य तक श्राद्ध पक्ष चलता है जिसे पितृपक्ष भी कहते हैं। यदि आप इस दौरान अपने पितरों का श्राद्ध, तर्पण या पिंडदान करने जा रहे हैं तो यह भी जान लें कि शास्त्रों के अनुसार किस जगह श्राद्ध करना चाहिए और किस जगह पर नहीं। यदि अनुचित जगह पर श्राद्ध किया तो उसका फल नहीं मिलता है।

पितृपक्ष में कहां श्राद्ध करना चाहिए?

- **घर पर** : श्राद्ध आप अपने घर में भी कर सकते हैं। दक्षिण में मुख करके श्राद्ध किया जाता है।
- **तट पर** : किसी पवित्र नदी, नदी संगम, समुद्र में गिरने वाली नदियों के तट पर उचित समय में विधि-विधान से श्राद्ध किया जा सकता है।
- **बरगद के नीचे** : पवित्र वट-वृक्ष के नीचे भी श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।
- **तीर्थ क्षेत्र** : शास्त्रों में उल्लेखित किसी तीर्थ क्षेत्र में भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **समुद्र तट पर** : समुद्र के तट पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **गोशाला** : जहां बैल न हों ऐसी गौशाला में भी उचित स्थान को गोबर से लिपकर शुद्ध करके श्राद्ध किया जा सकता है।
- **पर्वत पर** : पवित्र पर्वत शिखर पर भी श्राद्ध किया जा सकता है।
- **जंगल में** : वनों में उचित स्थान, स्वच्छ और मनोहर भूमि पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध किया जा सकता है।

पितृपक्ष में कहां पर श्राद्ध नहीं करना चाहिए?

- **दूसरों की भूमि पर** : किसी की पर्सनल भूमि पर श्राद्ध नहीं करते हैं। भूमि सार्वजनिक होना चाहिए। अगर दूसरे के गृह या भूमि पर श्राद्ध करना पड़े तो किराया या दक्षिणा भूस्वामी को दे देना चाहिए।
- **अपवित्र भूमि** : किसी भी प्रकार से अपवित्र हो रही भूमि पर भी श्राद्ध नहीं करते हैं।
- **शमशान में** : किसी ऐसे शमशान में श्राद्ध नहीं कर सकते हैं जिसे तीर्थ नहीं माना जाता।
- **देव स्थान पर** : किसी मंदिर के अंदर या देवस्थान पर भी श्राद्ध कर्म नहीं करना चाहिए। इसके लिए पंडित से सलाह लें।

देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान रखता है प्राचीन शहर गया

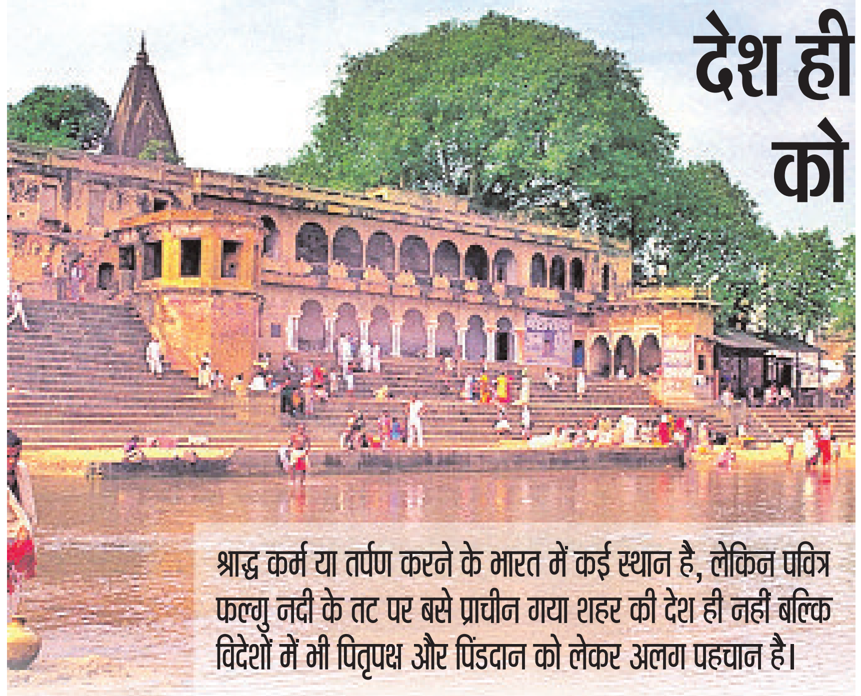

श्राद्ध कर्म या तर्पण करने के भारत में कई स्थान है, लेकिन पवित्र फल्गु नदी के तट पर बसे प्राचीन गया शहर की देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी पितृपक्ष और पिंडदान को लेकर अलग पहचान है।

पुराणों के अनुसार पितरों के लिए खास आश्विन माह के कृष्ण पक्ष या पितृपक्ष में मोक्षधाम गयाजी आकर पिंडदान एवं तर्पण करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और माता-पिता समेत सात पीढ़ियों का उद्धार होता है।

पितृ की श्रेणी में मृत पूर्वजों, माता, पिता, दादा, दादी, नाना, नानीसहित सभी पूर्वज शामिल होते हैं। व्यापक दृष्टि से मृत गुरू और आचार्य भी पितृ की श्रेणी में आते हैं। कहा जाता है कि गया में पहले विभिन्न नामों के 360 वेदियां थीं जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची है। यहां की वेदियों में विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी के किनारे और अक्षयवट पर पिंडदान करना जरूरी माना जाता है। इसके अतिरिक्त वैतरणी, प्रेतशिला, सीताकुंड, नागकुंड, पांडुशिला, रामशिला, मंगलागौरी, कागबलि आदि भी पिंडदान के लिए प्रमुख है। यही कारण है कि देश में श्राद्ध के लिए 55 स्थानों को महत्वपूर्ण माना गया है जिसमें बिहार के गया का स्थान सर्वोपरि है।

- गयासुर नामक असुर ने कठिन तपस्या कर ब्रह्माजी से वरदान मांगा था कि उसका शरीर देवताओं की तरह पवित्र हो जाए और लोग उसके दर्शन मात्र से पापमुक्त हो जाएं। इस वरदान के चलते लोग भयमुक्त होकर पाप करने लगे और गयासुर के दर्शन करके फिर से पापमुक्त हो जाते थे। इससे बचने के लिए यज्ञ करने के लिए देवताओं ने गयासुर से पवित्र स्थान की मांग की। गयासुर ने अपना शरीर देवताओं को यज्ञ के लिए दे दिया। जब गयासुर लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस जगह आगे चलकर गया बना।
- देह दान देने के बाद गयासुर के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा नहीं गई और फिर उसने देवताओं से वरदान मांगा कि यह स्थान लोगों को तारने वाला बना रहे। तब से ही यह स्थान मृतकों के लिए श्राद्ध कर्म कर मुक्ति का स्थान बन गया।
- कहते हैं कि गया वह आता है जिसे अपने पितरों को मुक्त करना होता है। लोग यहां अपने पितरों या मृतकों की आत्मा को हमेशा के लिए छोड़कर चले जाता है। मतलब यह कि प्रथा के अनुसार सबसे पहले किसी भी मृतक तो तीसरे वर्ष श्राद्ध में लिया जाता है और फिर बाद में उसे हमेशा के लिए जब गया छोड़ दिया जाता है तो फिर उसके नाम का श्राद्ध नहीं किया जाता है। कहते हैं कि गया में श्राद्ध करने के उपरांत अंतिम श्राद्ध बदरीका क्षेत्र के 'ब्रह्मकपाली' में किया जाता है।
- गया क्षेत्र में भगवान विष्णु पितृदेवता के रूप में विराजमान रहते हैं। भगवान विष्णु मुक्ति देने के लिए 'गदाधर' के रूप में गया में स्थित हैं। गयासुर के विशुद्ध देह में ब्रह्मा, जनार्दन, शिव तथा प्रपितामह स्थित हैं। अत: पिंडदान के लिए गया सबसे उत्तम स्थान है।
- पुराणों अनुसार ब्रह्मज्ञान, गयाश्राद्ध, गोशाला में मृत्यु तथा कुरुक्षेत्र में निवास- ये चारों मुक्ति के साधन हैं- गया में श्राद्ध करने से ब्रह्महत्या, सुरापान, स्वर्ण की चोरी, गुरुपत्नीगमन और उक्त संसर्ग-जनित सभी महापातक नष्ट हो जाते हैं।

डिफेंस कॉरिडोर, बेहतर कानून-व्यवस्था, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर से उत्तर प्रदेश बना उद्योग एवं निवेश का प्रमुख केंद्र : अमित शाह

ट्रेडिशन, टेक्नोलॉजी, हेरिटेज, इनोवेशन तथा हुनर और मार्केट को एक मंच पर ला रहा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो : योगी आदित्यनाथ

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, व्यावसायिक एवं निर्यात क्षमता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चतुर्थ संस्करण का शुक्रवार को विधिवत् शुभारंभ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति रही। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश आज निवेश, उत्पादन, व्यापार और नवाचार का प्रमुख केंद्र बन रहा है। प्रदेश अब एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश ट्रेड शो के चैथे संस्करण में देश-विदेश से आए खरीदारों, उद्यमियों, निवेशकों और व्यापारिक प्रतिनिधियों की भागीदारी से प्रदेश में निवेश, उत्पादन, बिक्री और निर्यात को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर का दिन विशेष महत्व रखता है। यह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती है। उनके आर्थिक चिंतन, मुक्त व्यापार, आर्थिक स्वावलंबन और संगठन आधारित नीति की विचारधारा ने देश को दिशा दी। इसी दिन भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाए गए महत्वाकांक्षी मिशन मेक इन इंडिया अभियान की वर्षगांठ भी है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से भारत उत्पादन, डिजाइन और नवाचार का वैश्विक केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ा है।

गृहमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में निवेश के माहौल में बड़ा परिवर्तन आया है। वर्ष 2013 में औद्योगिक निवेश सम्मेलन के लिए दिल्ली का सहारा लेना पड़ता था, जबकि आज उत्तर प्रदेश देश-दुनिया के निवेशकों के लिए प्रमुख गंतव्य बन रहा है। कानून-व्यवस्था, अनुकूल औद्योगिक नीतियां, प्रो-एक्टिव सरकार और उद्यमियों की समस्याओं के त्वरित समाधान को इस बदलाव का आधार है। वर्ष 2025 के ट्रेड शो में पांच लाख से अधिक लोगों की भागीदारी, 2,400 से अधिक एमओयू तथा निवेश और व्यापारिक समझौतों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि वर्तमान चैथा संस्करण पिछले रिकॉर्ड को भी पार करने की क्षमता रखता है। यह ट्रेड शो उत्तर प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है।

गृहमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 2015 की तुलना में लगभग 11 गुना वृद्धि हुई है तथा भारत ने मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रिया, ब्रिटेन, ओमान, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ सहित विभिन्न देशों/क्षेत्रों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से भारतीय उद्यमियों के लिए नए निर्यात बाजारों की संभावनाएं बढ़ाई हैं। रक्षा उत्पादन और डिफेंस कॉरिडोर को उत्तर प्रदेश के औद्योगिक परिवर्तन का प्रमुख उदाहरण बताया गया। झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, आगरा, अलीगढ़ और कानपुर सहित छह नोड्स वाले उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर में रक्षा उत्पादन के लिए निवेश बढ़ रहा है। भारत का रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रूपये तक पहुंचा गया है। रक्षा निर्यात में 2013-14 की तुलना में अब 56 गुना से अधिक वृद्धि हुयी हैं और भारतीय रक्षा उत्पाद 80 से अधिक देशों को निर्यात किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में ब्रह्मोस तथा अमेठी में ए0के0-203 असॉल्ट राइफल जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा गया कि प्रदेश अब रक्षा निर्माण के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। डिफेंस कॉरिडोर के साथ आधारभूत ढांचे, अनुकूल नीतियों और निवेशकों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों को भी रेखांकित किया गया। प्रदेश की कानून-व्यवस्था में बदलाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जहां पहले अपराध और अवैध गतिविधियों की चर्चा होती थी, वहीं आज डिफेंस कॉरिडोर, वाहन निर्माण और मेडिकल डिवाइस पार्क जैसी औद्योगिक गतिविधियां विकसित हो रही हैं। औद्योगिक सुरक्षा, बेहतर नीतियों और निवेशकों की समस्याओं के समाधान से उत्तर प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए अनुकूल वातावरण बना है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में नोएडा एयरपोर्ट, एक्सप्रेसवे और अन्य आधारभूत ढांचा परियोजनाओं को निवेश के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और वातावरण बनाने वाला बताया गया। उत्तर प्रदेश के सात शहरों में मेट्रो संचालन का भी उल्लेख किया गया।

रोजगार और स्थानीय उद्योगों के संदर्भ में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। भदोही की दरी, मुरादाबाद का पीतल, फिरोजाबाद का कांच, सहारनपुर की काष्ठकला, कन्नौज का इत्र और वाराणसी की विश्व प्रसिद्ध साड़ी जैसे उत्पादों ने प्रदेश की पहचान को देश-दुनिया तक पहुंचाया है। स्थानीय उत्पादों को बड़े बाजार से जोड़ने के लिए वाराणसी के मलइयों, तिरंगा बर्फी, आगरा के पेठे, मथुरा के पेड़े और मेरठ की गजक जैसे उत्पादों को भी व्यापक बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कभी रोजगार के लिए उत्तर प्रदेश से बाहर जाने वाले युवाओं और छोटे उद्यमियों को अब ओडीओपी तथा स्थानीय उद्योगों के माध्यम से प्रदेश में ही नए अवसर मिल रहे हैं। ट्रेड शो के माध्यम से इन उत्पादों के व्यापार, उत्पादन और वैश्विक पहचान को और विस्तार मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह तथा पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल जापान, सिंगापुर, बेलारूस, रूस, वियतनाम और ऑस्ट्रिया के राजदूतों, उच्चायुक्तों एवं ट्रेड कमिश्नर्स तथा दुनिया के 90 देशों से आए 600 से अधिक फॉरेन बायर्स और एग्जिबिटर्स का स्वागत करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में पिछले चार वर्षों से यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो उत्तर प्रदेश में निर्मित उत्पादों, पारंपरिक उद्यमों, कारीगरों, युवाओं के इनोवेशन और एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को वैश्विक मंच उपलब्ध करा रहा है। इसके चैथे संस्करण में 36 हजार वर्ग मीटर के एक्सपो सेंटर में 2,400 से अधिक एग्जिबिटर्स भाग ले रहे हैं साथ ही लगभग 1.5 लाख बी02बी0 विजिटर्स के शामिल होने की संभावना है। गत वर्ष 2025 में 72 देशों के 500 से अधिक बायर्स ट्रेड शो का हिस्सा बने थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश के लोक कल्याण संकल्प-पत्र के निर्माण के दौरान मा0 केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश की ताकत उसके पारंपरिक उद्यमों में बताते हुए कहा था कि अपनी पारंपरिक उद्यम शक्ति को पहचानकर उत्तर प्रदेश मैन्युफैक्चरिंग का नया हब बन सकता है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से पारंपरिक उत्पादों को ब्रांड और वैश्विक बाजार उपलब्ध कराया गया। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात कर रहा है और ओडीओपी के साथ-साथ देश के प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यूपीआईटीएस में बढ़ता विदेशी फूटफॉल उत्तर प्रदेश के उत्पादों, सप्लाई चेन, उद्यमियों की विश्वसनीयता और प्रदेश के प्रति बढ़ते ग्लोबल ट्रस्ट का प्रतीक है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यूपीआईटीएस ट्रेडिशन और टेक्नोलॉजी, हेरिटेज और इनोवेशन तथा हुनर और मार्केट की संयुक्त शक्ति को एक मंच पर ला रहा है। जापान, रूस, वियतनाम, सिंगापुर, ऑस्ट्रिया और बेलारूस जैसे पार्टनर देशों के विशेष पवेलियन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और जॉइंट वेंचर के नए अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया के अनेक देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किए हैं। उत्तर प्रदेश इन समझौतों का लाभ उठाकर अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को प्रदेश में आमंत्रित करने और यहां से वैश्विक निर्यात का अवसर उपलब्ध करा रहा है। विदेशी खरीदारों की भागीदारी इस बात का संकेत है कि उत्तर प्रदेश के उत्पादों की गुणवत्ता, मजबूत सप्लाई चेन और उद्यमियों की क्रेडिबिलिटी पर वैश्विक बाजार का भरोसा बढ़ा है।

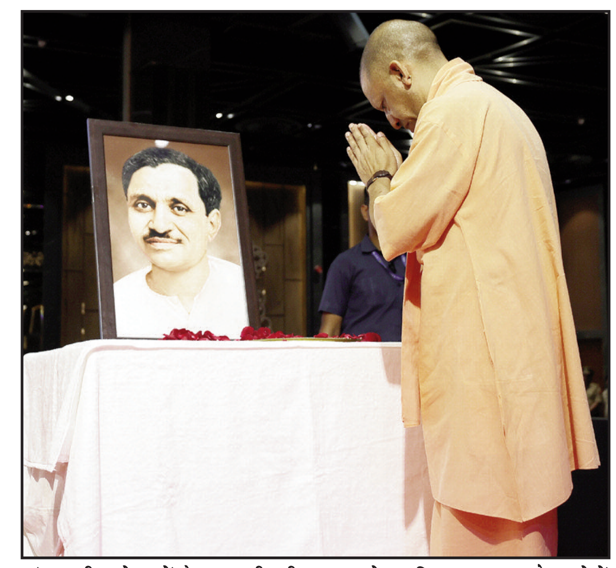

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत की समृद्ध परंपराओं और कारीगरों के हुनर को लंबे समय तक पर्याप्त संसाधन, बाजार, सहयोग और प्लेटफॉर्म नहीं मिल सका, जिसके कारण पारंपरिक कौशल की अगली पीढ़ी भी इससे दूर होने लगी। उत्तर प्रदेश में क्षमता की कमी कभी नहीं रही, आवश्यकता उस क्षमता को पहचानकर सही इकोसिस्टम और बाजार उपलब्ध कराने की थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक्सप्रेसवे, हाईवे, एयरपोर्ट, फ्रेट कॉरिडोर और इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के माध्यम से कनेक्टिविटी को आर्थिक अवसर और विकास का मल्टीप्लायर बनाया गया। निवेश, उत्पादन और वैश्विक बाजार को जोड़कर ऐसी वैल्यू चेन विकसित की गई, जिसने स्थानीय हुनर को व्यवसाय और रोजगार के अवसरों में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यूपीआईटीएस इसी परिवर्तन की कहानी को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर रहा है, जहां लोकल उत्पाद ग्लोबल मार्केट में अपनी पहचान बना रहे हैं। यह सरकार की कार्य संस्कृति है, जिसने उत्तर प्रदेश की पोटेंशियल को पॉसिबिलिटी और पॉसिबिलिटी को प्रॉस्पेरिटी में बदलने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि ओडीओपी योजना पारंपरिक शिल्पकारों और कारीगरों को सीधे वैश्विक बाजार से जोड़ रही है। वहीं पीएम विश्वकर्मा और विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के माध्यम से कारीगरों को स्किल, टूलकिट, क्रेडिट, ब्रांडिंग और मार्केट से जोड़ने का प्रयास किया गया है।

मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश में एम0एस0एम0ई0 क्षेत्र के 79 उत्पादों को जी0आई0 टैग प्राप्त है तथा 75 नए उत्पादों के लिए आवेदन किया गया है। भदोही के कालीन, मुरादाबाद का पीतल, कन्नौज का इत्र और वाराणसी की सिल्क साड़ियां जैसे पारंपरिक उत्पाद आज बड़े कारोबार वाले ब्रांड के रूप में अपनी पहचान बना रहे हैं। यूपीआईटीएस इन हस्तशिल्पियों को सीधे ग्लोबल बायर्स से जोड़कर मिडिलमैन की व्यवस्था को कम करने और बाजार तक सीधी पहुंच उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यूपीआईटीएस का चैथा संस्करण उत्तर प्रदेश की ग्रोथ स्टोरी, मैन्युफैक्चरिंग पावर, पारंपरिक हुनर और युवाओं के इनोवेशन को वैश्विक मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने सभी पार्टनर देशों, उनके राजदूतों, उच्चायुक्तों एवं ट्रेड कमिश्नर्स का आयोजन से जुड़ने के लिए आभार व्यक्त किया तथा मुख्य अतिथि आदरणीय अमित शाह जी के प्रति पुनः आभार व्यक्त करते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर प्रदेश के मा0 एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चैधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) प्रदेश के उद्यमियों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का सशक्त मंच बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इसका चैथा संस्करण पहले से अधिक व्यापक स्वरूप में आयोजित किया जा रहा है। आयोजन में रक्षा, कृषि, उद्योग, ई-कॉमर्स, आईटी, शिक्षा, चिकित्सा, बैंकिंग, डेयरी, हैंडलूम, टेक्सटाइल और जीआई उत्पादों समेत विभिन्न क्षेत्रों के 2400 से अधिक स्टॉल हैं। ई-कॉमर्स, एआई, सेमीकंडक्टर, फार्मा, वित्त आदि पर नॉलेज सेशन तथा फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय क्रेताओं के साथ बी2बी बैठकें भी हो रही हैं।

मंत्री जी ने बताया कि 05 लाख से अधिक फुटफॉल, 90 से ज्यादा देशों के 600 से अधिक क्रेताओं की भागीदारी संभावित है। इससे ओडीओपी, महिला उद्यमियों, युवा उद्यमियों, निर्यातकों और छोटे उद्यमों को वैश्विक बाजार तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक करोड़ से अधिक पंजीकृत एमएसएमई इकाइयां हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इनमें 03 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। ओडीओपी, विश्वकर्मा श्रम सम्मान, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान और प्लेज पार्क योजना के जरिए उद्यमियों को ऋण, प्रशिक्षण, विपणन व अन्य सुविधाएं दी जा रही हैं।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत अब तक 06 लाख से अधिक कारीगरों एवं हस्तशिल्पियों को लाभ मिला है। इस बार 14 नई ट्रेड जोड़कर कुल 25 ट्रेडों में प्रशिक्षण व उन्नत टूल किट की व्यवस्था की गई है। स्वरोजगार के लिए बिना गारंटी और बिना ब्याज ऋण की सुविधा भी उपलब्ध है। प्रदेश में निवेश और रोजगार बढ़ाने के लिए विभिन्न सेक्टरों की नीतियां लागू हैं और निवेश मित्र के माध्यम से उनका लाभ ऑनलाइन व पारदर्शी तरीके से दिया जा रहा है।

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान मा0 केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी एवं मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा ट्रेड शो में लगाए गए विभिन्न उत्पादों एवं औद्योगिक प्रदर्शनियों से संबंधित स्टॉलों का अवलोकन किया गया। इस दौरान दोनों गणमान्य अतिथियों ने प्रदर्शित उत्पादों, हस्तशिल्प, एम0एस0एम0ई0 इकाइयों तथा विभिन्न जनपदों की विशिष्ट औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी भी ली। कार्यक्रम के दौरान एक जनपद, एक व्यंजन पोर्टल का शुभारंभ भी किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की 110वीं जयंती के अवसर पर मा0 केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री तथा मा0 मुख्यमंत्री जी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के छायाचित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उनके राष्ट्र एवं समाज के प्रति योगदान का स्मरण किया गया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश ब्रजेश पाठक, मंत्री, औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एम0एस0एम0ई0 तथा निवेश प्रोत्साहन, उत्तर प्रदेश नन्द गोपाल गुप्ता ''नन्दी'', मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, उत्तर प्रदेश भूपेंद्र चैधरी, राज्य मंत्री, लोक निर्माण उत्तर प्रदेश बृजेश सिंह, राज्य मंत्री सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम उत्तर प्रदेश हंस राज विश्वकर्मा, राज्य सभा सांसद सुरेन्द्र सिंह नागर, सांसद गौतमबुद्धनगर डॉ0 महेश शर्मा, जिला पंचायत प्रशासक अमित चैधरी, सदस्य, विधान परिषद श्रीचंद शर्मा, सदस्य, विधान परिषद नरेन्द्र सिंह भाटी, विधायक, दादरी तेजपाल सिंह नागर, विधायक, जेवर धीरेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, शासन, जिला प्रशासन, प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' के रूप मे मनाएगा युवा व्यापार मंडल : विकास जैन

नोएडा। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने 2 अक्टूबर को 'नो यूपीआई डे' के रूप में मनाने का फैसला किया है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने बताया कि इस दिन संगठन से जुड़े व्यापारी यूपीआई के बजाय नकद लेन-देन को प्राथमिकता देने का संकल्प लेंगे। इसके साथ ही उन्होंने देश व प्रदेश के अन्य नागरिकों से भी यह प्रार्थना की है कि वह यूपीआई का उपयोग करने से बचे ताकि सरकार को यह मैसेज दिया जा सके की जनता या व्यापारी सरकार के हर फैसले में उसके साथ नहीं है।

विकास जैन ने कहा कि इस सांकेतिक अभियान के जरिए व्यापारियों की यूपीआई लेन-देन पर शून्य एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) की मांग को प्रमुखता से उठाया जाएगा। संगठन का कहना है कि यूपीआई लेन-देन पर किसी भी तरह का शुल्क व्यापारियों और छोटे कारोबारियों के लिए अतिरिक्त आर्थिक भार पैदा कर सकता है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल सरकार से मांग करता है कि व्यापारियों और छोटे व्यवसायों पर पड़ने वाले संभावित आर्थिक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर पुनर्विचार किया जाए। साथ ही व्यापारिक संगठनों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी शामिल किया जाए। संगठन के मुताबिक, 2 अक्टूबर का 'नो यूपीआई डे' किसी स्थायी व्यवस्था के विरोध के बजाय व्यापारियों की मांग को सरकार तक पहुंचाने के लिए सांकेतिक अभियान के रूप में आयोजित किया जाएगा।

जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को माह सितम्बर, 2026 के सापेक्ष निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की तिथि 29 सितम्बर तक बढ़ी

गौतमबुद्धनगर। जिला पूर्ति अधिकारी गौतमबुद्धनगर ने जानकारी देते हुए बताया कि आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग, उ0प्र0 जवाहर भवन लखनऊ के द्वारा अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत माह सितम्बर, 2026 के सापेक्ष निःशुल्क खाद्यान्न 10.09.2026 से 25.09.2026 तक वितरण तिथियां निर्धारित की गयी थी। उक्त के सम्बन्ध में प्रदेश के कतिपय जनपदों में राशन कार्डधारकों/उपभोक्ताओं को आवंटित खाद्यान्न शत-प्रतिशत वितरण न होने के कारण माह सितम्बर, 2026 के सापेक्ष, उपरोक्त आवश्यक वस्तुओं के वितरण का कार्य दिनांक 29.09.2026 तक विस्तारित किये जाने का निर्णय लिया गया है।

दिनांक 29.09.2026 तक ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार आधारित वितरण किया जायेगा, मोबाइल ओटीपी के माध्यम से वितरण की सुविधा पूर्व तिथि 25.09.2026 के साथ दिनांक 29.09.2026 को भी उपलब्ध रहेगी। उपरोक्तानुसार दिनांक 29.09.2026 तक कार्डधारकों को पोर्टेबिलिटी के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आवश्यक वस्तुओं के वितरण के सम्बन्ध में आयुक्त महोदय के कार्यालय पत्र के निर्देशों का अनुपालन कराते हुए वितरण कार्य सुनिश्चित कराया जायेगा ताकि कोई भी लाभार्थी खाद्यान्न प्राप्त करने से वंचित न रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

पंडित दीन दयाल उपाध्याय की जयंती पर भाजपा कार्यालय में पुष्पांजलि एवं गोष्ठी का आयोजन

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जन्म जयंती के अवसर पर सेक्टर-116 स्थित महानगर जिला कार्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महानगर अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में हुआ। इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके विचारों और राष्ट्रसेवा के योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम उत्तर प्रदेश नवाब सिंह नागर, जिला प्रभारी नोएडा डी. के. शर्मा, पूर्व विधायक विमला बाथम, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी, सुषमा सिंह, सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी अंत्योदय के महान प्रेरणास्त्रोत थे। उनका स्पष्ट विचार था कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी है, जब समाज की पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक विकास और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के इसी विचार और एकात्म मानववाद की भावना से प्रेरणा लेकर आज भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रसेवा के कार्य में निरंतर आगे बढ़ रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की योजनाओं से वंचित न रहे।

जिला प्रभारी डी. के. शर्मा ने कहा कि पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी का जीवन और उनका चिंतन भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता के लिए प्रेरणापुंज है। उन्होंने राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की सेवा का माध्यम माना। उनके विचारों से प्रेरणा लेकर भाजपा कार्यकर्ता समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर सेवा और जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, पूनम सिंह, नरेश शर्मा, राजेंद्र अवाना, डिंपल आनंद, संजय बाली, अशोक मिश्रा, राजकुमार बंसल, मुक्तानंद शर्मा, पंकज झा, बबलू यादव, पुष्पा रावत, भूपेश चौधरी, हरिओम जाटव, राहुल शर्मा, गौतम शर्मा, नीरज चौधरी, रामकिशन यादव, राजकुमार झा, प्रज्ञा पाठक, सुनील नागर, मनीष वाल्मीकि, मोनिका , रिंकू तवर, घनश्याम यादव, इंद्राज खटाना, मोनिका श्रीवास्तव,कालू पंडित, सुनीता शर्मा, दुर्वेश कुमार, दीपक शर्मा, नमिता चौबे, रचना जैन, अनुभूति टंडन, सहित उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के आदर्शों को अपने जीवन एवं संगठनात्मक कार्यों में अपनाने तथा राष्ट्रहित और समाजहित के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया।

सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में हुआ भूमि पूजन, शुरू हुई श्रीरामलीला की तैयारियां

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल, नोएडा द्वारा 11 अक्टूबर से 21 तक आयोजित होने वाले श्रीराम लीला मंचन की तैयारियाँ शुरू करने से पूर्व रामलीला मैदान, सी-ब्लॉक, सेक्टर -62 स्थित रामलीला स्थल पर भूमि पूजन किया गया।भूमि पूजन में भगवान राम,माता सीता,लक्ष्मण जी एवं हनुमान जी की भूमिका निभाने वाले कलाकार पूर्ण स्वरूप में उपस्थित रहे।सर्वप्रथम पंडित जी द्वारा भूमि पूजन कराया गया एवं देवी-देवताओं की आरती की गई।तत्पश्चात भगवान राम, सीताजी, लक्ष्मणजी एवं हनुमानजी की आरती की गई।

इस अवसर पर श्रीराम मित्र मंडल,नोएडा के महासचिव डॉ मुन्ना कुमार शर्मा ने सभी अतिथियों व उपस्थितजनों का स्वागत किया।उन्होंने समिति को सहयोग प्रदान करने के लिए नोएडा प्राधिकरण,नोएडा पुलिस और प्रशासन को धन्यवाद दिया। नोएडा के विधायक पंकज सिंह के प्रतिनिधि अनिल सिंह एवं समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग ने उपस्थितजनों को रामलीला की शुभकामनाएं दीं।समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

भूमि पूजन के साथ ही स्टेज बनाने ,पुतले बनाने एवं झूले आदि लगाने का कार्य प्रारंभ हो गया।दिनांक 15 अक्टूबर को सेक्टर-20 स्थित हनुमान मंदिर से राम बारात शोभा यात्रा शुरू होकर शहर के विभिन्न सेक्टरों से होते हुए श्रीरामलीला स्थल पहुंचेगी।20 अक्टूबर को दशहरा के दिन अहंकारी रावण का अंत होगा व विजयदशमी उत्सव मनाया जाएगा। श्रीरामलीला का मंचन मुरादाबाद की मंडली जानकी कला मंच के कलाकारों के द्वारा किया जाएगा।

भूमि पूजन के अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गर्ग,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,बजरंगलाल गुप्ता,रविन्द्र चौधरी, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सहकोषाध्यक्ष अनिल गोयल, धर्मेंद्र चौहान, मनोज शर्मा, मुकेश गुप्ता, मुकेश गोयल, पवन गोयल, एस. एम. गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, नवीन पोरवाल,अनंत वर्मा, राजेश माथुर, डॉ एसपी जैन, डॉ अनिल त्यागी, डॉ सूर्यकांत शर्मा, बाबूराम शर्मा,एमएल अरोड़ा, सहित बड़ी संख्या में शहर के गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समिति के पदाधिकारी तथा स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

एसी स्लीपर बस में आग : पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए ट्रैवल एजेंसी ने रात में

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर जिस बस में आग लगी, उसकी टिकट राज कल्पना ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से ऑनलाइन बुक की गई थी। जब बस हादसा हुआ तो पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए ट्रैवल एजेंसी ने देर रात में ही सभी यात्रियों के टिकट के रुपये ऑनलाइन वापस कर दिए। यात्रियों के परिजनों को सुबह टिकट बुकिंग रद्द होने का पता चला तो उनके होश उड़ गए। इसके बाद उन्होंने बस में यात्रा करने वाले अपने परिचितों को फोन मिलना शुरू किया। यात्रियों के परिजनों ने बताया कि रात करीब 10:30 बजे तक बस में यात्रा करने वाले परिचितों से उनकी फोन पर बात हुई थी।

इसके बाद वह सो गए। सुबह उठे तो पता चला कि ट्रैवल एजेंसी की तरफ से बुकिंग कैंसिल का मैसेज आया हुआ था। टिकट बुकिंग की राशि भी ऑनलाइन वापस कर दी गई थी। यह मैसेज देखकर परिजन चिंतित हो गए और तुरंत बस में यात्रा करने वाले अपने परिचितों को फोन किया, लेकिन किसी का फोन नहीं मिला। सभी के फोन बंद आ रहे थे। इसके बाद ट्रैवल एजेंसी में संपर्क किया गया तो पता चला कि बस में आग लग गई है।

इसके बाद परिवार के लोगों में अफरातफरी मच गई। उन्होंने आसपास रहने वाले अपने जानकारों और परिचितों को फोन करके घटनास्थल पर भेजना शुरू किया। पुलिस से संपर्क करने लगे। यमुना एक्सप्रेसवे के टोल फ्री नंबर पर कॉल की गई। काफी मशक्कत के बाद अपनों के बारे में पता चला, जिन लोगों के परिचित इस हादसे में सुरक्षित बच गए, वह भगवान का शुक्रिया कर रहे हैं, जिन्होंने अपने परिचितों को खो दिया, उनका रो-रोकर बुरा हाल है।

विश्व हृदय दिवस पर फेलिक्स अस्पताल करेगा वॉकथॉन का आयोजन

नोएडा। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर फेलिक्स अस्पताल की ओर से रविवार यानी 27 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे वॉकथॉन-2026 का आयोजन किया जाएगा। रविवार को सुबह 7 बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना है। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम एवरी बीट काउंट्स रखी गई है। आयोजन में वॉकथॉन के साथ सीपीआर का प्रत्यक्ष प्रदर्शन करने के साथ स्वास्थ्य संवाद और योग सत्र भी होगा। कार्यक्रम में इंडिया टीवी की वरिष्ठ संपादक मीनाक्षी जोशी, इंडिया टीवी के वरिष्ठ कार्यकारी संपादक सौरव शर्मा और न्यूज24 के कार्यकारी संपादक अखिलेश आनंद मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डीके ने बताया कि कार्यक्रम का सभा स्थल फेलिक्स अस्पताल सेक्टर-137, नोएडा रहेगा। यहां से प्रतिभागी वॉकथॉन में शामिल होकर सेक्टर-137 स्थित बायोडायवर्सिटी पार्क तक जाएंगे। कार्यक्रम का समापन बायोडायवर्सिटी पार्क में होगा। उन्होंने बताया कि हृदय हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण अंग है और इसके स्वस्थ रहने का सीधा संबंध हमारी जीवनशैली से है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी, असंतुलित खानपान और स्वास्थ्य की अनदेखी हृदय संबंधी समस्याओं के जोखिम को बढ़ा सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और नियमित रूप से इसकी जांच कराएं। विश्व हृदय दिवस का उद्देश्य केवल एक दिन जागरूकता फैलाना नहीं, बल्कि लोगों को जीवनभर अपने हृदय की देखभाल के लिए प्रेरित करना है। नियमित व्यायाम, संतुलित आहार, पर्याप्त नींद और धूम्रपान से दूरी स्वस्थ जीवनशैली के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। किसी भी प्रकार की असामान्य शारीरिक परेशानी को नजरअंदाज करने के बजाय समय पर चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए जागरूकता के साथ-साथ समय पर चिकित्सकीय परामर्श भी आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में शारीरिक गतिविधियों को शामिल करना चाहिए और अपने स्वास्थ्य से जुड़े जोखिमों को समझना चाहिए। वहीं अस्पताल की प्रबंध निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों समेत हर आयु वर्ग के लोगों को हृदय की देखभाल के प्रति सजग रहने की जरूरत है। हमारा उद्देश्य लोगों तक यह संदेश पहुंचाना है कि स्वस्थ हृदय के लिए छोटे-छोटे सकारात्मक बदलाव भी महत्वपूर्ण हो सकते हैं। वॉकथॉन जैसे आयोजन लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने का माध्यम हैं। हम सभी से अपील करते हैं कि अपने स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभाएं, परिवार के सदस्यों को जागरूक करें और स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें। कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क टोपी और प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। इससे वॉकथॉन में भाग लेने वाले लोगों को आयोजन की स्मृति के रूप में प्रमाणपत्र प्राप्त दिया जाएगा।

भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष ने सुनी व्यापारियों की समस्याएं

नोएडा। उत्तरप्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल नोएडा द्वारा व्यापारियों की समस्याओं के लिए आयोजित चर्चा कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता उपस्थित हुए।

उनको व्यापारियों ने फूल माला एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया।

सम्मानित करनेवालों में चेयरमैन नरेश कुच्छल, अध्यक्ष राम अवतार सिंह , वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश महावर आदि शामिल रहे।

इस मौके पर बीजेपी के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर व्यापारियों से पूर्व की भांति बीजेपी को समर्थन व सहयोग देने की मांग की।

इस पर चेयरमैन नरेश कुच्छल व अध्यक्ष राम अवतार सिंह ने पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता के कार्यकाल को याद किया और कहा कि उन्होंने व्यापारियों के हित में अनेक काम किया है। जिसे हम सभी व्यापारी भूल नहीं सकते। व्यापारियों का काम उनके एक टेलीफोन पर हो जाता था।

उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग पूर्व से ही भाजपा के साथ जुड़ा है। आज भी वह बीजेपी के साथ खड़े हैं।

उनका समर्थन बीजेपी को है। बता दें कि बीजेपी पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' के तहत जागरूकता कार्यक्रम अभियान भी चला रही है।

इस अवसर पर राधेश्याम गोयल, महेंद्र कटारिया,ब्रजमोहन राजपूत, वीरपाल चौधरी पाल चौधरी (बाली), सोहनलाल प्रजापति, सुनील कुमार, मूलचन्द्र गुप्ता, ओमपाल शर्मा सोहनवीर सिंह, सुभाष त्यागी, अंकित कौशिक आदि उपस्थित रहे।

नए भारत के निर्माण में यूपी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार : भूपेंद्र चौधरी

नोएडा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) प्रदेश के उद्यमियों, कारीगरों और हस्तशिल्पियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का सशक्त मंच बन चुका है। देश-दुनिया से बड़ी संख्या में खरीदारों और प्रतिनिधियों की सहभागिता से ये साफ है कि उत्तर प्रदेश नए भारत के निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। ये बातें शुक्रवार को प्रदेश के एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने ट्रेड शो के शुभारंभ पर कहीं। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदत्यिनाथ के नेतृत्व में पिछले तीन आयोजनों की सफलता के बाद अब यूपीआईटीएस का चौथा संस्करण आयोजित किया जा रहा है।

इस आयोजन में देश-विदेश के खरीदारों द्वारा दिखाई गई रुचि के कारण इस बार इसे और अधिक व्यापक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बार के आयोजन में रक्षा, कृषि, उद्योग, ई-कॉमर्स, आईटी, शिक्षा, अवसंरचना, चिकत्सिा, बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं, डेयरी, हैंडलूम, टेक्सटाइल और विभिन्न प्राधिकरणों एवं जीआई उत्पादों से जुड़े क्षेत्रों के 2400 से अधिक स्टॉल प्रमुख आकर्षण हैं। आयोजन के दौरान विभिन्न विषयों पर नॉलेज सेशन भी आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें ई-कॉमर्स, हेल्थकेयर, वित्त, एफपीओ, सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बेस्ट मैनेजमेंट और फार्मा जैसे विषय शामिल हैं। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस के सहयोग से विभिन्न देशों के खरीदारों के साथ बी2बी बैठकें भी आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से प्रदेश के उद्यमियों को अपने उत्पादों के संबंध में वैश्विक खरीदारों से सीधे विचार-विमर्श करने, नए बाजार तलाशने और अपने उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का व्यापक अवसर मिलेगा।

केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

ग्रेटर नोएडा। थाना बादलपुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले धूम मानिकपुर गांव में बृहस्पतिवार देर रात करीब दो बजे केमिकल बनाने वाली एक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि उस पर पूरी तरह से काबू पाने के लिए दमकल विभाग की कुल 21 गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजना पड़ा। इस भयानक हादसे में गनीमत यह रही कि किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना सामने नहीं आई है। आग बुझाने का यह पूरा अभियान करीब साढ़े पांच घंटे तक लगातार चला, जिसके बाद जाकर शुक्रवार सुबह 7:30 बजे आग पर काबू पाया जा सका।

घटना की जानकारी देते हुए मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि धूम मानिकपुर गांव में स्थित धूम ऑर्गेनिक कंपनी के अंदर रात करीब दो बजे आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तमाम टीमें बिना किसी देरी के मौके पर रवाना हो गईं। आग की भीषणता और उसकी गंभीरता को पूरी तरह भांपते हुए, 21 दमकल गाड़ियों के साथ-साथ एसडीआरएफ की एक बटालियन को भी तुरंत मौके पर बुलाया गया। दमकलकर्मियों ने रात दो बजे से लेकर सुबह 7:30 बजे तक अथक प्रयास कर आग बुझाने का यह बड़ा अभियान चलाया।

धमाकों के बीच बचाव कार्य में आई मुश्किलें: फैक्ट्री के भीतर बहुत बड़ी मात्रा में केमिकल से भरे हुए ड्रम रखे हुए थे, जिसके कारण आग पर पानी डालने और उसे बुझाने में दमकलकर्मियों को काफी भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे के मुताबिक, आग की भयंकर चपेट में आने की वजह से केमिकल से भरे ये ड्रम एक-एक करके जोरदार धमाकों के साथ फटने लगे थे। इन लगातार होते धमाकों के कारण वहां राहत एवं बचाव कार्य चलाना बेहद चुनौतीपूर्ण बना रहा, लेकिन टीमों ने हिम्मत नहीं हारी।

जहरीले धुएं से लोगों को हुई परेशानी: फैक्ट्री के अंदर भारी मात्रा में केमिकल के जलने की वजह से बहुत बड़ा और काला धुआं उठकर आसपास के पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गया। इस जहरीले धुएं के कारण फैक्ट्री के आसपास रहने वाले स्थानीय लोगों को सांस लेने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बच्चों ने थेरेपी रूम में 11 दिनों तक मनाया गणेश उत्सव

नोएडा। सेक्टर-70 स्थित फर्स्ट्वन रिहैब फाउंडेशन में 11 दिनों तक चले गणपति उत्सव का शुक्रवार को विधिवत और भव्य समापन हुआ। इस दौरान 'गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ' के जयघोष के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया। उत्सव की खास बात यह रही कि बच्चों ने अपने स्पाइडर केज थेरेपी रूम में बप्पा की स्थापना की थी। इन 11 दिनों के दौरान बच्चों ने न केवल पूजा-अर्चना की, बल्कि कहानियों के माध्यम से भगवान श्री कृष्ण और गणेश जी से जुड़ी धार्मिक व पौराणिक परंपराओं को भी समझा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन उत्सव के अंतिम दिन बच्चों ने उत्साहपूर्वक अभिनय और नृत्य की प्रस्तुतियां दीं। ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते बच्चों का आत्मविश्वास देखकर वहां मौजूद हर व्यक्ति भावुक और मंत्रमुग्ध हो गया।

मुख्यधारा से जोड़ने की अनूठी पहल: फाउंडेशन के निदेशक डॉ. महिपाल सिंह ने बताया कि ऐसे आयोजनों का मुख्य उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने कहा, 'सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजन बच्चों को भारतीय परंपराओं और सामाजिक मूल्यों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे उनमें खुशी और आत्मविश्वास बढ़ता है। '

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक डॉ. दीक्षा श्रीवास्तव, सीईओ डॉ. सुष्मिता भाटी, सेंटर मैनेजर सुरभि जैन और डिजिटल मीडिया मैनेजर सौम्या सोनी सहित पूरी टीम और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 2500 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती

नोएडा। चौथे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के उद्घाटन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इसके तहत 2,500 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं, ड्रोन से निगरानी की जा रही है, रूट डायवर्ट किए गए हैं और 20 से ज्यादा जगहों पर पार्किंग की सुविधा दी गई है। नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) के संयुक्त पुलिस आयुक्त राजीव नारायण मिश्रा ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बातचीत की है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए नोएडा की पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने कहा कि चौथे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के लिए ड्रोन सर्विलांस, रूट डायवर्जन और पार्किंग अरेंजमेंट के साथ 2,500 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था को हम लोगों की ओर से 12 सेक्टरों में विभाजित किया गया है और एसपी रैंक के अधिकारियों को ड्यूटी के लिए लगाया गया है। पीएसी की भी यहां तैनाती की गई है। चार लेयर की सिक्योरिटी की व्यवस्था की गई है। लोगों को असुविधा न हो, इसके लिए ट्रैफिक की एडवाइजरी पहले से जारी की जा चुकी है। '

यमुना एक्सप्रेसवे बस अग्निकांड: भ्रामक पोस्ट पर पुलिस की कार्रवाई, एफआईआर दर्ज

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर बस में आग लगने से नौ लोगों की मौत के मामले में भड़काऊ और भ्रामक पोस्ट प्रसारित करने पर पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोप है कि रुमाखातून नामक एक्स हैंडल से घटना का वीडियो पोस्ट कर उसमें आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणी की गई। बस में आरएसएस और भाजपा के लोगों द्वारा आग लगाने और इसमें तीस से अधिक मुस्लिम यात्रियों की मौत का दावा किया गया था। पुलिस के अनुसार पोस्ट से कानून-व्यवस्था प्रभावित होने तथा लोगों में भय और आक्रोश फैलने की आशंका थी। मामले में मीडिया सेल के उपनिरीक्षक की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

बता दें कि यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती एसी स्लीपर बस में आग लगने से नौ यात्री जिंदा जल गए। 20 यात्री घायल हो गए। मृतकों में तीन पुरुष व तीन महिलाएं हैं। तीन की पहचान नहीं हुई है। हादसे में चालक की भारी लापरवाही सामने आई है। यात्रियों ने जलने की बदबू आने और आग लगी होने की शिकायत की थी, पर चालक हंसते हुए बीड़ी पीते रहे। धमकाते हुए कहा, मरना है तो मरो, बस नहीं रोकेंगे। बुधवार रात 11:30 बजे दिल्ली से महोबा जा रही बस जेवर एयरपोर्ट से 500 मीटर आगे निकलते ही हादसे की शिकार हो गई। उसमें 30-35 यात्री सवार थे। पुलिस ने गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर चालक पवन व विनोद, परिचालक योगेश को गिरफ्तार किया है। तीनों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में एसी में स्पार्क से आग लगने की आशंका है।

बस में महोबा के भाजपा नेता की पत्नी और बेटा भी जिंदा जले

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर बुधवार की रात आग का गोला बनी एसी स्लीपर बस में जिंदा जले सभी नौ लोगों के शवों की पहचान हो गई। गुरुवार को छह शवों की पहचान हो गई थी। शुक्रवार को तीन अन्य शवों की भी पहचान हो गई। इनमें महोबा के भाजपा नेता की पत्नी और बेटा भी शामिल हैं। दिल्ली के कश्मीरी गेट से महोबा जा रही एक स्लीपर बस बुधवार की रात जेवर कोतवाली क्षेत्र में आग का गोला बन गई थी। बस में आग लगने से नौ लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। करीब 25 यात्रियों ने बाहर कूद कर अपनी जान बचाई थी।

हादसे में जान गंवाने वाले छह लोगों के शवों की गुरुवार की देर शाम तक पहचान हो गई थी। परिजनों ने किसी तरह अपनों की पहचान की थी। तीन शवों की पहचान नहीं हो सकी थी। शुक्रवार को परिजनों ने उनकी पहचान की। इनमें दो शवों की पहचान महोबा के भाजपा नेता नीरज गुप्ता की पत्नी सुनीता गुप्ता और बेटे शशांक गुप्ता के रूप में हुई। एक शव की पहचान ओमप्रकाश निवासी सीताराम कॉलोनी सूरजपुर के रूप में हुई। पुलिस के मुताबिक मृतक ओमप्रकाश मूलरूप से महोबा की तरफ के रहने वाले थे। वह फिलहाल सूरजपुर में रह रहे थे। परिजनों ने उनका पता सूरजपुर का लिखवाया है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद सभी शव परिजनों को सौंप दिए।

विमेन हॉस्टल में एसी यूनिट में लगी आग, हादसा टला

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित विमेन हॉस्टल में बृहस्पतिवार रात एसी के आउटडोर यूनिट में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। यह आग हॉस्टल की छठी मंजिल पर लगी, जिससे छात्राओं में अफरातफरी मच गई। हालांकि, हॉस्टल के अग्निशमन उपकरणों की मदद से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया और कोई घायल नहीं हुआ।

सात मंजिला इस हॉस्टल में करीब पांच सौ महिलाएं रहती हैं, जिनमें ज्यादातर छात्राएं और नौकरीपेशा हैं। सेक्टर-58 थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बृहस्पतिवार रात करीब 2 बजकर 40 मिनट पर छठी मंजिल के एक कमरे में एसी के आउटडोर यूनिट में अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ। जिस कमरे में आग लगी, उसमें एक छात्रा पढ़ाई कर रही थी। उसे धमाके जैसी आवाज सुनाई दी और बाहर देखने पर आग लगी होने का पता चला। छात्रा ने तुरंत हॉस्टल की वार्डन और सुरक्षा गार्ड को सूचना दी। आग की खबर मिलते ही अन्य महिलाएं भी जाग गईं और अफरातफरी का माहौल बन गया। हॉस्टल कर्मचारियों ने अग्निशमन उपकरणों का उपयोग कर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और कुछ ही देर में आग बुझा दी गई। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि एसी के आउटडोर यूनिट में इलेक्ट्रिक शॉर्ट सर्किट सामने आया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में महिला सुरक्षा को लेकर सरकार और पुलिस विभाग सख्त, कई जरूरी निर्देश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में हाल ही में हुए आस्था पार्क गैंग रेप मामले के बाद एक बार महिला सुरक्षा का मुद्दा फिर से सुर्खियों में है. महिलाओं से संबंधित बढ़ते अपराधों को देखते हुए, दिल्ली के उपराज्यपाल और पुलिस आयुक्त ने महिला सुरक्षा पर गंभीर चिंता जताई है. इसके मद्देनजर, महिला पुलिसकर्मियों को सड़कों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर गश्त करने के निर्देश दिए गए हैं. इसी कड़ी में राजधानी दिल्ली के अलग– अलग इलाकों से दिल्ली पुलिस का एक्शन देखने को मिल रहे है. महिला सुरक्षा को लेकर सार्वजनिक स्थानों जैसे, पार्क, बाजार, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन पुलिस की तैनाती देखी जा रही है. कई इलाकों में पुलिस रात्री गश्त लगाती नजर आयी. आयुक्त ने सुझाव दिया है कि मुख्यालय में तमाम अधिकारियों के कार्यालयों में ड्यूटी करने वाली महिला कर्मियों का इस्तेमाल फील्ड ड्यूटी में किया जाए. जिसका असर भी दिखा और महिला पुलिसकर्मी तैनात नजर आयीं. बता दें कि महिलाओं से संबंधित अपराध के बढ़ते मामले को देखते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने गंभीर चिंता जाहिर की थी. वहीं घटनास्थल का दौरा करने के दौरान आयुक्त ने पाया कि घटना स्थल के आसपास अंधेरा था, सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे. इस तरह की खामियां के बाद आयुक्त ने बुधवार को कई दिशा निर्देश जारी किए, जिनमें डार्क स्पॉट, खराब पड़े स्ट्रीट लाइटें और पार्कों के आसपास बंद पड़े सीसीटीवी कैमरे की पहचान करने, पार्कों की टूटी दीवारों, गेटों के बारे में सिविक एजेंसियों को सूचित करने, बीट स्टाफ और सुरक्षा गार्डों की पार्कों में तैनाती जेबकतरों व अपराधियों के पार्कों में प्रवेश पर पाबंदी और पार्कों में फिर से साइकिल गश्त शुरू करने के निर्देश दिए.

दिल्ली-एनसीआर में करवट लेगा मौसम, 3 दिन बारिश का अलर्ट; गर्मी-उमस से मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। मानसून की विदाई के बाद भी दिल्ली के मौसम में एक बार फिर बदलाव आने वाला है। शनिवार से अगले तीन दिन तक राजधानी में हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इसके साथ तापमान में भी कुछ गिरावट आएगी। हालांकि शुक्रवार को तेज धूप और उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करती रही। शुक्रवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिनभर बादलों की आवाजाही के साथ धूप और बादलों के बीच लुकाछिपी जारी रहने की संभावना है। शनिवार से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। अगले तीन दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश होने से तापमान में कुछ गिरावट आ सकती है। शुक्रवार सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 84 दर्ज किया गया। इसे संतोषजनक श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में रही। हालांकि मौसम शुष्क होने के साथ हवा की गुणवत्ता में गिरावट शुरू हो गई है।

पुराने ढर्रे पर सुनाया गया फैसला, बृजभूषण के बरी होने पर महिला पहलवानों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के पूर्व सांसद और रेस्टलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के खिलाफ महिला पहलवानों ने दिल्ली की कोर्ट में अपील की है। अदालत के एक महीने पुराने आदेश को चुनौती देते हुए महिला पहलवानों ने दलील दी है कि यह फैसला 'पुराने और दकियानूसी' है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पारंपरिक और रूढ़िवादी सोच पर आधारित है, जो पीड़िताओं से एक निशित तरह के व्यवहार की ही अपेक्षा करता है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में कोर्ट ने अपने फैसले में बेहद कड़ी टिप्पणियां की हैं। अदालत ने कहा कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे और गढ़े हुए प्रतीत होते हैं और प्रथम दृष्टया पूरा मामला राजनीतिक रूप से प्रेरित साजिश का हिस्सा लगता है। अदालत ने तीन अगस्त को बृजभूषण सिंह और ड्ब्स्न्ढ्ढ के पूर्व सहायक सचिव विनोद तोमर को मामले में बरी कर दिया था। राउज एवेन्यू स्थित अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने कहा कि अभियोजन के मामले की अहम कड़ी रहीं दो महिला पहलवान अदालत में अपने आरोपों से मुकर गईं।

जेन जी वोटर पर सियासत तेज: जयराम रमेश बोले- युवाओं से डरते हैं पीएम

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस फैसले का जिक्र किया, जिसके तहत 1988 में मतदान की न्यूनतम उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष की गई थी। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि एक प्रधानमंत्री ने युवाओं को मतदान का अधिकार दिया, जबकि दूसरा जेन जी से यह अधिकार 'हथियाने' की कोशिश कर रहा है।

जयराम रमेश ने कहा, 'यह दो प्रधानमंत्रियों की कहानी है। दिसंबर 1988 में राजीव गांधी सरकार ने संसद के नियमित शीतकालीन सत्र में संविधान के अनुच्छेद 326 में संशोधन कर मतदान की न्यूनतम उम्र 21 से घटाकर 18 वर्ष की थी। उन्होंने इसे युवाओं को सशक्त बनाने वाला कदम बताया। ' कांग्रेस सांसद ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 2024 से मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) को रोक दिया गया है, जिससे जेन जी के नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'एक प्रधानमंत्री ने जेन जी को वोट का

अधिकार दिया, जबकि दूसरा इसे छीनने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल करने पर तुला हुआ है। '

कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया था कि जेन जी को मतदाता सूची से बाहर रखने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग भी की थी। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा था कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उसके अनुसार 'साजिश' के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा।

जयराम रमेश ने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करने पर जोर दे रहे हैं कि जेन जी मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज न हों। उन्होंने दावा किया कि युवाओं में सरकार के प्रति असंतोष को देखते हुए चुनाव आयोग के प्रमुख के जरिए उन्हें मतदाता सूची से दूर रखने की कोशिश की जा रही है। रमेश ने कहा था कि हर साल मतदाता सूची में संशोधन के लिए होने वाला एसएसआर रोक दिया गया है। उनके मुताबिक, यही वह प्रक्रिया है जिसके जरिए खासकर 18 वर्ष की उम्र पूरी करने वाले नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाते हैं।

उत्तर प्रदेश में ईएलसी कॉन्फ्रेंस स्थगित होने पर चुनाव आयोग ने दी सफाई, कहा-तारीखों में बदलाव सामान्य प्रक्रिया

नई दिल्ली , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में ईएलसी कॉन्फ्रेंस स्थगित होने को लेकर उठ रहे सवालों पर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने सफाई दी है। आयोग ने कहा है कि कार्यक्रमों की तारीखों में बदलाव एक सामान्य और लगातार चलने वाली प्रक्रिया है, जो कई कारणों से जरूरी हो जाती है। ईसीआई ने बताया कि वेन्यू की उपलब्धता, उच्च अधिकारियों के कार्यक्रम और प्राकृतिक कारणों जैसे कई कारणों से तारीखों में बदलाव किया जाता है। आयोग ने कहा कि इससे पहले भी कई बार ईएलसी कॉन्फ्रेंस को स्थगित किया गया है या तारीखें बदली गई हैं, जैसे कि हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और उत्तराखंड में। आयोग ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश की इन दो कॉन्फ्रेंस को स्थगित करने का फैसला 21 सितंबर को ही लिया गया था। दरअसल, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मेरठ दौरा 25 सितंबर को प्रस्तावित था। वहीं 28 सितंबर को वाराणसी में कार्यक्रम होना था। इन कार्यक्रमों में युवाओं से संवाद के साथ–साथ चुनावी साक्षरता से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होना था। बता दें कि उत्तर प्रदेश में आयोजित होने वाली ईएलसी कॉन्फ्रेंस यानी चुनावी साक्षरता क्लब सम्मेलन भारत निर्वाचन आयोग की एक विशेष पहल है। इसका मकसद युवा पीढ़ी और छात्रों को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ना और उन्हें जागरूक करना है। चुनाव आयोग युवा नागरिकों में लोकतांत्रिक जागरूकता और चुनावी शिक्षा को मजबूत करने के लिए चुनावी साक्षरता क्लब सम्मेलन (ईएलसी 2.0) और ईसीआईनेट ऐप पर क्षेत्रीय सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है।

रेल यात्रियों ध्यान दें, गाजियाबाद में साढ़े 7 घंटे का मेगा ब्लॉक; बदले गए 8 प्रमुख ट्रेनों के रूट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मंडल के गाजियाबाद यार्ड में संरक्षा कार्य के चलते चार दिसंबर को साढ़े सात घंटे का ट्रैफिक ब्लाक लिया जाएगा। इसके कारण ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। रेलवे ने आठ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया है। बदले मार्ग से चलने के कारण कई ट्रेनों के निर्धारित स्टॉपेज भी छूटेंगे।

इंदौर-जंक्शन-ऊना हिमाचल एक्सप्रेस (19307): चार दिसंबर को यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसका मेरठ सिटी स्टॉपेज छूटेगा।

कोटा-देहरादून नंदा देवी एक्सप्रेस (12401): यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी-रुड़की के रास्ते चलेगी। निर्धारित मार्ग के गाजियाबाद-मेरठ सिटी-देवबंद-बानहेड़ा खास के बजाय यह मार्ग अपनाया जाएगा। इसके गाजियाबाद, मेरठ सिटी और मुजफ्फरनगर स्टॉपेज छूटेंगे।

बांद्रा टर्मिनल-हरिद्वार एक्सप्रेस (19019): चार दिसंबर को यह ट्रेन हजरत निजामुद्दीन जंक्शन-तिलक ब्रिज-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसके गाजियाबाद, मेरठ सिटी और मुजफ्फरनगर स्टॉपेज छूटेंगे।

साबरमती-योग नगरी ऋषिकेश योगा एक्सप्रेस (19031): यह ट्रेन पुरानी दिल्ली-दिल्ली शाहदरा-लोनी-शामली-टपरी के रास्ते चलेगी। इसके गाजियाबाद, नया गाजियाबाद, मोदीनगर, मेरठ सिटी, मेरठ कैंट, सकोती टांडा, मुजफ्फरनगर और देवबंद स्टॉपेज छूटेंगे।

अमृतसर-बांद्रा टर्मिनल गोल्डन टेंपल एक्सप्रेस (12904): यह ट्रेन टपरी-शामली-लोनी-दिल्ली शाहदरा-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन जंक्शन के रास्ते चलेगी। इसके मुजफ्फरनगर, सकोती टांडा, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी और गाजियाबाद स्टॉपेज छूटेंगे।

देहरादून-कोटा नंदा देवी एक्सप्रेस (12402): चार दिसंबर को यह ट्रेन रुड़की-टपरी-शामली-लोनी-दिल्ली शाहदरा-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन जंक्शन के रास्ते चलेगी। इसके मुजफ्फरनगर, मेरठ सिटी और गाजियाबाद स्टॉपेज छूटेंगे।

अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (18238): यह ट्रेन टपरी-शामली-लोनी-दिल्ली शाहदरा-तिलक ब्रिज-हजरत निजामुद्दीन जंक्शन के रास्ते चलेगी। इसके देवबंद, मुजफ्फरनगर, खतौली, दौराला, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी, मोदीनगर, गुलधर, गाजियाबाद और साहिबाबाद स्टॉपेज छूटेंगे।

रेस कोई और दौड़ा, हाइट किसी और की नापी, दिल्ली पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा का खुलासा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली पुलिस में सिपाही के पदों पर भर्ती के लिए चल रही शारीरिक सहनशक्ति और माप परीक्षा (क्क्षरूञ्ज) के दौरान एक बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है. वजीरबाद स्थित दिल्ली पुलिस अकादमी (ष्ठक्क) में चल रही चयन प्रक्रिया में एक ऐसा मामला पकड़ा गया, जहां असली अभ्यर्थी की जगह उसका सॉल्वर मैदान में दौड़ लगाकर चला गया और खुद अभ्यर्थी अपनी पीठ पर चेस्ट नंबर चिपकाकर सिर्फ माप (मेजरमेंट) कराने पहुंच गया. सतर्क साथी अभ्यर्थियों की सजगता और पुलिस की मुस्तैदी से यह फर्जीवाड़ा बेनकाब हो गया. पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर संबंधित थाने में एफआईआर दर्ज कर ली है और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अकादमी वजीरबाद में दिल्ली पुलिस सिपाही भर्ती के लिए फिजिकल टेस्ट चल रहे हैं. इसी दौरान 1600 मीटर की लंबी दौड़, लंबी कूद और ऊंची कूद के कड़े शारीरिक चरणों को पार करने के बाद उम्मीदवारों की छाती और ऊंचाई की माप तथा बायोमेट्रिक औपचारिकताएं पूरी की जानी थीं. इसी प्रक्रिया के दौरान 19 वर्षीय एक अभ्यर्थी, जिसकी पहचान अक्षत (पुत्र, निवासी- वीपीओ सिलाना, जिला सोनीपत, हरियाणा) के रूप में हुई है, को संदिग्ध परिस्थितियों में देखा गया. मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों और वहां खड़े अन्य उम्मीदवारों का ध्यान इस बात पर गया

कि इतनी भारी-भरकम शारीरिक गतिविधियों और पसीने से तरबतर कर देने वाले दौर के बावजूद अक्षत के शरीर पर न तो एक बूंद पसीना था और न ही मैदान की कोई धूल-मिट्टी.अन्य उम्मीदवारों ने तुरंत इस पर आपत्ति जताई और अधिकारियों को सूचित किया कि यह वही लड़का नहीं है जिसने मैदान पर दौड़ और कूद जैसी शारीरिक परीक्षाएं वास्तव में दी थीं.

मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने अक्षत को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की. पूछताछ के दौरान अक्षत ने स्वीकार किया कि उसने खुद दौड़ में हिस्सा नहीं लिया था. उसके भाई ने उसकी जगह परीक्षा पास कराने के लिए एक अन्य सॉल्वर का इंतजाम किया था. वह सॉल्वर एक टेंपर्ड फर्जी एडमिट कार्ड के जरिए शातिर तरीके से अकादमी के अंदर घुस गया था. उस फर्जी अभ्यर्थी ने अक्षत की जगह मैदान पर सारी कठिन शारीरिक गतिविधियां पूरी कीं. इसके बाद, जब दौड़ और कूद का चरण समाप्त हो गया, तो वह सॉल्वर चुपचाप बाहर निकल गया और जाते-जाते अपना चेस्ट नंबर असली अभ्यर्थी अक्षत को सौंप गया, ताकि वह बायोमेट्रिक और माप परीक्षण के चरण में आसानी से शामिल हो सके.

दिल्ली पुलिस ने आरोपी अभ्यर्थी अक्षत को तुरंत सोनिया विहार पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में धोखाधड़ी, दस्तावेजों से छेड़छाड़ और साजिश रचने की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली.

एनसीबी चीफ ने राज्यों से ड्रग्स तस्करी नेटवर्क को खत्म करने के लिए तीन साल का रोडमैप तैयार करने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के महानिदेशक अनुराग गर्ग ने गुरुवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से ड्रग्स की तस्करी से निपटने के लिए अपने स्वयं के तीन साल के रोडमैप तैयार करने का आग्रह किया, जो नारकोटिक्स कंट्रोल पर राष्ट्रीय विजन दस्तावेज (2026-29) के अनुरूप है.

उन्होंने संगठित ड्रग्स तस्करी गिरोह को खत्म करने के लिए जब्ती-केंद्रित प्रवर्तन से नेटवर्क-केंद्रित दृष्टिकोण में बड़े बदलाव की भी मांग की. नई दिल्ली में एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुखों के तीसरे नेशनल कॉन्फ्रेंस के आखिरी सेशन में गर्ग ने राज्य स्तरीय एंटी-नारकोटिक्स एजेंसियों से कहा कि वे अगले तीन सालों में ड्रग्स को कंट्रोल करने की चुनौती का सामना करने के लिए पूरी लगन और ईमानदारी के साथ काम करें.

एनसीबी ने 'यूनाइटेड रिज़ॉल्व, शेयर्ड रिस्पॉन्सिबिलिटी' थीम पर दो दिन का कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया था जो बुधवार को खत्म हुआ. सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स हेड्स के साथ-साथ केंद्र सरकार के अलग-अलग डिपार्टमेंट्स और एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने बातचीत में हिस्सा लिया.

एनसीबी चीफ ने कहा कि अलग-अलग राज्यों द्वारा तैयार किए गए रोडमैप में उनकी खास ड्रग्स-ट्रैफिकिंग चुनौतियों और जरूरतों को ध्यान में रखना चाहिए और साथ ही विजन डॉक्यूमेंट के तहत राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ भी तालमेल रखना चाहिए.

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनफोर्समेंट एजेंसियों को सिर्फ जब्त किए गए नारकोटिक्स की मात्रा के आधार पर परफॉर्मेंस मापने से आगे बढ़कर ट्रैफिकिंग के लिए जिम्मेदार नेटवर्क की पहचान करने, उनका पता लगाने और उन्हें खत्म करने पर ध्यान देना चाहिए. डीजी ने कहा, 'अब जब्ती पर ध्यान देने वाले तरीके से नेटवर्क पर ध्यान देने वाले तरीके की ओर बढ़ने का समय आ गया है,' उन्होंने ट्रांसनेशनल, इंटरस्टेट और इंट्रास्टेट ड्रग-ट्रैफिकिंग नेटवर्क की पहचान करने और उन्हें खत्म करने के लिए मिलकर कोशिश करने की जरूरत पर जोर दिया.

उन्होंने जानकारी कोऑर्डिनेशन और सहयोग को बेहतर ढंग से शेयर करने के लिए एनफोर्समेंट और इंटेलिजेंस एजेंसियों के बीच मजबूत नेटवर्क बनाने के महत्व पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि ऐसा कोऑर्डिनेशन, अलग-अलग ड्रग्स जब्ती के पीछे काम कर रहे बड़े नेटवर्क का पता लगाने और उनके ऑर्गनाइज़र और फाइनेंसर को टारगेट करने के लिए बहुत ज़रूरी होगा. कॉन्फ्रेंस में हुई बातचीत में स्टेट एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स को मजबूत करने, नार्को समन्वय केंद्र और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी की मीटिंग्स को ज़्यादा नतीजे देने वाला बनाने, ड्रग नेटवर्क की फाइनेंशियल प्रोफाइलिंग, पीआईटीएनडीपीएस एक्ट का असरदार इस्तेमाल और किंगपिन और ऑर्गनाइज़्ड ट्रैफिकिंग नेटवर्क पर खास मुकदमा चलाने पर खास ध्यान दिया गया. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जिन्होंने मंगलवार को कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया, ने 31 दिसंबर, 2029 तक भारत से ड्रग्स के व्यापार को खत्म करने का एक बड़ा नेशनल टारगेट तय किया था, और इस मकसद को देश के विकास के लक्ष्यों और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की ज़रूरत से जोड़ा. कॉन्फ्रेंस में यूजीसी के नशा मुक्त कैंपस फ्रेमवर्क, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के आस-पास 500 मीटर के ड्रग-फ्री ज़ोन बनाने और नशा मुक्त भारत अभियान को बढ़ाने सहित डिमांड में कमी, रोकथाम और रिहैबिलिटेशन पर भी बात हुई. प्रवर्तन पक्ष पर दो दिवसीय सम्मेलन में प्रतिभागियों ने खुफिया नेतृत्व वाली अवरोधन के लिए एनएआर-के9 और सूचना साझा करने के लिए एमएसी मंच के अलावा निदान, ई-साक्ष्य, ई-जेल और सीसीटीएनएस जैसे डेटाबेस और प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों के उपयोग पर चर्चा की. सिंथेटिक दवाओं, पूर्ववर्ती रसायनों, गुप्त प्रयोगशालाओं, डार्कनेट और क्रिप्टोक्यूरेंसी-आधारित नशीले पदार्थों के अपराधों से जुड़ी उभरती चुनौतियों पर भी चर्चा की गई.

हरदीप पुरी से बीएल वर्मा तक, उत्तर प्रदेश राज्यसभा चुनाव के लिए 16 अक्टूबर को होगा मतदान

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की 10 राज्यसभा सीटों में से 9 पर 25 नवंबर को सदस्यों का कार्यकाल खत्म होने वाला है। इससे पहले इन सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होने वाले हैं। इनमें समाजवादी पार्टी नेता राम गोपाल यादव और बसपा के रामजी शामिल हैं। बाकी सीटें बीजेपी के सदस्यों की हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के उपराज्यपाल बनने के बाद उनकी सीट 11 सितंबर को ही खाली हो चुकी है।

उत्तर प्रदेश से बीजेपी के अरुण सिंह, गीता उर्फ चंद्रप्रभा पांडेय, नीरज शेखर, बृजलाल, बीएल वर्मा, सीमा द्विवेदी और हरदीप सिंह पुरी जैसे बड़े नेताओं का राज्यसभा में कार्यकाल खत्म हो रहा है। इनमें से कई नेता ऐसे हैं, जो फिलहाल केंद्र सरकार में बड़े पदों पर हैं और उन्हें आगे भी इन पदों पर बने रहने के लिए राज्यसभा में वापसी करना जरूरी है। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा को मंत्री पद पर बने रहने के लिए दोबारा संसद के किसी सदन का सदस्य बनना होगा। बीजेपी में बीएल वर्मा को दोबारा राज्यसभा भेजने को लेकर चर्चा है। वह ओबीसी समुदाय से आते हैं और उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी उनके नाम पर विचार कर सकती

है। वहीं 74 वर्षीय हरदीप सिंह पुरी को लेकर भी पार्टी में चर्चा है। उनके राज्यसभा में दोबारा जाने को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। माना जा रहा है कि पुरी स्वास्थ्य कारणों से सक्रिय राजनीति से दूरी बना सकते हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी पुरी की जगह किसे राज्यसभा का टिकट देगी। पूर्व पुलिस महानिदेशक बृजलाल भी राज्यसभा के लिए दावेदार माने जा रहे हैं। वह दलित समुदाय से आते हैं। बृजलाल उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा दो महिला राज्यसभा सांसदों सीमा द्विवेदी और चंद्रप्रभा पांडेय का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। सीमा द्विवेदी बीजेपी का ब्राह्मण चेहरा मानी जाती हैं। वह तीन बार विधायक रह चुकी हैं। वहीं चंद्रप्रभा पांडेय ओबीसी समुदाय से आती हैं और उत्तर प्रदेश बीजेपी महिला मोर्चा की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का उत्थान ही राष्ट्र निर्माण', पं. दीनदयाल की जयंती पर पीएम मोदी ने किया नमन

नई दिल्ली , एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को सुभाषितम में भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल को नमन किया है। इसके साथ ही संस्कृत श्लोक के जरिए पुरुषार्थ से सफलता के बारे में बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा, 'राष्ट्रसेवा के सच्चे साधक पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति के उत्थान को राष्ट्र निर्माण का आधार माना और अंत्योदय की एक ऐसी विचारधारा दी, जिससे आज भी जनकल्याण की अद्भुत प्रेरणा मिलती है। आइए, इस विशेष अवसर पर उनके विचारों और आदर्शों को आत्मसात कर सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने का संकल्प दोहराएं।' इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक भी साझा किया, 'यथा यथा प्रयत्नः स्याद्भवेदाशु फलं तथा। इति पौरुषमेवास्ति दैवमस्तु तदेव च॥' इस श्लोक का हिंदी अर्थ है, मनुष्य जितना अधिक पुरुषार्थ और प्रयास करता है, उतनी ही शीघ्र सफलता प्राप्त करता है। इसलिए केवल भाग्य नहीं बल्कि कर्म, साहस और नए विचारों को साकार करने का पुरुषार्थ ही सफलता और नवाचार का मार्ग प्रशस्त करता है। यह श्लोक

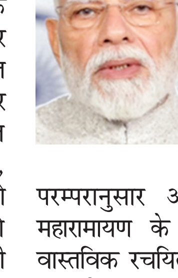

प्रसिद्ध हिंदू दार्शनिक ग्रंथ 'योगवासिष्ठ' से लिया गया है। यह इस ग्रंथ के द्वितीय प्रकरण (मुमुक्षुव्यवहारप्रकरणम्) के छठे सर्ग का दूसरा श्लोक है।

योगवाशिष्ठ महारामायण संस्कृत सहित्य में अद्वैत वेदान्त का विशाल ग्रन्थ है। परम्परानुसार आदिकवि वाल्मीकि योगवाशिष्ठ महारामायण के रचयिता माने जाते हैं, लेकिन वास्तविक रचयिता वशिष्ठ हैं और महर्षि वाल्मीकि इस सिद्धांत ग्रन्थ के संकलनकर्ता मात्र हैं। योगवाशिष्ठ महारामायण में जगत् की असत्ता और परमात्मसत्ता का विभिन्न दृष्टान्तों के माध्यम से प्रतिपादन है। भारद्वाज के मोक्ष की प्राप्ति के लिए की गई प्रश्नोत्तरी का भी वर्णन है।

संक्षिप्त समाचार

एशियन गेम्स

नेपाल ने अफगानिस्तान को 16 गेंद पहले 5 विकेट से हराया

द्वनिशिन । एशियन गेम्स 2026 में शुक्रवार को कोरोगी स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए ग्रुप ए के मुकाबले में नेपाल क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से हरा दिया है। अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम की शुरुआत खराब रही और टॉप-3 बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पारी की शुरुआत करने आए मोहम्मद अकरम 2 रन और हसन ईसाखिल बिना खाता खोले आउट हो गए। करीम जन्नत 9 रन बनाकर आउट हो गए। चौथे

नंबर पर बल्लेबाजी के लिए फैसल शिलोजादा और पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नजबुल्ला जादरान ने टीम को संभाला। दोनों ने 30-30 रन की पारी खेली और टीम को 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 102 रन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए नांगेयालिया खरोटी ने भी नाबाद 17 रन बनाए।

नेपाल की तरफ से ललित राजवंशी ने 3 और कुशाल भुर्टेल ने 4 विकेट लिए।

103 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी नेपाल की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 12 के स्कोर पर 2 और 31 के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन संदीप जोरा के 35 गेंदों पर बनाए 34 रन और पूर्व कप्तान रोहित पौडेल के 32 गेंदों पर बनाए नाबाद 33 रनों की बदौलत टीम ने 17.2 ओवर में 5 विकेट पर 103 रन बनाकर मैच 5 विकेट से जीत लिया। कप्तान दीपेंद्र सिंह ऐरी ने भी 15 रन बनाए। नेपाल का अगला मैच शनिवार को जापान से होना है। इस मैच में जीत की स्थिति में नेपाल ग्रुप में शीर्ष

50 मीटर राइफल 3पी टीम सिल्वर के बाद ऐश्वर्य, नीरज व्यक्तिगत मेडल से चूके

नागोया । भारतीय राइफल शूटर ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरज कुमार शुक्रवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में पुरुषों के 50 मीटर 3-पोजीशन इवेंट के फाइनल में मेडल से चूक गए। वे क्रमश: पांचवें और आठवें स्थान पर रहे। ऐश्वर्य 327.6 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि नीरज 299.0 के साथ आठवें स्थान पर रहे। चीन के युकुन लियू ने 360.5 के गेम्स-रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड जीता, जबकि झांग चांगहोंग ने 360.2 के साथ सिल्वर जीता। इस्लाम सतपायेव ने 348.3

के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। ऐश्वर्य शुरुआती स्टेज में रेस में बने रहे, प्रोन सीरीज के बाद छठे स्थान पर रहे, फिर दूसरी नीलिंग सीरीज के बाद 205.3 के साथ पांचवें स्थान पर पहुंचे और आखिर में ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे। नीरज का फाइनल ज्यादा मुश्किल साबित हुआ और वह 299 के स्कोर के साथ आठ फाइनलिस्ट में सबसे आखिर में रहे। ऐश्वर्य हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन गेम्स में भारत के सबसे सफल शूटर्स में से एक थे। उन्होंने चार पदक जीते थे। उन्होंने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन टीम इवेंट्स में गोल्ड और 10 मीटर एयर राइफल में व्यक्तिगत ब्रॉन्ज और 50 मीटर राइफल 3-पोजीशन में सिल्वर मेडल जीता था।

एशियन गेम्स: 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में

सुरुचि, कमलजीत ने गोल्ड जीता

नागोया । भारत को एशियन गेम्स में दूसरा गोल्ड मिल गया है। सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियन रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इंडोनेशिया के डार्मोयो ए. और प्रबोवो एम. 349.4 के साथ चौथे स्थान पर रहे। सुरुचि और कमलजीत ज्यादातर कॉम्पिटिशन में नियंत्रण में थे, और दबाव बढ़ने पर भी उन्होंने अपना कंपोज़र बनाए रखा। जब सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब भारतीय जोड़ी शांत रही और अपनी बढ़त बनाने और उसे बचाने के लिए कई सटीक शॉट लगाए। मिक्स्ड-टीम फॉर्मेट में उनकी पार्टनरशिप बहुत जरूरी साबित हुई। उनका शानदार स्कोर आखिरकार रिपब्लिक ऑफ कोरिया को पीछे रखने के लिए काफी साबित हुआ। इलेक्ट्रॉनिक स्कोरबोर्ड पर जैसे ही फाइनल स्कोर आए, 484.6 के एशियन रिकॉर्ड ने भारत की यादगार जीत पक्की कर दी और शूटिंग टीम को नागोया में जश्न मनाने का एक और कारण दे दिया। इस गोल्ड ने कॉन्टिनेंटल लेवल पर शूटिंग में देश की लगातार मजबूती को दिखाया। सुरुचि और कमलजीत के लिए यह पल सिर्फ पोडियम पर सबसे ऊपर खड़े होने से कहीं ज्यादा था। उनके 484.6-पॉइंट के प्रयास ने एशियन रिकॉर्ड बुक में फिर से नाम लिख दिया। इससे पहले, भारतीय जोड़ी ने 587 (29 इनर 10) के स्कोर के साथ एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड तोड़ा, और हांगझोऊ 2023 में एक और भारतीय जोड़ी, सरबजोत सिंह और दिव्या सुब्बाराजू के बनाए 577 के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

राजू, थेन्नारासु, रामराज और मनु की चौकड़ी ने देश को दिलाया रजत, पीएम मोदी ने दी बधाई

नागोया । माचेट्टीरा पूवम्मा राजू, विशाल थेन्नारासु, विथ्या रामराज और थेक्किनालिल मनु की भारतीय चौकड़ी ने नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में हुए कड़े मुकाबले वाले फाइनल में 4×400 मीटर में 3:14.46 का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया और देश की झोली में सिल्वर मेडल डाला। भारतीय रिले टीम की इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बधाई दी है। पीएमओ ने एक्स पर पीएम मोदी के हवाले से लिखा, 'हमारी मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम का शानदार प्रदर्शन। मनु टीएस, पूवम्मा एमआर, विशाल टीके और विथ्या रामराज को एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने पर बधाई। उनकी गति, तालमेल और पक्के इरादे ने रेस को रोमांचक बना दिया और भारतीय एथलेटिक्स के लिए गर्व का पल बना। उम्मीद है कि वे और भी ऊंचाइयों को छूते रहेंगे।' प्रतियोगिता में बहरीन ने 3:12.87 के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण जीता, जबकि वियतनाम 3:14.54 में रेस पूरी करके तीसरे नंबर पर रहा और ब्रॉन्ज मेडल जीता। जापान 3:15.52 के साथ चौथे स्थान पर रहा।

एशियन गेम्स

भारतीय महिला हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

मेजबान जापान को 3-1 से हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पूल बी के मैच में मेजबान जापान को 3-1 से हराकर भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने हाफ टाइम तक 2-0 की बढ़त बना ली थी। पहले क्वार्टर में लालरेम्सियामी ने ओपन प्ले से गोल करके स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसके बाद दूसरे क्वार्टर के आखिर में इशिका ने गोल किया। पहले हाफ में जापान भारत के ज्यादातर अटैक को रोकने में कामयाब रहा, लेकिन भारत ने स्ट्राइकिंग सर्कल के अंदर मिले मौकों का फायदा उठाकर नियंत्रण बनाए रखा। तीसरे क्वार्टर में, भारत ने

अपनी बढ़त 3-0 कर ली, जब नवनीत कौर ने सर्कल के अंदर बॉल ली, दाईं ओर मुड़ीं और जापानी गोलकीपर के ऊपर से उसे दूर कोने में डाल दिया। चौथे क्वार्टर की शुरुआत में जापान की कोबायाकावा शिहो ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया। भारत ने अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 3-1 से जीत हासिल की। भारतीय टीम की यह लगातार चौथी जीत थी। हॉकी के अलावा शुक्रवार का दिन भारत के लिए शूटिंग की वजह से भी अच्छा रहा। भारत को शूटिंग में एक गोल्ड और एक रजत पदक मिले हैं। भारत के लिए सुरुचि इंदर सिंह और कमलजीत ने एशियन गेम्स में 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीता। दोनों ने मिलकर फाइनल में 484.6 का एशियाई रिकॉर्ड स्कोर बनाया। भारतीय जोड़ी ने दबाव वाले फाइनल में हिम्मत नहीं हारी और सटीकता के साथ लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्टैंडिंग में टॉप पर रही। दक्षिण कोरिया के सुहयोन होंग और गेउन चू ने 478.0 के स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता, जबकि ईरान के वाहिद गोलखंडन और हानियेह रोस्तमियान ने 415.8 के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

पुरुष कबड्डी में थाईलैंड को हराकर फाइनल में भारत

तोकाई । भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने शुक्रवार को तोकाई सिटीजन जिमनैजियम में सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। आठ बार की विजेता और डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय टीम पुरुषों की स्पर्धा के नौवें फाइनल में पहुंच गई है और अपने 2023 के टाइटल को बचाने की कोशिश करेगी। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में दोनों हाफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड को 66-28 से हरा दिया। भारत ने पहले हाफ में 37 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड सिर्फ 18 पॉइंट्स ही बना पाया। दूसरा हाफ भी भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा, क्योंकि उसने 29 पॉइंट्स लिए, जबकि थाईलैंड ने 10 पॉइंट्स लिए।

भारतीय टीम ने पहले हाफ में 21 आउट लिए, जबकि उसने थाईलैंड के डिफेंस में भी गहरी पैठ बनाकर 12 बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। उसके अपोनेंट्स ने पहले हाफ के शुरुआती हिस्से में उसे कड़ी टक्कर दी और 13 आउट, तीन बोनस पॉइंट्स हासिल करने में कामयाब रहे तथा एक ऑल आउट भी किया। वहीं, दूसरे हाफ में भारत ने 22 और आउट लिए और तीन बोनस पॉइंट्स हासिल किए, साथ ही दो ऑल आउट भी किए, जबकि थाईलैंड ने सात आउट पॉइंट्स, दो बोनस पॉइंट्स हासिल किए और एक टेक्निकल पॉइंट भी लिया।

भारतीय टीम टूर्नामेंट में अजेय रही है। फाइनल में टीम इंडिया का सामना ईरान या चीनी ताइपे से होगा।

इससे पहले, भारतीय महिला कबड्डी टीम ने भी नेपाल पर 48-24 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाया था। टीम ने पहले हाफ में 31 पॉइंट्स हासिल किए और ब्रेक तक 31-17 की मजबूत लीड ले ली। फिर भारत ने दूसरे हाफ में 17 पॉइंट्स हासिल किए, जबकि नेपाल को सिर्फ सात पॉइंट्स मिले।

भारतीय टीम रेडिंग और डिफेंस दोनों में बेहतर थी। पहले हाफ में टीम इंडिया ने 23 आउट पॉइंट्स, चार बोनस पॉइंट्स लिए और दो ऑल आउट किए। दूसरी तरफ, नेपाल को 13 आउट पॉइंट्स और तीन बोनस पॉइंट्स मिले तथा उसने एक सुपर टैकल किया।

महिला कबड्डी टीम ने नेपाल को हराकर फाइनल में जगह बनाई

नागोया । भारतीय महिला कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में नेपाल को 48-24 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के महिला कबड्डी फाइनल में जगह बना ली है। इवेंट में जोरदार प्रदर्शन कर रही भारतीय टीम ने इस मैच की शुरुआत भी धमाकेदार अंदाज में की और पहले पांच मिनट में ही असरदार रेड से पॉइंट्स जमा करके 9-5 की लीड ले ली। नेपाल ने भारतीय रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया, जिसमें इंडियन रेडर सोनाली पर एक सुपर टैकल भी शामिल था, जिससे वह लाइन तक

नहीं पहुंच पाईं। इसके बावजूद, इंडिया ने 15-10 की पांच पॉइंट्स की मामूली लीड बनाए रखी। नेपाल की गंगा घिमिरे ने एक शानदार रेड की, एंकल होल्ड के बावजूद चार पॉइंट्स कमाए, जिसकी पुष्टि एक लंबे रिव्यू के बाद हुई। इससे पहले हाफ में चार मिनट बाकी रहते अंतर 21-15 हो गया। हालांकि, इंडिया ने धीरे-धीरे अपनी बढ़त बढ़ाई, और हाफ टाइम तक 31-17 की बड़ी लीड ले ली। इस दौरान संजू देवी और सोनाली का प्रदर्शन दमदार रहा।

दूसरे हाफ में भी भारत ने बढ़त बनाए रखी और 48-24 से बड़ी जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह बना ली। फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला शनिवार को चीनी ताइपे या ईरान से होगा। भारतीय टीम गत चैंपियन है। ऐसे में टीम इंडिया फाइनल में एक बार फिर से अपना ताज बचाने उतरेगी। शुक्रवार का दिन भारतीय टीम के लिए अच्छा रहा। कबड्डी के साथ ही शूटिंग, हॉकी, रिले टीम और स्क्वैश में शानदार प्रदर्शन किया।

नंदिनी शर्मा बोली- जब हम पोडियम पर खड़े थे और राष्ट्रगान बजा

...तो वह एहसास बिल्कुल अलग था

चंडीगढ़। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले, भारत ने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी महिला क्रिकेट का गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। दाएं हाथ की गेंदबाज नंदिनी शर्मा ने इस उपलब्धि पर गर्व जताया है। एशियन गेम्स में सोने का तमगा हासिल करने के बाद नंदिनी शर्मा ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में कहा, 'यह एशिया कप के फाइनल मैच की बात है। तब मुझे बेस्ट फील्डिंग के लिए मेडल मिला था। बेस्ट फील्डिंग के लिए मेडल मिलने का एहसास मेरे लिए बहुत ही शानदार था। बहुत अच्छा लगा था।' बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में 3 विकेट हासिल करने वालीं नंदिनी शर्मा ने कहा, 'हमें बस अपना बेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए कहा जाता है। नतीजा चाहे जो भी हो, हमें बस अपना बेस्ट खेलना

है। अब तक आप जो अच्छा करते आ रहे हैं, उसे जारी रखना है। स्मृति दी (स्मृति मंधाना), जेमी (जेमिमा रोड्रिगेज) मुझे काफी सपोर्ट करती हैं। विमेंस प्रीमियर लीग में जेमी के अधीन मेरा करियर शुरू हुआ था। वहां से मेरी जिंदगी बदल गई, क्योंकि जेमी ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। स्मृति दी, हमेशा की तरह, हर बार मुझे सपोर्ट करती हैं, मेरा साथ देती हैं और मुझे समझाती हैं कि क्या करना है।'

एशियन गेम्स 2026 में अब तक भारत को एकमात्र गोल्ड हाथ लगा है, जो भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दिलाया। नंदिनी ने कहा, 'भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल लाना बहुत गर्व की बात है। यह एहसास अद्भुत है। जब हम पोडियम पर खड़े थे और राष्ट्रगान बज रहा था, तो वह एहसास बिल्कुल अलग था, खासकर तब जब हमारा तिरंगा सबसे ऊपर था। यह सच में बहुत शानदार लगा।'

पहला वनडे: ब्रीत्जके का 'शतक', केशव ने लगाया 'चौका'

अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को 67 रन से धूल चटाई

डरबन। साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ किंग्समीड में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मैच को 67 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से बढ़त हासिल कर ली है। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम ने 50 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 297 रन बनाए। इस टीम ने 29 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद मैथ्यू ब्रीत्जके ने कप्तान टेंबा बावुमा के साथ तीसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। बावुमा 48 गेंदों में 4 चौकों के साथ 30 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ब्रीत्जके ने रयान रिकेल्टन के साथ चौथ विकेट के लिए 42 रन और डेविड मिलर के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 रन जोड़कर टीम को 168 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

रिकेल्टन 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे,

जबकि मिलर ने टीम के खाते में सिर्फ 9 रन जुटाए। इसके बाद ब्रीत्जके ने मार्को जानसेन के साथ छठे विकेट के लिए 81 गेंदों में 107 रन की साझेदारी की। ब्रीत्जके 14 चौकों और 2 छक्कों के साथ 112 रन बनाकर आउट हुए, जबकि जानसेन ने 59 गेंदों में 75 रन कूटे। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे। विपक्षी खेमे से नाथन एलिस ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि एडम जांपा को 2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, जोश हेजलवुड ने 1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 41.2 ओवरों में 230 के स्कोर पर सिमट गई। कप्तान मिचेल मार्श ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर मेबमानों को मजबूत शुरुआत दिलाई। इस सलामी जोड़ी ने 9.2 ओवरों में 90 रन की साझेदारी की। मार्श 36 गेंदों में 6 छक्कों और 5 चौकों के साथ 60 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद ट्रेविस हेड ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 39 रन जोड़े।